नई दिल्ली। मंगलवार, 06 अक्टूबर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 271/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल भारत के लिए यादगार रहा एशियन गेम्स 2026...
@ विचार एशियाड का चौथा स्थान प्रथम बनने का संकल्प बने...
@ व्यापार सोना करीब 0.5 प्रतिशत फिसला, चांदी 2.27 लाख रुपए...

खबर झरोखा

धोखाधड़ी के मामले में तृणमूल पंचायत प्रमुख गिरफ्तार



कोलकाता। उत्तर 24 परगना जिले के स्वरूपनगर की चारघाट पंचायत में तृणमूल कांग्रेस की पूर्व पंचायत प्रमुख को नौकरी दिलाने के नाम पर आर्थिक धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उनके पति, निखिल रंजन बिस्वास को पहले ही इसी आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है। यह गिरफ्तारी तब हुई जब कथित तौर पर धोखाधड़ी का शिकार हुए लोगों ने इस जोड़े के खिलाफ मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से शिकायत की। पुलिस ने गिरफ्तार महिला की पहचान बसंती बिस्वास के तौर पर की है। राज्य में सरकार बदलने के बाद उनके खिलाफ स्थानीय पुलिस स्टेशन में कई शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। मुख्य आरोप जबरन वसूली और आर्थिक धोखाधड़ी से जुड़े हैं।

आकाश आनंद फिर बने बसपा के राष्ट्रीय संयोजक



लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने सोमवार को बड़ा फैसला लेते हुए आकाश आनंद को एक बार फिर पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त कर दिया। पार्टी से उनकी वापसी के बाद अब उन्हें पूर्व में दी गई जिम्मेदारी फिर से सौंपते हुए संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने का मौका दिया गया है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि पार्टी और बहुजन आंदोलन के हित में काफी सोच-विचार के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने के बाद अब पार्टी में सब कुछ ठीक और सुचारू ढंग से चलेगा तथा संगठन में बार-बार बदलाव करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

राज्यसभा चुनावः भाजपा ने उत्तर प्रदेश में 8 उम्मीदवारों की सूची जारी की



नई दिल्ली। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश से 8 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। इस लिस्ट में दो महिलाओं को भी उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा द्वारा जारी सूची के अनुसार, धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पाण्डेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार को उम्मीदवार बनाया है। उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की 1 सीट पर द्विवार्षिक चुनाव होंगे , जबकि पश्चिम बंगाल की एक सीट पर उपचुनाव होगा। इन सभी सीटों पर 16 अक्टूबर को मतदान होगा। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 11 राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल नवंबर 2026 में खत्म हो रहा है।

लंदन से शिकागो जा रही ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट, 9,000 फीट तक नीचे आई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लंदन से शिकागो जा रही ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट ने आयरलैंड के ऊपर उड़ान भरते समय आपातकाल (इमरजेंसी) घोषित कर दिया। इसके बाद विमान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस्तेमाल होने वाला 7700 इमरजेंसी ट्रांसपोंडर कोड प्रसारित किया और लगभग 9,000 फीट की ऊंचाई तक नीचे उतर आया।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार24 के अनुसार, ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए295 अटलांटिक महासागर के मार्ग पर थी, जब उसने आपात स्थिति का संकेत भेजा। विमान के अचानक नीचे उतरने और 7700 कोड प्रसारित करने से विमानन विशेषज्ञों और एविएशन पर्यवेक्षकों का ध्यान इस घटना की ओर गया।

हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विमान में किस प्रकार की समस्या उत्पन्न हुई थी। विमान द्वारा प्रसारित 7700 कोड एक सामान्य आपात स्थिति को दर्शाता है और इसका उपयोग तब किया जाता है जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल को तत्काल सहायता की आवश्यकता के बारे में



सूचित करना हो। विशेषज्ञों के अनुसार, 7700 कोड यह तो बताता है कि विमान किसी आपात स्थिति का सामना कर रहा है, लेकिन यह उसके कारण की जानकारी नहीं देता। इसके पीछे तकनीकी खराबी, चिकित्सा आपात स्थिति या अन्य परिचालन संबंधी कारण हो सकते हैं। ब्रिटिश एयरवेज ने तत्काल कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की है कि इमरजेंसी घोषित करने की वजह क्या थी। विमान की स्थिति और उसके बाद की उड़ान से जुड़ी विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। यह घटना कुछ दिन पहले हुई एक अन्य चर्चित विमानन आपात स्थिति के बाद सामने आई है, जिसमें फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 को दुबई से तेल अवीव जाते समय कॉकपिट में कथित हमले के बाद रास्ता बदलना पड़ा था। उस मामले में विमान ने 7700 के साथ-साथ 7500 कोड भी प्रसारित किया था। 7500 कोड आमतौर पर विमान में गैरकानूनी हस्तक्षेप या संभावित हाईजैकिंग जैसी स्थिति का संकेत देता है।

रिपोर्टों के अनुसार, 30 सितंबर को हुई उस घटना में बोइंग 737 मैक्स 8 विमान में 174 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। कथित कॉकपिट विवाद के बाद विमान तेजी से नीचे उतरा था। बाद में विमान को सऊदी अरब के तबुक में सुरक्षित उतार लिया गया था। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ब्रिटिश एयरवेज की बीए295 उड़ान की घटना का फ्लाईदुबई मामले से कोई संबंध नहीं है। फिलहाल दोनों घटनाओं को अलग-अलग मामलों के रूप में देखा जा रहा है।

चुनाव आयोग ने कानून तोड़ा तो फैसले रोक देंगे: सीजेआई

फॉर्म 6 में बदलाव को मंजूरी नहीं दी; ईसी ने कहा था- इजाजत मिली

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की याचिका पर सुनवाई की। उन पर एसआईआर से जुड़े करीब 14 फैसले दो अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लेने का आरोप है।

अदालत ने उन्हें निलंबित करने का अंतरिम आदेश देने से तो इनकार किया, लेकिन चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर फैसले बिना सहमति के लिए पाए गए, तो उन्हें वापस लिया जा सकता है।



सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- फार्म-6 में किसी संशोधन को सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी नहीं दी है। इसके कुछ घंटे बाद चुनाव आयोग ने कहा कि 24 जून, 2025 के बिहार एसआईआर आदेश के दौरान फॉर्म 6 के साथ एक घोषणा जोड़ी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई के अपने आदेश में इसे सही ठहराया था। 9 दिन पहले भी चुनाव आयोग ने प्रेस नोट में कहा था कि एसआईआर के लिए फार्म-6 के साथ लगाए गए डिक्लेरेशन को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिली है।

सुप्रीम कोर्ट की 4 बड़ी बातें:

कार्रवाई के पहले जवाब जरूरी

अखबार की खबर के आधार पर आदेश नहीं दे सकते: सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कोई खबर 100% सही, आंशिक रूप से सही या गलत हो सकती है। इसलिए सिर्फ मीडिया रिपोर्ट के आधार पर सीईसी को सस्पेंड करने का अंतरिम आदेश नहीं दिया जा सकता। पहले चुनाव आयोग का जवाब और रिकॉर्ड देखना होगा।

फैसले सर्वसम्मति या बहुमत से होने चाहिए: सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग के फैसले सर्वसम्मति या बहुमत से लिए जाने चाहिए। यानी तीन सदस्यीय आयोग में किसी एक सदस्य का अकेले फैसला पूरे आयोग का फैसला नहीं माना जा सकता।

मुंबई की फिल्म सिटी में बड़ा हादसा, रणबीर कपूर की रामायण का सेट जलकर खाक

एजेंसी ■ मुंबई



मायानगरी मुंबई से एक बड़ी और डरावनी खबर सामने आई है। गोरेगांव ईस्ट स्थित प्रसिद्ध 'फिल्म सिटी' में सोमवार शाम अचानक आग लग गई, जिससे मौके पर अफरातफरी और हड़कंप मच गया। यह हादसा रिलायंस मीडियावर्क्स के करीब और प्राइम फोकस स्टूडियो के ठीक पीछे बने एक अस्थायी शूटिंग सेट पर हुआ।

अग्निशमन विभाग के अनुसार, आग की सूचना शाम 4:02 बजे मिली, जिसके बाद फायर ब्रिगेड ने इसे 'लेवल-1' की आपात स्थिति घोषित करते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू की।

शूटिंग का सामान और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर राख

आग इतनी तेजी से फैली कि उसने अस्थायी पीसीआर यूनिट को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में शूटिंग से जुड़ी भारी संपत्ति और महंगे उपकरणों का बड़ा नुकसान हुआ है। इलेक्ट्रिकल वायरिंग, साउंड सिस्टम, एसी यूनिट्स, बड़े केबल्स, लकड़ी के तख्ते, दरवाजे, बांस और प्लास्टिक के शेड्स जलकर पूरी तरह राख हो गए। राहत की बात यह रही कि फायर ब्रिगेड की टीमों ने मुस्तैदी दिखाते हुए शाम 4:55 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस घटना में किसी भी व्यक्ति के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है।

फॉर्म 6 को लेकर राहुल गांधी के पोस्ट को चुनाव आयोग ने बताया भ्रामक

एजेंसी ■ नई दिल्ली



मतदाता पंजीकरण से जुड़े फॉर्म 6 को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पोस्ट को चुनाव आयोग ने भ्रामक बताया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर फॉर्म 6 में 'अवैध और एकतरफा' बदलाव करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे बीजेपी की मदद के लिए पद के दुरुपयोग से भी जोड़ा। राहुल गांधी के इन आरोपों पर चुनाव आयोग ने दावे का फैक्ट चेक जारी करते हुए 'भ्रामक' बताया है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अब यह 'संदेह से परे स्थापित' हो चुका है कि ज्ञानेश कुमार ने फॉर्म 6 को अवैध और एकतरफा तरीके से बदला। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बीजेपी की मदद करने के लिए ज्ञानेश कुमार द्वारा अपने पद के दुरुपयोग का एक और सबूत है।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि 'लोकतंत्र पर आपराधिक हमले' में शामिल ज्ञानेश कुमार और अन्य सभी लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी। राहुल गांधी ने अपने दावे के साथ चुनाव आयोग की प्रेस नोट का एक हिस्सा भी साझा किया था। इसमें फॉर्म 6 और एसआईआर को लेकर कहा गया था कि एसआईआर के लिए फॉर्म 6 से जुड़ा डिक्लेरेशन सुप्रीम कोर्ट द्वारा बरकरार रखा गया है। वहीं, गैर-एसआईआर अवधि के दौरान रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टर्स रूल्स, 1960 के अनुसार लागू फॉर्म का इस्तेमाल किया जाएगा।

राहुल गांधी के आरोप के बाद इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने भी एक्स पर जवाब दिया और 'फैक्ट चेक' जारी करते हुए उनके बयान को भ्रामक बताया।

आयोग ने कहा कि बिहार में एसआईआर के लिए 24 जून 2025 का आदेश आयोग की सर्वसम्मत मंजूरी के साथ जारी हुआ था। इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई 2026 के अपने फैसले में बरकरार रखा था। दूसरी तरफ, ईसीआई ने कहा कि उसने 26 सितंबर 2026 की प्रेस नोट नं. 120 के पॉइंट 1(iii) में स्पष्ट किया था कि एसआईआर के लिए फॉर्म 6 के साथ संलग्न डिक्लेरेशन को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। इस तरह चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के उस आरोप को खारिज किया कि संबंधित फैसला एकतरफा तरीके से लिया गया था।

फॉर्म 6 को लेकर राहुल गांधी इससे पहले 1 अक्टूबर को भी चुनाव आयोग पर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट में दावा किया था कि ऑनलाइन फॉर्म 6 को अवैध रूप से बदला गया और कहा था कि चुनाव आयोग के अपने कमिश्नर्स ने भी इस मुद्दे को रिकॉर्ड पर रखा है।

एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस की 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होगी महारैली

एजेंसी ■ नई दिल्ली



नई दिल्ली। देश में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ बड़े अभियान का ऐलान किया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पार्टी 25 अक्टूबर से 25 नवंबर तक एक महीने का विशेष अभियान चलाएगी।

जयराम रमेश ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी एक महीने का कार्यक्रम चलाएगी। हम घर-घर जाकर हर बूथ पर चुनाव आयोग द्वारा हटाए गए नामों को फिर से जुड़वाने की कोशिश करेंगे। छह राज्यों की जानकारी बूथ के स्तर पर अभी हमारे पास है। हमारे पास अभी करीब 10 लाख बूथ हैं, करीब 13 से 13.5 करोड़ नाम हैं। एक महीने के अंदर पूरा कांग्रेस संगठन का प्रयास होगा कि वे घर-घर जाकर 13.5 करोड़ नाम जो काटे गए हैं, उन्हें एकत्रित करके और उजागर करके उनका नाम सूची में लाने का काम करेंगे।'

उन्होंने बताया, 'इस अभियान के तहत 1 नवंबर को रामलीला मैदान में एक महारैली का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए गठबंधन की सारी पार्टियों और विपक्षी पार्टियों को निमंत्रण दे रहे हैं। 26 नवंबर को हमेशा संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसलिए 25 और 26 नवंबर को छह अलग-अलग जगहों से दिल्ली चलो यात्रा की शुरुआत होगी। वोट बचाओ, देश बचाओ और सीईसी हटाओ के नारे को लेकर रैलियां होंगी।'

इससे पहले जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए सीईसी ज्ञानेश कुमार को सस्पेंड करने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, 'सुप्रीम कोर्ट ने आज एक याचिका पर सुनवाई की, जिसमें सीईसी ज्ञानेश कुमार को सस्पेंड करने की मांग भी की गई है।' उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया कामचलाऊ, गैरकानूनी और लापरवाह तरीके से चलाई जा रही है, जिसकी सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा और रिटायर्ड जजों ने भी आलोचना की है।

भारत-स्विट्जरलैंड के मध्य 5 समझौतों पर सहमति

एजेंसी ■ नई दिल्ली



भारत और स्विट्जरलैंड ने अपने रिश्तों को नया आयाम देने की कोशिश के तहत विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने पर सहमति जताई। दोनों देश केवल व्यापार और निवेश तक सीमित रखने के बजाय लोगों की आवाजाही, युवा पेशेवरों, परिवहन तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्टार्टअप जैसे नए क्षेत्रों तक ले जाने की दिशा में आगे बढ़े। स्विस राष्ट्रपति गाइ परमेलिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच पांच महत्वपूर्ण समझौते और सहयोग से जुड़े दस्तावेज तय किए गए। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

बताया गया कि इनमें सबसे महत्वपूर्ण समझौतों में से एक माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप (एमएमपी) से जुड़ा समझौता है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से लोगों की आवाजाही को बढ़ावा देना तथा समान व्यवहार के सिद्धांतों के तहत माइग्रेशन सहयोग को मजबूत करना है। समझौते में अनियमित प्रवासन, मानव शोषण और मानव तस्करी को रोकने के साथ ही उससे निपटने के लिए सहयोग करने का प्रावधान है। इसके तहत पांच साल तक की अवधि के लिए मल्टीपल-एंट्री वीजा की सुविधा का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक यात्रा में छह महीने तक रहने की अनुमति दी जा सकेगी। इसके अलावा छात्रों के लिए एक वर्ष की अवधि वाले नवीकरणीय परमिट की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। दोनों देशों ने युवा पेशेवरों के आदान-प्रदान के लिए भी एक समझौते पर सहमति जताई है। यंग प्रोफेशनल्स स्कीम (वाईपीएस) के तहत दोनों देशों के युवा पेशेवर दूसरे देश में सीमित अवधि के लिए काम कर सकेंगे। इसका उद्देश्य उन्हें अपने पेशेवर क्षेत्र में अनुभव हासिल करने के साथ-साथ भाषा और व्यावहारिक कौशल विकसित करने का अवसर देना है।

इस योजना के तहत हर साल प्रत्येक देश से 300 युवा पेशेवरों के आदान-प्रदान का प्रावधान होगा। जरूरत और सहमति के आधार पर यह संख्या बढ़ाकर 500 तक की जा सकती है।

तीर तेवर — सागर कुमार



बालोद में पुलिसकर्मी की बेटी पर एसिड अटैक, हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पुलिसकर्मी की बेटी पर एसिड अटैक हुआ है। 22 साल की छात्रा आमापारा लाइब्रेरी से पढ़ाई कर घर लौट रही थी, तभी सिंचाई कॉलोनी में एक युवक ने उस पर एसिड डाल दिया। एसिड से उसके शरीर का दाहिना हिस्सा और आंख-चेहरा बुरी तरह झुलस गया है।

उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर कर दिया गया है। आरोपी युवक ष्टष्टञ्जङ्क में भागते हुए नजर आया है। घटना बालोद थाना इलाके के आमापारा आत्मानंद स्कूल के सामने की है।



तेज जलन से चिल्लाने लगी, लोगों ने पहुंचाया अस्पताल - जानकारी के मुताबिक छात्रा एमए की पढ़ाई पूरी कर चुकी है। अभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। सोमवार दोपहर 12:30 को वह लाइब्रेरी से पढ़ाई कर घर लौट रही थी। इसी दौरान एक युवक ने उस पर एसिड डाल दिया। एसिड पड़ते ही छात्रा तेज जलन से चिल्लाने लगी। आसपास मौजूद लोगों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार, छात्रा के शरीर का दाहिना हिस्सा बुरी तरह झुलस गया है। चेहरे और आंख के आसपास भी जली है। पीड़िता बालोद शहर में पदस्थ एक पुलिसकर्मी की बेटी बताई जा रही है।

एसिड डालने के बाद पैदल भागा आरोपी - घटना के बाद आरोपी युवक पैदल ही आमापारा केनाल की ओर फरार हो गया। सूचना मिलते ही टीआई, एसपी और एएसपी समेत प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है।

फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि छात्रा पर हमला किस वजह से किया गया। आरोपी ने किस तरह के एसिड का इस्तेमाल किया।

हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल ट्रेड लॉ समिट 2026 का समापन

विश्व व्यापार संगठन की भूमिका और भविष्य पर मंथन

विश्व केसरी■

रायपुर। हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एचएनएलयू), रायपुर में तीन दिवसीय इंटरनेशनल ट्रेड लॉ समिट (आईटीएलएस) 2026 का रविवार को समापन हुआ। 'द वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन एट 30: रीइमैजिनिंग मल्टीलैटरलिज्म इन इंटरनेशनल ट्रेड लॉ' विषय पर आयोजित समिट में वर्तमान राजनीतिक और आर्थिक विखंडन के बीच बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था की प्रभावशीलता, चुनौतियों और भविष्य की दिशा पर विशेषज्ञों ने व्यापक विचार-विमर्श किया।



समिट के अंतिम दिन आयोजित उच्चस्तरीय पैनल चर्चा में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के प्रिंसिपल एडवाइजर-ट्रेड पॉलिसी सुमंथा चौधरी, आनंद एंड आनंद के हेड, डिजिटल टेक-लॉ डिवीजन डॉ. ए.के. गर्ग, मिसिसिपी के इंटरनेशनल ट्रेड लॉ विशेषज्ञ प्रो. एंथनी (टोनी) कैम्बस तथा लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरन अटॉर्नीज की एसोसिएट पार्टनर-इंटरनेशनल ट्रेड दिव्याश्री सूरी ने भाग लिया। पैनल में वर्तमान बहुपक्षवाद, वैश्विक व्यापार प्रणाली की प्रभावशीलता को प्रभावित करने वाली चुनौतियों तथा संस्थागत और नीतिगत स्तर पर इसके पुनरुद्धार की संभावित दिशाओं पर चर्चा हुई।

समापन सत्र की शुरुआत एचएनएलयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) वी.सी. विवेकानंदन के संबोधन से हुई। उन्होंने कहा कि व्यापक राजनीतिक विखंडन के बीच वर्तमान दशक में बहुपक्षवाद भी लगातार अधिक विखंडित हुआ है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में द्विपक्षीय और क्षेत्रीय व्यवस्थाओं की अपनी वैध भूमिका है, लेकिन वे व्यापक बहुपक्षीय ढांचे का विकल्प नहीं हो सकतीं। उन्होंने कहा कि बहुपक्षवाद कुछ चुनिंदा शक्तियों के संरक्षण या निर्देशित व्यवस्था तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें नया संतुलन विकसित किया जाना चाहिए।

एम्स रायपुर में जीनोमिक निदान पर हुई राष्ट्रीय कार्यशाला

उन्नत साइटोजेनेटिक तकनीकों पर विशेषज्ञों ने साझा किया अनुभव



विश्व केसरी■

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर के साइटोजेनेटिक्स विभाग द्वारा एनाटॉमी विभाग के सहयोग से 'फ्लोरोसेंट इन सिटू हाइब्रिडाइजेशन में संवेदनशीलता एवं कौशल विकास' विषय पर सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य उन्नत आणविक साइटोजेनेटिक तकनीक फ्लोरोसेंट इन सिटू हाइब्रिडाइजेशन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही इसके व्यावहारिक उपयोग और नैदानिक कौशल को विकसित करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स रायपुर के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने किया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने इस पहल को संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में एक मील का पत्थर बताया। उन्होंने एम्स रायपुर में उन्नत जीनोमिक निदान सुविधाओं की स्थापना और सुदृढ़ीकरण के साथ चिकित्सा आनुवंशिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता तथा कौशल विकास की आवश्यकता पर जोर दिया।

वैज्ञानिक सत्र में सेंटर ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स, बेंगलुरु के आमंत्रित विशेषज्ञ डॉ. जयराम ने फ्लोरोसेंट इन सिटू हाइब्रिडाइजेशन के सिद्धांत, कार्यप्रणाली और नैदानिक उपयोगिता पर व्याख्यान दिया।

महंत कॉलेज में एआई पर हुई गोष्ठी

पत्रकार रजनीश पात्रा ने ए आई के विभिन्न पहलुओं पर की चर्चा





विश्व केसरी■

रायपुर। महंत कॉलेज में पत्रकारिता विभाग द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के बढ़ते प्रभाव और उपयोगिता को लेकर विशेष चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डिजिटल पत्रकार रजनीश पात्रा ने विद्यार्थियों को एआई की वर्तमान स्थिति, भविष्य की संभावनाओं और शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में इसके महत्व के बारे में जानकारी दी।

रजनीश पात्रा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने वाले समय में हमारे जीवन और कार्यशैली को व्यापक रूप से प्रभावित करने वाला है। विद्यार्थियों को एआई को केवल तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि सीखने और अपनी कार्यक्षमता बढ़ाने के एक प्रभावी माध्यम के रूप में समझना चाहिए।

उन्होंने विद्यार्थियों से एआई के सकारात्मक और रचनात्मक उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि तकनीक का सही इस्तेमाल ज्ञान, कौशल और रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने एआई से जुड़े विभिन्न विषयों पर सवाल भी पूछे, जिनका रजनीश पात्रा ने सरल भाषा में जवाब दिया।

8 हजार से अधिक पदों पर युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर

राज्य स्तरीय रोजगार मेला 7-8 अक्टूबर को रायपुर के इंडोर स्टेडियम

विश्व केसरी■

रायपुर। प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा 7 एवं 8 अक्टूबर 2026 को राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में राज्य स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में और कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की अध्यक्षता में आयोजित इस रोजगार मेले में तकनीकी एवं गैर-तकनीकी क्षेत्रों के 8 हजार से अधिक रिक्त पदों पर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।



सचिव कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग डॉ. बसवराजू एस. ने बताया कि द्वारा रोजगार मेले में प्रदेश के वृहद उद्योगों एवं निजी प्रतिष्ठानों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध रिक्त पदों के लिए युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। इच्छुक युवा erojgar.cg.gov.in (ई-रोजगार पोर्टल) पर उपलब्ध रिक्तियों की जानकारी प्राप्त करने के साथ रोजगार मेले के लिए अपना पंजीयन भी करा सकते हैं। राज्य एवं जिला स्तरीय रोजगार मेलों में चयनित आवेदकों को कार्यक्रम के दौरान ऑफर लेटर प्रदान किए जाने की भी तैयारी की गई है। इसके साथ ही रोजगार मेले में आने वाले युवाओं को विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं उद्योगों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त करने और अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार के लिए आवेदन करने का अवसर मिलेगा। रोजगार मेले में अधिकाधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों सहित विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। संबंधित विभागों एवं जिलों को भी युवाओं तक रोजगार मेले की जानकारी पहुंचाने और उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रीय हिंदू संगठन का स्थापना दिवस मना

विश्व केसरी■

रायपुर। राष्ट्रीय हिंदू संगठन छत्तीसगढ़ 14वें स्थापना दिवस छत्तीसगढ़ मैं स्तरीय जवाहर नवोदय विद्यालय मनाया गया इसमें मध्य प्रदेश,सारंगढ़, धमतरी, कुरूद, रायपुर, तथा विभिन्न जिलों से आए हिंदू संगठन के लोग आए हुए थे, सर्वप्रथम मुख्य अतिथि द्वारा छत्तीसगढ़ी महतारी और हनुमान भारत माता , , स्वामी विवेकानंद ,, भगत सिंह पर दीप प्रज्वलंकर आरती कर हनुमान चालीसा, राष्ट्रगीत, छत्तीसगढ़ की प्रांतीय गीत कार्यक्रम को प्रारंभ हुआ सर्वप्रथम मुख्य अतिथि माननीय मोतीलाल साहू जी पुष्पमाला साल मोमेंट तो देकर सम्मानित किया गया, तत्पश्चात माननीय खोकन कुंडू प्रदेश प्रभारी अध्यक्ष राष्ट्रीय हिंदू संगठन छत्तीसगढ़ एवं एल्डरमेंट पार्षद पुष्प माला साल के सम्मानित किया गया। इसी तरह संदीप बोस प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय हिंदू संगठन सम्मानित किया गया, सुभा गा अन्नपूर्णा शर्मा प्रदेश अध्यक्ष वीरांगना प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़, सुभागा शीला सरदार जिला अध्यक्ष वीरांगना प्रकोष्ठ रायपुर, बी . एस परिहार प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़, महुआ मजूमदार प्रदेश अध्यक्ष सांस्कृतिक समिति छत्तीसगढ़, यश पटेल प्रदेश सचिव, खुशबू शर्मा प्रदेश सचिव, बप्पी लहरी, मनो कांत पटेल , नर्मदा पटेल संगठन मंत्री प्रदेश, गणेश दास प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य,अमित प्रजापति मीडिया शॉप प्रभारी डॉ परिहार, विनीत शर्मा, साधना दास ब्लॉक अध्यक्ष वीरांगना प्रकोष्ठ रायपुर छत्तीसगढ़, संजय यादव अध्यक्ष माना नगर पंचायत, भीमबंध निषाद, हरि साहू, नरेश पिल्ले, तरुण राय, ओम प्रकाश साहू , नरेश चौहान, धनराज, राष्ट्रीय हिंदू संगठन के सदस्य वरिष्ठ नागरिकों सम्मान उमेश चंद कुंडू पुष्पमाला साल मोमटो देकर सम्मानित किया गया, मिलन सरकार, पुलिन मंडल , सुबोल वैद्य , प्रिया वाला राय, मधु जी, इसी तरह पंडित महाराज का सम्मान किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
-:संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35880...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 05-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35880
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR803100449** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **Santosh rohara/Sunil kumar** पिता / पति श्री / श्रीमती **Gurumal/dularchand** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **PAYAL THAWRANI** पिता / पति श्री/श्रीमती **GANESH KUMAR THAWRANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी करपावण्ड जिला बस्तर छ.ग.

// उदघोषणा //
रा.प्र.क्र. 2027/ब-121/ 2025-26

इस उदघोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अर्जून पिता / पति सुकचंद जाति भतरा ग्राम तोंगकोगेरा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर छ.ग. द्वारा आवेदक स्वंय अथवा अपने दादी स्व. कोदनी निवासी ग्राम तोंगकोगेरा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर (छ.ग.)का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अत: आवेदक /आवेदिका के दादी स्व. कोंदनी पति सोमारू ग्राम तोंगकोगेरा का दिनांक 07/08/2019 को मृत्यु हुई है। आवेदक अर्जून पिता / पति सुकचंद जाति भतरा ग्राम तोंगकोगेरा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर आवेदक स्वंय अथवा आवेदक के दादी स्व. कोंदनी जन्म प्रमाण पत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वंय अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 15/10/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 01/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

तहसीलदार एवं कार्यपालिका
दण्डाधिकारी करपावण्ड ,जिला बस्तर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी करपावण्ड जिला बस्तर छ.ग.

// उदघोषणा //
रा.प्र.क्र 2609/ब/2025-26

इस उदघोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री / श्रीमती उदेनाथ बेसरा पिता स्व. सोनाधर बेसरा जाति भतरा निवासी ग्राम कोलाक तहसील करपावण्ड जिला बस्तर छ.ग. द्वारा आवेदक स्वंय अथवा अपने रिश्तेदार स्व. सोनाधर निवासी ग्राम कोलावल तहसील करपावंड जिला बस्तर छ.ग. का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अत: आवेदक / आवेदिका के रिश्तेदार स्व. सोनाधर बेसरा पिता स्व. सामनाथ ग्राम कोलावल का दिनांक 05/12/2012 को मृत्यु हुई है। आवेदक उदेनाथ बेसरा पिता/ पति सोनाधर जाति भतरा निवासी ग्राम तहसील करपावण्ड जिला बस्तर छ.ग. आवेदक स्वंय अथवा आवेदक के रिश्तेदार स्व. सोनाधार मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वंय अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 15/09/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 25/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
करपावण्ड जिला बस्तर

न्यायालय तहसीलदार लवन, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक/05/ तह. / वाचक / 2026
लवन दिनांक 28/09/2026
रा.प्र.कें 202600 2134000.0.4
अ-6अ/वर्ष 2025-26 ग्राम कोरवा प.ह.न. 29
आवेदक पक्षकार निर्मला पिता स्व. आजुराम जाति सतनामी उम्र 45 निवासी कोरदा तहसील लवन जिला-बलौदाबाजार भाटापारा (छ0ग0)
// राजस्व मामले में नोटिस प्रकाशन //
अनावेदक पक्षकार-
01. किरतीका बाई पिता रमेश कुमार जाति सतनामी
02. परमिका पिता रमेश कुमार जाति सतनामी
03. नीरजला पिता रमेश कुमार जाति सतनामी
04. पूर्णिमा पति रमेश कुमार जाति सतनामी
05. गीताबाई पिता सेवकराम जाति सतनामी
06. सावन बाई पति सेवकराम जाति सतनामी
निवासी ग्राम कोरदा प.ह.न. 29 रा.नि.मे. लवन तहसील लवन जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ0ग0)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि आवेदिका निर्मला पिता स्व. आजुराम सतनामी उम्र 45 वर्ष साकिन व कास्तकार ग्राम कोरदा तहसील लवन जिला-बलौदाबाजार भाटापारा (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि ग्राम कोरदा पo0ह0नं0 29 रा0नि0मे0 व तहसील लवन स्थित भूमि खo0नं0 354/1/छ रकबा 0.3030 हे0 का टुकड़ा रकबा 0.2030 हे0 भूमि बी-1 वर्ष 1984-85 के में आवेदिका के बूआ दादी नंदकुंवर पिता डॉडिया के नाम पर राजस्व अभिलेख में एकल खाते में दर्ज है। आवेदिका के बूंआ दादी नंदकुंवर द्वारा अपने जीवनकाल में कभी विकय नहीं किया गया है एवं उपरोक्त भूमि पर काबिज होकर आवेदक की बुआ दादी अपने जीवनकाल में कास्तकारी करते आ रहें हैं एवं उनके मृत्यु पश्चात वारिसान हक में आवेदिका दाखिल व काबिज होकर कास्तकारी करते हुये चले आ रही हैं। परंतु उपरोक्त भूमि खo0नं0 354/1/छ रकबा 0. 3030 हे0 का टुकड़ा रकबा 0.2030 हे0 भूमि त्रुटिवश वर्तमान ऑनलाईन बी-1, पी-2 खसरा पांचशाला में आनावेदकगण के नाम पर दर्ज दिखा रहा है, जो कि त्रुटिपूर्ण असत्य है, जिसे विलोपित कर बी-1 वर्ष 1984-85 के अनुसार खo0नं0 354/1/छ रकबा 0.3030 हे0 का टुकड़ा रकबा 0.2030 हे0 भूमि को वर्तमान ऑनलाईन बी-1, पी-21 खसरा पांचशाला में आवेदिका के दादी बुआ नंदकुंवर पिता डॉडिया के नाम पर दर्ज किये जाने बावत् आवेदन पत्र के साथ बी-1 वर्ष 1984-85 व नक्शा, चालान की छायाप्रति संलग्न कर छ0ग0भू0रा0 संहिता 1959 की धारा 115, 116 के तहत प्रस्तुत किया है। उक्त भूमि उक्त सबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचारधीन है।

अत: उक्त भूमि आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को यदि किसी प्रकार की कोई दावा आपत्तियां यदि कोई हो तो वे दिनांक 12/10/2026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं बाद में की गई दावा आपत्तियां पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं होगी।

यह ईश्तहार आज दिनांक 30/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर द्वारा जारी किया गया है।

तहसीलदार
लवन

न्यायालय तहसीलदार लवन, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक 03/तह./ वाचक / 2026
लवन दिनांक 21/09/2026
रा.प्र. के 202601213400040
अ-6अ/वर्ष 2025-26 ग्राम सिंघारी प.ह.न. 37
आवेदक पक्षकार परदेशी पिता बुदलू जाति केंवट उम्र 51 निवासी सिंघारी तहसील लवन जिला-बलौदाबाजार भाटापारा (छ0ग0)
// राजस्व मामले में नोटिस प्रकाशन //
अनावेदक पक्षकार-
01. राजेंद्र कुमार पिता अच्छेराम जाति सतनामी उम्र.....
निवासी ग्राम सिंघारी प.ह.न.37 रा.नि.मे. लवन तहसील लवन जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ0ग0)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि आवेदक परदेशी पिता बुदलू जाति केंवट ग्राम सिंघारी तहसील लवन जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है, ग्राम सिंघारी प.ह.न. 37 में स्थित भूमि ख.न. 84 रकबा 0.158 हें भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि आवेदक द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से खरीदी हुई भूमि है, जो कि नामांतरण पश्चात् आवेदक के नाम से दर्ज है, उक्त भूमि वर्तमान में अनावेदक राजेंद्र कुमार पिता अच्छेराम जाति सतनामी के नाम से दर्ज दिखा रहा है, एवं रकबा 0.158 के स्थान पर 0.0040 हें भूमि दर्ज दिखा रहा है जो कि त्रुटिपूर्ण असत्य है। जो कि आवेदक उक्त भूमि के 0.158 हें भूमि पर कास्तकाबिज है। उक्त भूमि वर्तमान अनावदक के नाम से दर्ज होने व वर्तमान मे रकबा 0.0040 हें दर्ज होने के कारण आवेदक को खाद, बीज, ऋण आदि लेने मे परेशानी हो रहीं है। अत: आवेदक उक्त भूमि ख.न. 84 में अनावेदक का नाम विलोपित आवेदक के नाम से दर्ज एवं 0.0040 हें भूमि के स्थान पर वास्तविक, रकबा 0.158 हें भूमि दर्ज किये जाने बाबत् आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 115 छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 के तहत आवेदन प्राप्त हुआ है। उक्त भूमि उक्त सबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचारधीन है।

अत: उक्त भूमि आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को यदि किसी प्रकार की कोई दावा आपत्तियां यदि कोई हो तो वे दिनांक 07/10/2026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं बाद में की गई दावा आपत्तियां पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं होगी।

यह ईश्तहार आज दिनांक 21/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर द्वारा जारी किया गया है।

तहसीलदार
लवन

न्यायालय तहसीलदार लवन, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक /04/ तह. / वाचक / 2026
लवन दिनांक 30/09/2026
रा.प्र.कें 202608213400035
अ-6अ/वर्ष 2025-26 ग्राम भालूकोना प.ह.न. 37
आवेदक पक्षकार उगेंद कुमार पिता खोलबाहरा पटेल जाति मरार उम्र 36 निवासी भालूकोना तहसील लवन जिला-बलौदाबाजार भाटापारा (छ0ग0)
// राजस्व मामले में नोटिस प्रकाशन //
अनावेदक पक्षकार-
01. रामू पिता श्यामू जाति ढीमर उम्र.....
निवासी ग्राम भालूकोना प.ह.न. 37 रा.नि.मे. लवन तहसील लवन जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ0ग0)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि आवेदक उमेंद कुमार पिता खोलबाहरा पटेल जाति मरार ग्राम भालूकोना तहसील लवन जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है, ग्राम भालूकोना प.ह.न. 37 तहसील लवन में स्थित भूमि ख.न. 1205/2शामिल 1256 रकबा 0.154 कुल ख.न. 01 कुल रकबा 0.154 हें भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है, उक्त भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख बी-1 में रामू पिता श्यामू जाति ढ़ीमर के नाम से दर्ज दिखा रहा है जो कि त्रुटिपूर्ण असत्य है, उक्त भूमि आवेदक वर्तमान में कास्तकाबिज होकर बोते खाते आ रहें है। उक्त भूमि रामू पिता श्यामू जाति ढ़ीमर के नाम से दर्ज होने के कारण आवेदक को कृषि कार्य में परेशानी हो रहीं है। अत: आवेदक उक्त भूमि मे वर्तमान भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर आवेदक अपने नाम से दुरूस्त किये जाने बाबत् आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 115 छ.ग.भू. राजस्व संहिता 1959 के तहत आवेदन प्राप्त हुआ है। उक्त भूमि उक्त सबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचारधीन है।

अत: उक्त भूमि आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को यदि किसी प्रकार की कोई दावा आपत्तियां यदि कोई हो तो वे दिनांक 14/10/2026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं बाद में की गई दावा आपत्तियां पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं होगी।

यह ईश्तहार आज दिनांक 30/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर द्वारा जारी किया गया है।

तहसीलदार
लवन

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35934...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35934
वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663E0378A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAMCHANDRA SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **MULCHAND SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **RAVI KUMAR SAHU** पिता/पति श्री श्रीमती **S/O RAMCHANDRA SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35869...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 03-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35869
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227000036** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHAMARIN SONWANI** पिता/पति श्री श्रीमती **PARSHRAM SONWANI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती जेठू राम सोनवानी पिता/पति श्री श्रीमती स्व. परस राम सोनवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मृत्यु प्रमाण पत्र, वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35868...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 03-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35868
वार्ड का नाम 11- डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227P00238** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SANJAY KUMAR SHARMA** पिता / पति श्री श्रीमती **LT. NEKIRAM SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती 1. आशा शर्मा 2. रश्मि शर्मा 3. मयंक शर्मा पिता/पति श्री श्रीमती 1. स्व. जर्नादन प्रसाद शर्मा 2. स्व. देवदत्त शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, सहमती पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, टैक्स रसीद / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35866...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 03-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35866
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227L00082** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **PUSHPA DAS** पिता / पति श्री श्रीमती **KRISHNA DAS** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती कृष्णा दास पिता / पति श्री श्रीमती स्व. जयदेव दास ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, सहमती पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, राजस्व आदेश तहसील, बी-1 / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्

ओमान बना भारत का सबसे बड़ा एलएनजी सप्लायर, सितंबर में अमेरिका को छोड़ा पीछे

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत के तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात परिदृश्य में सितंबर के दौरान बड़ा बदलाव देखने को मिला। ऊर्जा बाजार के आंकड़ों के अनुसार, ओमान भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा और उसने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब भारत पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनावों के बीच अपने ऊर्जा आयात स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति पर लगातार काम कर रहा है।

ऊर्जा विश्लेषण कंपनी क्प्लर के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में भारत ने ओमान से 5.85 लाख टन एलएनजी का आयात किया, जो अगस्त की तुलना में 11.6 प्रतिशत अधिक था। इसके साथ ही भारत के कुल एलएनजी आयात में ओमान की हिस्सेदारी लगभग 27 प्रतिशत रही।

नाइजीरिया सितंबर में भारत का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी सप्लायर रहा। हालांकि वहां से आयातित मात्रा 3.51 लाख टन रही, जो पिछले महीने की तुलना में 35 प्रतिशत कम थी। वहीं, अगस्त में भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता रहा अमेरिका तीसरे स्थान पर खिसक गया। अमेरिका से आयात 59 प्रतिशत घटकर सितंबर में लगभग 16 प्रतिशत हिस्सेदारी तक सीमित रह गया।

एक समय भारत के एलएनजी आयात का सबसे बड़ा स्रोत रहा कतर भी इस सूची में काफी पीछे चला गया। सितंबर में कतर से केवल 94,000 टन एलएनजी आयात किया गया और वह छठे स्थान पर रहा। इसके मुकाबले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 3.11 लाख टन और अंगोला ने 2.05 लाख टन एलएनजी भारत को निर्यात की।

विश्लेषकों के अनुसार, कतर की आपूर्ति में आई गिरावट का प्रमुख कारण मार्च में रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी पर हुए हमले का प्रभाव है। यह क्षेत्र कतर का प्रमुख एलएनजी उत्पादन केंद्र माना जाता है और भारत सहित कई देशों के लिए प्राकृतिक गैस का महत्वपूर्ण स्रोत है।

सितंबर में भारत का कुल एलएनजी आयात भी घटा। अगस्त में जहां आयात 25 लाख टन था, वहीं सितंबर में यह 14 प्रतिशत घटकर 21.7 लाख टन रह गया। प्राकृतिक गैस भारत की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए जरूरी है।

इसका उपयोग उर्वरक उत्पादन, औद्योगिक ताप प्रक्रियाओं, बिजली उत्पादन और शहरी परिवहन में बड़े पैमाने पर किया जाता है। भारत अपनी एलएनजी जरूरतों का लगभग आधा हिस्सा आयात करता है।

वर्तमान में भारत के एलएनजी आयात का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशियाई देशों, विशेष रूप से कतर और यूएई से आता है, इन आपूर्तियों का बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।

स्विस राजदूत ने किया राष्ट्रपति परमेलिन का स्वागत

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत में स्विट्जरलैंड की राजदूत माया तिस्सापी ने स्विस परिसंघ के राष्ट्रपति गाइ परमेलिन की भारत यात्रा का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि नौ साल में किसी स्विस राष्ट्रपति का यह पहला भारत दौरा है और अगले तीन दिनों में उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिजनेस और साइंस जगत के दिग्गजों से अहम मुलाकातें होंगी।

राजदूत माया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, ''स्विस परिसंघ के राष्ट्रपति गाइ परमेलिन का भारत में बहुत-बहुत स्वागत है। इस अहम राजकीय दौरे पर नई दिल्ली में आपका स्वागत करना मेरे लिए खुशी की बात है। नौ साल में किसी स्विस राष्ट्रपति का यह पहला भारत दौरा है।''

उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''अगले तीन दिनों में कई अहम बातचीत और बैठकें होंगी। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिजनेस और साइंस जगत के प्रमुख लोगों के साथ मुलाकातें शामिल हैं। इसके अलावा भारत-ईएफटीए प्रॉस्पेरिटी समिट भी खास रहेगा, जहां टीईपीए (व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता) लागू होने की पहली वर्षगांठ मनाई जाएगी।''

राष्ट्रपति परमेलिन की भारत यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) को लागू हुए एक वर्ष पूरा होने जा रहा है। स्विस राष्ट्रपति ने अपनी यात्रा को इस समझौते की पहली वर्षगांठ के संदर्भ में दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को आगे बढ़ाने का अवसर बताया है।

भारत पहुंचे राष्ट्रपति परमेलिन ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में उनके सम्मान में आयोजित औपचारिक स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए।

आईटीआरए शोध का दावा: योग-आयुर्वेद से बच्चों की बेडवेटिंग समस्या में सुधार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। बच्चों में नींद के दौरान अनजाने में बिस्तर गीला करने की समस्या (शय्यामूत्र) के प्रबंधन में आयुर्वेदिक औषधि और योगासन के संयोजन के उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। आयुष मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्व के संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (आईटीआरए), जामनगर में किए गए एक चिकित्सकीय अध्ययन में पाया गया कि आयुर्वेदिक औषधि के साथ नियमित योगासन करने वाले बच्चों में केवल आयुर्वेदिक औषधि लेने वाले बच्चों की तुलना में बिस्तर गीला करने की आवृत्ति में अधिक सुधार देखा गया।

आईटीआरए के कौमारभृत्य विभाग द्वारा किए गए इस अध्ययन में 6 से 14 वर्ष की आयु के लगभग 38 बच्चों को शामिल किया गया और 8 सप्ताह तक उनका अध्ययन किया गया। बच्चों को दो समूहों में विभाजित किया गया था।

पहले समूह को 'मेध्य रसायन चूर्ण' दिया गया, जिसमें ब्राह्मी, शंखपुष्पी, मुलेठी और गिलोय का मिश्रण था। दूसरे समूह को इसी आयुर्वेदिक औषधि के साथ सुबह और शाम चार सरल योगासन (उत्कटासन, अर्ध-शलभासन, भुजंगासन और शवासन) का अभ्यास कराया गया।

केवल आयुर्वेदिक औषधि लेने वाले समूह में बिस्तर गीला करने की आवृत्ति में लगभग 38 प्रतिशत सुधार दर्ज किया गया, जबकि आयुर्वेदिक औषधि के साथ योगासन करने वाले समूह में लगभग 70 प्रतिशत तक सुधार देखा गया।

दिमाग से डिलीट होगी दर्दनाक याद! बोस्टन यूनिवर्सिटी का बड़ा दावा- इनग्राम तकनीक से यादों को मिटाना होगा संभव

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। डिजिटल डेस्क, बोस्टन। क्या आपके जीवन में ऐसी खूबसूरत यादें हैं, जिन्हें आप ताउम्र संभालकर रखना चाहते हैं, या कोई ऐसी बात जिसे आप अपने जहन से हमेशा के लिए मिटा देना चाहते हैं, लेकिन क्या ऐसा करना आपके लिए संभव है?

तो इसका जवाब है नहीं, लेकिन आने वाले कुछ सालों में ऐसा करना संभव हो सकता है, क्योंकि विज्ञान अब सिर्फ यादों को सिर्फ समझने की कोशिश नहीं कर रहा, बल्कि उन्हें बदलने, दबाने और दोबारा एक्टिव करने की ओर भी कदम बढ़ा चुका है।

अमेरिका की प्रसिद्ध बोस्टन यूनिवर्सिटी के 'सेंटर फॉर ब्रेन एंड मेमोरी' के एसोसिएट प्रोफेसर स्टीव रामिरेज की किताब 'हाउ टू टेंज ए मेमोरी' और हलिया शोधों ने नया तूफान ला दिया है। यह किताब रॉयल सोसायटी त्रिवेदी साइंस बुक प्राइस के लिए भी शॉर्ट लिस्ट हो चुकी है।



चूहों पर किया गया प्रयोग हुआ सफल

यह प्रयोग चूहों पर किया गया जिसमें यह साबित हुआ है कि दिमाग में न्यूरॉन्स के स्तर पर बदलाव करके किसी याद को मिटाना, दोबारा जिंदा करना या नया रूप देना अब संभव है। प्रोफेसर रामिरेज के मुताबिक, मेमोरी हमारे अनुभवों से दिमाग में होने वाला एक स्थायी बदलाव है। वैज्ञानिक इसे इनग्राम कहते हैं।

हम जब भी किसी अनुभव से गुजरते हैं तो वह हमारे दिमाग की कोशिकाओं में एक स्थायी भौतिक छाप छोड़ जाता है। चूहों पर किए प्रयोग में वैज्ञानिकों ने उन कोशिकाओं की पहचान की, जो किसी खास अनुभव की याद से जुड़ी थीं।

वैज्ञानिकों ने भावनात्मक यादों से जुड़ी कोशिकाओं को नष्ट किया

ऑप्टोजेनेटिक्स नाम की एक तकनीक के जरिए प्रकाश की मदद से इन कोशिकाओं को आर्टिफिशियल रूप से एक्टिव किया गाय और चूहों में उस याद को दोबारा जागने के संकेत मिले। इससे भी ज्यादा हैरानी वाली बात यह है कि वैज्ञानिक कुछ खास भावनात्मक यादों से जुड़े कोशिकाओं को नष्ट करने उन यादों को चुनिंदा रूप से मिटाने में भी सफल रहे हैं।

लेकिन इंसानों में ऐसा करना अभी दूर की बात है। यह शोध भविष्य में ट्रॉमा, गंभीर चिंता और कुछ मानसिक बीमारियों के इलाज के रास्ते खोज सकता है। इस शोध का उद्देश्य याद मिटाना नहीं, बल्कि शायद याद के साथ जुड़ी तकलीफ को कम करना हो सकता है।

झारखंड: गढ़वा के जंगल में मृत मिला हाथी

विश्व केसरी■



गढ़वा। गढ़वा जिले के रंका थाना क्षेत्र में जंगल से सटे इलाके में सोमवार को एक जंगली हाथी का शव बरामद किया गया। हाथी की मौत कैसे हुई है? इसका पता नहीं चल पाया है। वन विभाग ने हाथी का शव बरामद करने के बाद जांच शुरू की है।

झारखंड में चार दिनों के भीतर हाथी के मृत पाए जाने की यह दूसरी घटना है। गढ़वा दक्षिणी वन प्रमंडल पदाधिकारी एबिन बेनी अब्राहम ने बताया कि सोमवार सुबह करीब आठ बजे विभाग को पिपरादादर टोला में जंगल के किनारे हाथी के मृत पड़े होने की सूचना मिली थी। इसके बाद अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम को तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हाथी की मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा। फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

वन विभाग के अधिकारी ललन कुमार ने स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की है। विश्रामपुर पंचायत क्षेत्र में हाथी की मौत का यह पहला मामला नहीं है। वर्ष 2019 में नया टोला इलाके में एक जंगली हाथी की करंट की चपेट में आने से मौत हुई थी। अगस्त 2023 में भौंरी गांव में जंगल के किनारे एक शावक हाथी भी मृत मिला था। तीन दिन पूर्व पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के भनगांव में एक हथिनी मृत मिली थी। उसके दोनों दांत भी गायब पाए गए थे। वन विभाग ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मौत के कारणों की जांच शुरू की थी।

जगन्नाथपुर और आसपास के क्षेत्रों में पिछले एक वर्ष में करीब सात हाथियों की मौत की घटनाएं सामने आने की बात कही गई है। झारखंड के दूसरे वन क्षेत्रों में भी हाथियों की मौत के मामले सामने आते रहे हैं। लातेहार में एक हाथी की कथित तौर पर अवैध रूप से लगाए गए बिजली के तार की चपेट में आने से मौत हुई थी।

मई में गिरिडीह के धोबरी वन क्षेत्र में एक कम उम्र के हाथी की झाड़ियों और लताओं में फंसने के बाद मौत हो गई थी। पश्चिमी सिंहभूम के टोंटो क्षेत्र में जनवरी में एक हाथी की दूसरे हाथी के साथ संघर्ष में लगी चोटों के कारण मौत हुई थी। राज्य के कई इलाकों में हाथियों के जंगल से निकलकर गांवों और खेतों तक पहुंचने से मानव-हाथी संघर्ष की स्थिति भी बनती रही है।

'माउंटेन गार्जियन', पहाड़ों में भारत-यूएई की साझा ताकत

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। ऊंचे पहाड़, कठिन रास्ते और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों वाले माहौल में भारत और संयुक्त अरब अमीरात की सैन्य टुकड़ियां एक साथ अभ्यास के लिए उतरी हैं। इसके अंतर्गत सोमवार से यहां उत्तराखंड के चौबटिया में भारत-यूएई संयुक्त सैन्य अभ्यास 'माउंटेन गार्जियन 2026' शुरू किया है। यह अभ्यास 5 से 18 अक्टूबर तक चलेगा और इसका मुख्य फोकस पर्वतीय युद्ध कौशल है। यहां उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्र में दोनों देशों के जवान अपनी सैन्य क्षमता परखने के लिए साथ आए हैं।

चौबटिया स्थित विदेशी प्रशिक्षण केंद्र में हो रहे इस अभ्यास में दोनों देशों के कुल 92 सैनिक हिस्सा ले रहे हैं। दोनों सेनाओं की बराबर भागीदारी है। भारतीय सेना की ओर से भैरव बटालियन के जवान शामिल हैं, जबकि यूएई की सेना की ओर से माउंटेन इन्फेंट्री बटालियन के सैनिक भारत पहुंचे हैं। खास बात यह है कि दोनों देशों की महिला अधिकारी और महिला सैनिक भी अलग-अलग विशेषज्ञ भूमिकाओं में अभ्यास का हिस्सा बन रही हैं।

बता दें कि पर्वतीय इलाके में युद्ध आसान नहीं होता। हर कदम पर ऊंचाई, ढलान और कठिन भूभाग चुनौती बन जाते हैं। ऐसे में सैनिकों के बीच बेहतर तालमेल और तेजी से निर्णय लेने की क्षमता बेहद महत्वपूर्ण होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए अभ्यास में कई कठिन और व्यावहारिक प्रशिक्षण गतिविधियां रखी गई हैं। दोनों देशों के सैनिक सामरिक योजना, युद्धाभ्यास, निशानेबाजी और निगरानी तंत्र तैयार करने का अभ्यास करेंगे। इसके साथ ही ड्रोन संचालन पर भी जोर रहेगा। सैनिकों की शारीरिक क्षमता परखने के लिए सहनशक्ति प्रशिक्षण, चट्टानों पर चढ़ाई और बाधा प्रशिक्षण भी कराया जाएगा।

इसके बाद दोनों सेनाएं मिलकर एकीकृत मैदानी अभ्यास करेंगी, जिसमें कठिन पर्वतीय परिस्थितियों में संयुक्त अभियान चलाने की क्षमता को परखा जाएगा। अभ्यास केवल पारंपरिक सैन्य प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहेगा। दोनों सेनाएं पर्वतीय क्षेत्रों में तकनीक आधारित सैन्य अभियानों पर भी अनुभव साझा करेंगी। कठिन परिस्थितियों में इस्तेमाल होने वाली रणनीतियों, तकनीकों और सैन्य प्रक्रियाओं को लेकर दोनों पक्ष एक-दूसरे से सीखेंगे।

समय पर इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं पूरी करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी: नितिन गडकरी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को गुजरात में आयोजित 'चिंतन शिविर 2026- ए नेशनल कॉन्क्लेव ऑन हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर' का उद्घाटन करते हुए कहा कि देश में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और परियोजना क्रियान्वयन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं।

इस दो दिवसीय आयोजन में विभिन्न राज्यों के परिवहन और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, क्रियान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधि और अन्य हितधारक शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य राजमार्ग विकास, परियोजना क्रियान्वयन और अवसंरचना निर्माण से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करना है।

गडकरी ने कहा कि चिंतन शिविर केंद्र और राज्यों को एक साझा मंच उपलब्ध कराता है, जहां वे जमीनी स्तर के अनुभवों को साझा कर सकते हैं और राजमार्ग विकास में सामने आने वाली चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान तलाश सकते हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि विभिन्न राज्यों द्वारा अपनाई गई सफल कार्य प्रणालियों और नवाचारों की पहचान की जानी चाहिए तथा जहां संभव हो, उन्हें दूसरे राज्यों में भी लागू किया जाना चाहिए। इससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन और अवसंरचना निर्माण के परिणामों को बेहतर बनाया जा सकेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में राजमार्ग विकास का फोकस गुणवत्ता, सुरक्षा, गति और विश्वस्तरीय मानकों पर होना चाहिए। उन्होंने परियोजनाओं की शुरुआत से पहले बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

गडकरी ने बताया कि डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करते समय विस्तृत सर्वेक्षण, सड़क के संरेखण (एलाइनमेंट) की योजना, भूमि अधिग्रहण, उपयोगिताओं के स्थानांतरण और आवश्यक वैधानिक मंजूरियों की समय पर व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि प्रारंभिक स्तर पर तैयारी बेहतर हो, तो परियोजनाओं में देरी और लागत वृद्धि को काफी हद तक रोका जा सकता है।

उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को भी राजमार्ग नियोजन और परियोजना डिजाइन का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए एनसीडब्ल्यू की नई गाइडलाइंस, ऐप-बेस्ड कैब सेवाओं पर सख्ती

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने सोमवार को ऐप-बेस्ड कैब इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की सुरक्षा के लिए गाइडलाइंस जारी कीं। इनमें फिजिकल पैनिक बटन, रूट से हटने पर रियल-टाइम अलर्ट, लंबे समय तक या संदिग्ध जगहों पर रुकने की निगरानी और एग्रीगेटर्स द्वारा 24म7 कमांड और कंट्रोल सेंटर बनाने पर जोर दिया गया है।

आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा, 'इन गाइडलाइंस का मकसद बुकिंग के समय, यात्रा के दौरान और राइड पूरी होने के बाद सुरक्षा और जवाबदेही के मौजूदा उपायों को मजबूत करना है, ताकि सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।'

एक बयान में कहा गया, 'आयोग सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से इन गाइडलाइंस को लागू करने के लिए उचित कदम उठाने का अनुरोध करता है।'

'ऐप-आधारित और डिजिटल ट्रांसपोर्ट मोबिलिटी सर्विस का इस्तेमाल करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए गाइडलाइंस' में एक तय समयसीमा के भीतर शिकायत निवारण सिस्टम, ड्राइवर और गाड़ी के वेरिफिकेशन और ऐप पर दिखाई गई ड्राइवर या गाड़ी की जानकारी में अंतर होने पर बिना किसी जुर्माने के कैंसिलेशन की सुविधा की भी सिफारिश की गई है।

संपादकीय

आखिर आज की पुलिस इतनी बर्बर क्यों?

राकेश अचल

दिल्ली की पुलिस हो या देहरादून की—सवाल अब किसी एक शहर की पुलिस का नहीं है.सवाल यह है कि हमारी पुलिस आखिर लगातार इतनी आक्रामक और बर्बर क्यों होती जा रही है?

महिला प्रदर्शनकारियों को घसीटने, हाथ मरोड़ने, धक्का देने या अभद्र व्यवहार के जो वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते हैं, उनमें हर वीडियो की स्वतंत्र जांच जरूरी है.लेकिन अगर बार-बार ऐसे आरोप और दृश्य सामने आ रहे हैं तो लोकतंत्र में सवाल पूछना भी जरूरी है.

पुलिस को जनता का रक्षक होना था, जनता को पुलिस से डरने वाला क्यों बनाया जा रहा है?और यह सवाल आज का नहीं है.

भारत में पुलिस सुधार की कहानी लगभग आधी सदी पुरानी है।

1977 में राष्ट्रीय पुलिस आयोग बना। उसकी कई रिपोर्टों में पुलिस को राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त करने, पेशेवर बनाने और जनता के प्रति जवाबदेह बनाने की जरूरत बताई गई.

फिर आया रिबेरो समिति का दौर।उसके बाद पद्मनाभैया समिति ने पुलिस सुधार पर अपनी सिफारिशें दीं.मलिमथ समिति ने आपराधिक न्याय व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई.

वर्ष 2004 में गृह मंत्रालय ने मूषाहरी समीक्षा समिति बनाई, जिसने राष्ट्रीय पुलिस आयोग और दूसरी समितियों की सिफारिशों के क्रियान्वयन की समीक्षा की.2006 में सरकार के विशेषज्ञ समूह ने माडल पुलिस एक्ट का मसौदा तैयार किया. उसमें पुलिस की जिम्मेदारियां, जनता के प्रति संवेदनशीलता, कमजोर वर्गों की सुरक्षा, जवाबदेही और कम्युनिटु पुलिसिंग जैसे विचार रखे गए.

और फिर आया एक ऐतिहासिक मोड़—प्रकाश सिंह बनाम भारत सरकार.सुप्रीम कोर्ट ने 2006 में पुलिस सुधार के लिए राज्यों को कई संस्थागत निर्देश दिए—जैसे पुलिस स्थापना बोर्ड, राज्य सुरक्षा आयोग, पुलिस अधिकारियों के कार्यकाल में स्थिरता और जांच तथा कानून-व्यवस्था के काम को अलग करने जैसी व्यवस्थाएं.

लेकिन सवाल आज भी वहीं खड़ा है—इतनी सारी समितियां, इतनी सारी



रिपोर्टें, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और फिर भी पुलिस का व्यवहार क्यों नहीं बदला? क्यों?क्या समस्या प्रशिक्षण में है?क्या समस्या राजनीतिक हस्तक्षेप में है?

क्या समस्या जवाबदेही के अभाव में है?या फिर हमने पुलिस को कानून लागू करने की ताकत तो दे दी, लेकिन उस ताकत के इस्तेमाल पर लोकतांत्रिक नियंत्रण पर्याप्त मजबूत नहीं किया?

क्योंकि पुलिस के पास लाठी है, गिरफ्तारी की शक्ति है, हिरासत की शक्ति है, बल प्रयोग की शक्ति है.

सवाल ये है कि क्या इन शक्तियों के साथ संयम, अनुपात, जवाबदेही और नागरिक की गरिमा भी होनी चाहिए.यहीं एक और देश का उदाहरण सामने आता है.ब्रिटेन की बॉबी पुलिस का जिक्र अक्सर किया जाता है.लेकिन असली बात उसकी टोपी, वर्दी या लाठी नहीं है.हमारे अनेक मित्र डीजीपी बनने के बाद बाबी पुलिस बनाने का सपना लिए रिटायर हो गए,लेकिन बना नहीं सके.

असली बात है पुलिस जनता के सहयोग और विश्वास पर काम करे.ब्रिटेन के आधुनिक पुलिसिंग सिद्धांतों में आज भी कहा जाता है कि पुलिस की वैधता जनता के विश्वास और स्वीकृति पर निर्भर करती है। पुलिस को लोगों के साथ सम्मान और निष्पक्षता से व्यवहार करना चाहिए और अपनी कार्रवाई के लिए जवाबदेह होना चाहिए। पीलेन परंपरा का मूल विचार तो और भी सीधा था—पुलिस और जनता दो अलग-अलग शक्तियां नहीं हैं; पुलिस भी समाज का ही हिस्सा है.बल प्रयोग अंतिम उपाय होना चाहिए, पहला नहीं.

तो सवाल यह नहीं कि भारत की पुलिस ब्रिटेन की बॉबी जैसी वर्दी पहनेगी या नहीं। सवाल यह है—क्या भारत की पुलिस जनता का भरोसा जीतने वाली पुलिस बनेगी?क्या प्रदर्शनकारी को पहले नागरिक माना जाएगा और बाद में विरोधी?क्या महिला प्रदर्शनकारी को भी वही संवैधानिक गरिमा मिलेगी जो किसी दूसरे नागरिक को मिलनी चाहिए?क्या गिरफ्तारी कानून के अनुसार होगी। क्या पुलिसकर्मी की पहचान स्पष्ट होगी?क्या बल प्रयोग वास्तव में आवश्यक और अनुपातिक था—इसकी जांच होगी?और अगर पुलिसकर्मी ने सीमा लांघी तो क्या उसके खिलाफ उसी गंभीरता से कार्रवाई होगी, जिस गंभीरता से पुलिस किसी आम नागरिक के खिलाफ कार्रवाई करती है?

यही असली पुलिस सुधार है.सिर्फ नई गाड़ियां, नए हथियार, नई वर्दियां और नई तकनीक पुलिस सुधार नहीं हैं।

एशियाड का चौथा स्थान प्रथम बनने का संकल्प बने



ललित गर्ग

एशियाई खेलों में भारत का चौथे स्थान पर रहना निश्चित रूप से उपलब्धि है, लेकिन विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत के लिए यह उपलब्धि आत्मसंतोष का कारण नहीं, बल्कि आत्ममंथन और नए संकल्प का अवसर होनी चाहिए। आइची-नागोया एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने 85 पदक-21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य-जीतकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। एशिया जैसे खेल महाशक्ति वाले महाद्वीप में शीर्ष चार देशों में स्थान बनाना सामान्य उपलब्धि नहीं है। फिर भी प्रश्न यह है कि जब चीन और जापान जैसे देश हमसे आगे हैं, तब भारत प्रथम और द्वितीय स्थान तक कब पहुंचेगा? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जिस भारत को हम आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सामरिक शक्ति के रूप में विश्व की अग्रिम पंक्ति में देखना चाहते हैं, उसकी खेल शक्ति अभी भी अपेक्षित ऊंचाइयों तक क्यों नहीं पहुंच पाई है? एशियाड के पदक हमें दो अलग-अलग तस्वीरें दिखाते हैं। पहली तस्वीर उत्साह जगाती है। तीरंदाजी में नौ पदक, जिनमें पांच स्वर्ण शामिल हैं, भारतीय प्रतिभा की मजबूत उपस्थिति का प्रमाण हैं। कुमकुम मोहोद का रिकर्व वर्ग में व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करना, प्रणवी उर्स का व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनना तथा बॉक्सिंग और कुश्ती में स्वर्णिम प्रदर्शन हमारी खेल प्रतिभा की व्यापकता को दर्शाता है। क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा भी कायम रहा।

महिला हॉकी टीम की सफलता विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मौजूदा चौंपियन चीन को हराकर स्वर्ण पदक हासिल करना केवल एक पदक नहीं, बल्कि चार दशक से अधिक समय से चले आ रहे इंतजार का अंत है। यह जीत बताती है कि जब प्रतिभा, अनुशासन, सामूहिक भावना और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता एक साथ आती है तो भारतीय खिलाड़ी किसी भी प्रतिद्वंद्वी को चुनौती दे सकते हैं। लेकिन दूसरी तस्वीर आत्ममंथन की मांग करती है। एथलेटिक्स में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हुआ। निशानेबाजी, जिसे भारत की पदक संभावनाओं का मजबूत आधार माना जाता है, भी उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतरी। पिछली बार के मुकाबले कुल पदकों और स्वर्ण पदकों में कमी भी गंभीर संकेत है। इसलिए चौथा स्थान हमारी मंजिल नहीं, अगली छलांग का पड़ाव होना चाहिए।भारत और चीन-जापान के बीच अंतर को केवल पदक तालिका से नहीं समझा जा सकता। खेलों में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए वर्षों तक चलने वाली वैज्ञानिक योजना, जमीनी स्तर से प्रतिभा खोज, आधुनिक प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, पोषण, मानसिक मजबूती, चिकित्सा सहायता और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का निरंतर अनुभव जरूरी होता है। चीन ने खेलों को राष्ट्रीय शक्ति के एक महत्वपूर्ण आयाम के रूप में विकसित किया है। जापान ने खेल संस्कृति को शिक्षा, अनुशासन और जीवनशैली से जोड़ा है। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपनी विशाल युवा आबादी को केवल संभावित खिलाड़ियों की संख्या के रूप में न देखे, बल्कि उसे विश्वस्तरीय खेल प्रतिभा में बदलने का तंत्र विकसित करे। भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। कमी है तो प्रतिभा को पहचानने, तराशने और लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाए रखने वाली सुव्यवस्थित व्यवस्था की। गांव, छोटे शहर और साधारण परिवारों से आने वाली असंख्य प्रतिभाएं आज भी उचित प्रशिक्षण, संसाधन और अवसर के अभाव में आगे नहीं बढ़ पातीं।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में खेलों के प्रति भारत का दृष्टिकोण बदला है। खेल अब केवल मनोरंजन या कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों का क्षेत्र नहीं रह गया है, बल्कि इसे राष्ट्रीय प्रतिष्ठा, युवा शक्ति और स्वस्थ समाज के निर्माण से जोड़ा जा रहा है। खेलो इंडिया जैसे अभियानों ने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पहचानने की दिशा में महत्वपूर्ण वातावरण बनाया है। ओलंपिक और एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की बढ़ती उपस्थिति भी इस परिवर्तन का संकेत है। लेकिन अब अगला चरण और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। हमें यह नहीं पूछना चाहिए कि भारत कितने पदक जीत सकता है, बल्कि यह पूछना चाहिए कि भारत किन खेलों में विश्व की शीर्ष शक्ति बन सकता है। हमें पदक-केन्द्रित सोच से आगे बढ़कर खेल-परिस्थितिकी तंत्र यानी ऐसी पूरी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रतिभा की खोज से लेकर उसके अंतरराष्ट्रीय करियर तक हर चरण की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। भारत में खेल और शिक्षा को लंबे समय तक एक-दूसरे का विकल्प समझा गया। यह सोच बदलनी होगी। खेल किसी विद्यार्थी की पढ़ाई में बाधा नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम हैं। विद्यालयों में खेल के घंटे, प्रशिक्षित कोच, आधुनिक मैदान और फिटनेस कार्यक्रम अनिवार्य होने चाहिए। यदि किसी बच्चे में असाधारण प्रतिभा दिखाई देती है तो उसकी आर्थिक स्थिति उसके भविष्य की बाधा नहीं बननी चाहिए। सरकार, निजी क्षेत्र, खेल संस्थाओं और कॉरपोरेट जगत को मिलकर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रशिक्षण, उपकरण, पोषण, यात्रा और प्रतियोगिताओं के लिए आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

भारत की अगली चुनौती केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि लगातार चैंपियन तैयार करना है। एक खिलाड़ी की सफलता के बाद उसी खेल में अगली पीढ़ी तैयार होनी चाहिए। इसके लिए खेल विज्ञान को प्रशिक्षण का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। आधुनिक फिटनेस, डेटा विश्लेषण, बायोमैकेनिक्स, स्पोर्ट्स मेडिसिन, मनोविज्ञान और पोषण विज्ञान को भारतीय खेल व्यवस्था में व्यापक रूप से शामिल करना होगा। मानसिक मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिभा के साथ दबाव संभालने की क्षमता निर्णायक बनती है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए खेल मनोवैज्ञानिकों और मानसिक प्रशिक्षकों की नियमित व्यवस्था आवश्यक है। किसी खिलाड़ी की एक प्रतियोगिता में असफलता को उसकी क्षमता का अंतिम प्रमाण मानने के बजाय उसे सीखने और वापसी का अवसर दिया जाना चाहिए। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने हाल के वर्षों में जिस प्रकार अपनी क्षमता सिद्ध की है, वह भारत के खेल भविष्य की सबसे सकारात्मक तस्वीरों में से एक है। महिला हॉकी की स्वर्णिम सफलता इसका ताजा उदाहरण है। तीरंदाजी, मुक्केबाजी, कुश्ती, एथलेटिक्स, गोल्फ और अन्य खेलों में भी बेटियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई है। अब जरूरत है कि ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों की बेटियों को खेलों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। सुरक्षित खेल परिसर, महिला प्रशिक्षक, छात्रवृत्ति और परिवारों में खेल के प्रति सकारात्मक वातावरण इस दिशा में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। भारत की आधी आबादी को खेल शक्ति में पूरी तरह शामिल किए बिना विश्व की खेल महाशक्ति बनने का सपना अधूरा रहेगा।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 दूर नहीं है। इसलिए एशियाड की उपलब्धियों और कमियों का विश्लेषण केवल समाचारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। प्रत्येक खेल के लिए अभी से पदक की वास्तविक संभावना, संभावित खिलाड़ियों की सूची, प्रशिक्षण योजना और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का कैलेंडर तैयार होना चाहिए। हमें उन खेलों की पहचान करनी होगी जिनमें भारत अगले ओलंपिक में बड़ी छलांग लगा सकता है। साथ ही जिन खेलों में हम लगातार पिछड़ रहे हैं, वहां रणनीतिक निवेश करना होगा। लक्ष्य यह होना चाहिए कि भारत केवल कुछ पारंपरिक खेलों में नहीं, बल्कि एथलेटिक्स, तैराकी, निशानेबाजी, जिम्नास्टिक, साइकिलिंग, कुश्ती, मुक्केबाजी और अन्य ओलंपिक खेलों में व्यापक पदक क्षमता विकसित करे। भारत का चौथा स्थान यह संदेश देता है कि हम पीछे नहीं हैं, लेकिन अभी बहुत आगे जाना बाकी है।

राष्ट्रबोध के बिना सुरक्षित-संरक्षित भारत की कल्पना अधूरी



पार्थसारथी थपलियाल

भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है। यह हजारों वर्षों की सभ्यता, संस्कृति, विविधताओं, संघर्षों और साझा स्मृतियों से निर्मित राष्ट्र है। इसकी शक्ति केवल संविधान, संसद, न्यायपालिका, सेना, प्रशासन या आर्थिक विकास में नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय चेतना में भी निहित है जो नागरिकों को यह बोध कराती है कि व्यक्तिगत, राजनीतिक और संस्थागत हितों से ऊपर राष्ट्र और समाज का व्यापक हित है।

भारत के संविधान ने शासन और सार्वजनिक जीवन में उत्तरदायित्व की स्पष्ट मर्यादाएँ निर्धारित की हैं। राष्ट्रपति के पद की शपथ में संविधान और कानून की रक्षा तथा जनता के कल्याण के प्रति समर्पण की बात है। मंत्रियों की शपथ में संविधान के प्रति निष्ठा, भारत की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा तथा बिना भय या पक्षपात के सभी लोगों के प्रति न्यायपूर्ण व्यवहार का संकल्प है। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की शपथ में भी संविधान और कानून को बनाए रखने तथा बिना भय, पक्षपात, अनुराग या द्वेष के कर्तव्य निभाने का स्पष्ट उल्लेख है।

लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी संवैधानिक तथा सामाजिक जिम्मेदारियाँ हैं। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की स्वाभाविक विशेषता हैं, लेकिन मतभेद जब सामाजिक वैमनस्य में बदलने लगें, तब चिंता स्वाभाविक है। चुनाव जीतना लोकतंत्र का अंतिम उद्देश्य नहीं है; लोकतंत्र का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था कायम करना भी है जिसमें असहमति के बावजूद समाज साथ रह सके।

आज सार्वजनिक विमर्श में राजनीतिक भाषा का स्तर कई बार चिंता उत्पन्न करता है। जाति, धर्म, क्षेत्र और समुदाय से जुड़े संवेदनशील प्रश्नों पर सार्वजनिक मंचों से कही गई बातें समाज के बड़े हिस्से को प्रभावित करती हैं। किसी राजनीतिक नेता का एक वक्तव्य उसके समर्थकों के लिए केवल भाषण हो सकता है, लेकिन समाज के किसी दूसरे हिस्से के लिए वह अविश्वास, आक्रोश अथवा असुरक्षा का कारण बन सकता है। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, पर उसके साथ सामाजिक उत्तरदायित्व भी जुड़ा हुआ है।

इसी प्रकार न्यायपालिका पर प्रश्न उठाना और न्यायिक निर्णयों की आलोचना करना दो अलग बातें हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायिक निर्णयों पर विधिक और सार्वजनिक विमर्श की गुंजाइश रहती है, लेकिन न्यायपालिका की संस्थागत गरिमा और कानून के शासन के प्रति सम्मान भी आवश्यक है। संविधान की शपथ लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति से अपेक्षा केवल इतनी नहीं होनी चाहिए कि वह शब्दों को दोहरा दे; अपेक्षा यह भी होनी चाहिए कि वह उन शब्दों को अपने आचरण का मार्गदर्शक बनाए।

कानून बनाना संसद और विधानसभाओं का महत्वपूर्ण अधिकार है। सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार कानूनों में परिवर्तन भी लोकतंत्र की सामान्य प्रक्रिया है। लेकिन किसी भी कानून की सार्वजनिक स्वीकृति और उसकी सामाजिक उपयोगिता पर विचार करते समय यह प्रश्न अनिवार्य है कि क्या वह न्याय, समानता, संविधान के मूल मूल्यों और व्यापक लोकहित की कसौटी पर खरा उतरता है। कानून का उद्देश्य समाज को व्यवस्थित करना है, उसे स्थायी खांचों में बाँटना नहीं।

यही वह बिंदु है जहाँ राष्ट्रबोध की आवश्यकता सामने आती है।

राष्ट्रबोध का अर्थ किसी दल विशेष के प्रति निष्ठा नहीं है। इसका अर्थ किसी सरकार का समर्थन करना भी नहीं है। राष्ट्रबोध का अर्थ है।

बोध कथा

दुर्भाग्य का मुकाबला

लगभग ढाई सौ साल पहले की घटना है। जापान में हवाना होकीची नामक एक बालक का जन्म हुआ। सात वर्ष की उम्र में चेचक के कारण बालक की आंखों की रोशनी चली गई। अब उसके जीवन में बिल्कुल अंधेरा हो गया था।

कुछ दिनों तक तो होकीची इस दुर्भाग्यपूर्ण परिवर्तन को समझ नहीं पाया। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते रहे, वैसे-वैसे होकीची ने अपनी परिस्थिति से समझौता कर लिया और मन में ठान लिया कि किसी भी कीमत पर हार नहीं माननी है। बालक ने पढ़ना आरंभ किया। धीरे-धीरे उसे पुस्तकों से गहरा प्रेम हो गया। पुस्तकें ही होकीची की आंखें थीं, जो उसे जीवन की राह दिखाती थीं। वह पुस्तकों को दूसरों से पढ़वा कर ज्ञान अर्जित करता था। आजीवन उसने अपना अध्ययन जारी रखा। दूसरों से पुस्तकें पढ़वा-पढ़वा कर होकीची का ज्ञान भंडार असीमित हो चुका था। फिर उन्होंने अपने ज्ञान को एक पुस्तक के रूप में समेटना चाहा। जब यह बात एक राष्ट्रीय संस्था को मालूम हुई तो उसने होकीची के ज्ञान को पुस्तक रूप में लिखवाया।

होकीची ने बोलकर संपूर्ण पुस्तक को लिखवा दिया। राष्ट्रीय संस्था को हवाना होकीची द्वारा लिखवाई गई पुस्तक अत्यंत महत्वपूर्ण नजर आई। उसने उसके आधार पर एक विश्वज्ञान कोश प्रकाशित किया। यह विश्वज्ञान कोश दो हजार आठ सौ बीस खंडों में प्रकाशित हुआ। विश्व इतिहास में आज तक इससे अधिक तथ्यपूर्ण पुस्तक संभवत: कोई प्रकाशित नहीं हुई। होकीची ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपने जीवन को एक सार्थक मोड़ पर पहुंचाया और आत्मविश्वास के बल पर एक सौ एक वर्ष तक जिंदा रहे। उन्होंने अपनी शारीरिक कमी को अपनी ताकत बनाकर अपने दुर्भाग्यपूर्ण जीवन को महान बना लिया। उनका जीवन दूसरों के लिए एक मिसाल बन गया। उन्होंने साबित किया कि संकल्प से हर तरह की मुश्किलों को आसान बनाया जा सकता है।

कविता

इंद्रावती का क्रोध



डॉ चन्द्रशेखर शर्मा

इस बार भी
इंद्रावती बौराई
हर बार की तरह।
सावन-भादो में
अल्हड़ हो जाना
हक है इंद्रावती का
अन्य नदियों की तरह
।
हर बार
बौराई इंदावती
अपने पीछे छोड़ जाती है,
खुश कर देने वाली चीजें
बहुत कुछ कीमती
जीवनोपयोगी बहुमूल्य उपहार,जैसे-
लकड़ी के लट्?ठे, तने, लकड़ियाँ
(जिससे खुश होते चूल्हे)
जंगली फल लगीं टहनियाँ
(जिनका स्वाद चाखती नन्हीं मुस्कानें)
चमचमाती बारीक रेत
(जिसपर खेलते बच्चे)
नई-नई मिट्टी वाले खेत
(जिसपर इठलाती फसलें)
धुले-धुले जंगल
(जो खुश करते मन)
पर,
इस बार बौराई इंद्रावती
पीछे छोड़ गई
झिल्लियाँ, लेदर के टूटे बैग
प्लास्टिक की खाली बोतलें
जूठन भरी प्लास्टिक पत्तलें
मुड़ी-तुड़ी डिस्पोजल चम्मचें और गिलास
किसी मेम की टूटी चप्पल
टूटा हुआ छाता और गॉगल।
इंद्रावती की सन्तति को
नहीं पता
ये सब किसे खुशी देंगे।

व्यंग्य केसरी

एक कचौड़ी, दो समोसा, कौन क्या बक दे, क्या भरोसा!



विनोद कुमार विक्की

सोशल मीडिया पर बिहार में अपराधियों की जाति पर चल रहा शोधकार्य अभी पूरा भी नहीं हो पाया था कि दिल्ली में जेन-जी बालाओं के प्रदर्शन में अपराधियों के लिंग-निर्धारण की नारा संस्कृति ने इसे नया मोड़ दे दिया है।

पितृपक्ष के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों के कुकर्म-कांड पर समस्त पुरुष समुदाय का श्राद्ध-तर्पण की कार्रवाई की जा रही है। तख्तियों पर महिलाओं के विचार और मर्दों का कथित व्यभिचार एक साथ प्रकट हो रहे हैं।

कभी सास-ननद के तानों से त्राहिमाम तथा स्त्रीलिंग रिश्तों की चुगली करने वाली युवतियाँ भी इन दिनों 'एक सुट्टा, दो चाय—मर्द जात की हाय-हाय' जैसे नारों के साथ ब्रह्माण्ड के समस्त पुरुष समुदाय को धिक्कारने में लगी हुई हैं।

घर-परिवार से लेकर कार्यस्थल तक भाई, पिता, पति और मित्र के रूप में पुरुषों के साथ सहज और सरल जीवन जीने वाली महिलाओं के बीच कुछ कुंठित मानसिकता से ग्रस्त लोगों के कृत्यों के कारण पुरुष समुदाय के प्रति सामूहिक आक्रोश की भावनात्मक अभिव्यक्ति इस नारा संस्कृति का एक नया पहलू है।

'हर मर्द की सफलता के पीछे एक औरत का हाथ होता है' वाली पुरानी कहावत भी भविष्य में 'हर मर्द की सफलता के पीछे एक औरत का विचार होता है' के नए संस्करण में परिवर्तित हो जाए!

गर्म तेल की कड़ाही में तली कचौड़ी और ट्रॉली पर सजे समोसे इस नए विमर्श से खासे प्रसन्न हैं कि महिलाओं की गर्म भावनात्मक कड़ाही में इन दिनों पूरे मर्द समुदाय को तला और भूना जा रहा है।

स्त्री के प्रति सद्भाव रखने वाले पुरुषों की आंतरिक सिसकियों पर चाय की चुस्कियाँ मुस्कुरा रही हैं।

नारा संस्कृति के बहुआयामी फायदों की कल्पना की जा सकती है।

यथा—सास-बहू, ननद-भौजाई के स्त्रीलिंग रिश्तों में मिठास की संभावनाएँ बन सकती हैं, तो स्वाभिमानी मर्द कचौड़ी और समोसे से परहेज़ करते दिखाई देंगे, सिगरेट और चाय में अपना आत्मसम्मान ढूँढ़ते फिरेंगे।

बहरहाल, नारा संस्कृति का विकास देखकर लगता है कि आने वाले दिनों में हर सामाजिक समस्या का समाधान तख्तियों पर अंकित तुकबंदी से ही खोज लिया जाएगा। वैसे इनके जुबानी जंग से पूरे पुरुष समुदाय में खौफ का माहौल है। क्योंकि अभिव्यक्ति की आजादी के तहत सोशल मीडिया से सड़क तक 'एक कचौड़ी, दो समोसा—कौन क्या बक दे, क्या भरोसा!

इतिहास

6 अक्टूबर का इतिहास देश और दुनिया के लिए कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और प्रसिद्ध हस्तियों से जुड़ा है।

मुख्य ऐतिहासिक घटनाएँ (Important Events)

ज़ 1499: फ्रांस के राजा लुईस ने मिलान पर कब्जा किया था।

1862: भारतीय दंड संहिता (IPC) को आपके लिए जानकारी यहां देखें कानूनी रूप से लागू किया गया था।

1957: सोवियत संघ ने नोवाया ज़ेमल्या में परमाणु परीक्षण किया था।

1981: मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात की हत्या कर दी गई थी।

1983: राजनीतिक और सुरक्षा कारणों के चलते पंजाब में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था।

1995: सौर मंडल के बाहर पहली बार किसी नए ग्रह की पहचान की गई थी।

दुर्गा पंडाल के लिए वैकल्पिक रास्ते बंद

वाहन चालकों को लगाना होगा लंबी रेस

विश्व केसरी■



बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने जिस कट को वैकल्पिक मार्ग के रूप में खुला रखा था, अब उसी कट पर दुर्गा पंडाल के लिए बांस-बल्लियां लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया है। इसके चलते दयालबंद पुल की ओर से गांधी चौक और आसपास के क्षेत्रों में जाने वाले वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है और अब उन्हें करीब 1 से 2 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय कर गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी दोपहिया और छोटे वाहन चालकों को हो रही है।

ट्रैफिक सुधार के लिए खोला गया था रास्ता, बांस-बल्लियां लगाकर किया बंद; जाम बढ़ने की हैं आशंका - गांधी चौक से बसंत विहार चौक की ओर जाने वाले तिराहे को ट्रैफिक पुलिस पहले ही बंद कर चुकी है। इसके कारण दयालबंद पुल की ओर से आने वाले वाहनों को लेफ्ट टर्न लेकर आगे जाना पड़ता है। करीब 500 मीटर आगे वाहनों को वापस दूसरी दिशा में आने-जाने के लिए एक कट खुला रखा गया था। इस स्थान पर यातायात पुलिस ने दो ब्लिंकर भी लगाए थे।

पहले भी लगाना पड़ रहा था एक किमी का अतिरिक्त चक्कर - वैकल्पिक कट के कारण वाहन चालकों को पहले ही करीब एक किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही थी, लेकिन इससे यातायात का दबाव नियंत्रित रखने में मदद मिल रही थी। वाहन चालक इसी कट से दिशा बदलकर गांधी चौक सहित आसपास के क्षेत्रों की ओर आसानी से जा रहे थे।अब इसी कट को दुर्गा पंडाल के निर्माण के लिए बांस बल्लियों से पूरी तरह बंद कर दिया गया है। बांस-बल्लियों से रास्ता घेर दिए जाने के कारण ब्लिंकर वाला वैकल्पिक मार्ग भी बंद हो गया है। परिणामस्वरूप दयालबंद पुल की ओर से आने वाले वाहन चालकों को अब आगे जगमल चौक तक जाकर वापस मुड़ना पड़ रहा है। इससे गांधी चौक की ओर जाने वाले वाहन चालकों को करीब दो किलोमीटर तक अतिरिक्त घूमना पड़ रहा है।

जाम के दबाव वाले तिराहे पर बढ़ेगी परेशानी - स्थानीय लोगों का कहना है कि गांधी चौक से दयालबंद पुल की ओर मुड़ने वाला तिराहा पहले से ही यातायात के भारी दबाव वाला क्षेत्र है। ऐसे में वैकल्पिक कट को भी बंद कर दिए जाने से यहां वाहनों का दबाव और बढ़ सकता है। खासकर पीक आवर में जाम की स्थिति बनने की आशंका जताई जा रही है। लोगों का कहना है कि धार्मिक आयोजन के लिए सड़क के किसी हिस्से का उपयोग करने से पहले यातायात पुलिस और आयोजन समिति को मिलकर वैकल्पिक मार्ग और ट्रैफिक डायवर्जन की समुचित व्यवस्था करनी चाहिए थी, ताकि श्रद्धालुओं के आयोजन के साथ आम वाहन चालकों को भी परेशानी न हो।

रास्ता बंद किए जाने की नहीं मिली है जानकारी : एएसपी ट्रैफिक - एएसपी ट्रैफिक रामगोपाल करियारे ने कहा कि बांस-बल्लियां लगाकर वैकल्पिक कट बंद किए जाने की उन्हें जानकारी नहीं मिली थी। उन्होंने कहा कि तत्काल मौके पर मुयायना कर आवश्यक एवं सही व्यवस्था कराई जाएगी।

बेलगहना में बाघ मवेशियों पर किया हमला, दहशत में है ग्रामीण

विश्व केसरी■



बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। बेलगहना में बाघ की मौजूदगी से दहशत का माहौल है। हाईस्कूल मैदान के आसपास बाघ के विचरण और मवेशियों पर हमले की खबरों ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। टाइगर रिजर्व क्षेत्र से निकलकर कभी कोटा तो कभी बेलगहना की ओर बाघ की चहलकदमी होते देखा जा रहा है जिससे ग्रामीणों को अपने मवेशियों और परिवार की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। हालात को देखते हुए वन विभाग ने अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है।

पिछले कई दिनों से क्षेत्र में बाघ की गतिविधियों की सूचनाएं मिल रही हैं। शनिवार की सुबह बेलगहना हाईस्कूल मैदान के आसपास बाघ की मौजूदगी की खबर से ग्रामीणों में हलचल मच गई। क्षेत्र में मवेशियों पर हमले की घटनाओं ने खतरे की आशंका और बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि बड़ी संख्या में मवेशी चरने के लिए बाहर निकलते हैं। ऐसे में बाघ की आवाजाही उनके लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। और घर से बाहर निकलते ही खतरे की आशंका बनी रहती है बेलगहना और आसपास के ग्रामीण इलाकों में लोगों की दिनचर्या पर भी खतरे का साया मंडराने लगा है। बच्चे स्कूल जाते हैं, ग्रामीण खेतों में काम करने निकलते हैं और मवेशियों को चराने के लिए खुले स्थानों पर ले जाया जाता है। ऐसे में बाघ की मौजूदगी को लेकर विशेष सतर्कता जरूरी हो गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने और तत्काल गश्त कराने की मांग की है।

मवेशियों को खुले में न छोड़ने की वन विभाग की चेतावनी - बाघ की गतिविधियों की सूचनाओं के बाद वन विभाग ने ग्रामीणों को समझाइश दी है कि मवेशियों को जंगल या सुनसान इलाकों में अकेले न छोड़ें। सुबह-शाम विशेष सावधानी बरतें और अंधेरा होने के बाद जंगल की ओर जाने से बचें। बाघ दिखाई देने पर उसके करीब जाने, पीछा करने या भीड़ लगाने की गलती न करें और तत्काल वन विभाग को सूचना दें।

अब सवाल- कब तक मंडराते रहेगा यह बड़ा खतरा? - ग्रामीणों ने वन विभाग से संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने और तत्काल गश्त कराने की मांग की है।

ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर बाघ की गतिविधियों की पुष्टि करे और प्रभावित क्षेत्रों में नियमित गश्त सुनिश्चित करे। खासकर स्कूल मैदान, आबादी से लगे इलाकों और मवेशियों के चरने वाले स्थानों पर निगरानी बढ़ाने की जरूरत है। बाघ की मौजूदगी को लेकर फैली आशंका के बीच सबसे बड़ी चुनौती किसी अप्रिय घटना को रोकना है। समय रहते निगरानी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए तो ग्रामीणों की चिंता और बढ़ सकती है। फिलहाल वन विभाग की अपील साफ है- 'सतर्क रहें, मवेशियों को सुरक्षित रखें और बाघ दिखने पर तत्काल सूचना दें।'

6 अक्टूबर को डभरा के शासकीय हाईस्कूल सपोस में सेवा सेतु शिविर

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत देश, प्रदेश सहित जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सेवा सेतु अभियान, सरकार आपके द्वार अंतर्गत 6 अक्टूबर को शासकीय हाईस्कूल सपोस, डभरा मे सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से शिविर में ज्यादा से ज्यादा उपस्थित होकर विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ व जानकारी प्राप्त करने की अपील की गई है। उल्लेखनीय है कि 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर के मध्य जिले के सभी विकासखंड में सेवा सेतु अभियान, सरकार आपके द्वार सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत जिले में 1 अक्टूबर को स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सक्ती मे शिविर का आयोजन किया गया। इसी क्रम में 3 अक्टूबर को शासकीय हाईस्कूल कचंदा, जैजैपुर में और 5 अक्टूबर को स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मालखरौदा में आयोजित किया गया। इसी तरह 6 अक्टूबर को शासकीय हाईस्कूल सपोस, डभरा में सेवा सेतु शिविर आयोजित किया जाएगा।

बलरामपुर-रामानुजगंज के गांवों तक पहुंची सुविधा, 7 रूटों पर दौड़ रही बसें

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। छत्तीसगढ़ में 4 अक्टूबर 2025 को शुरू हुई मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के सुदूर अंचलों के लिए बदलाव की नई राह साबित हो रही है। नक्सल प्रभावित एवं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों को जिला मुख्यालय, शिक्षा और स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना के अंतर्गत जिले में वर्तमान में कुल 7 रूटों पर बसों का संचालन किया जा रहा है।

जिले में रामानुजगंज से भितरचुरा, राजपुर से नरसिंहपुर, वाड्रफनगर से रामानुजगंज, शंकरगढ़ से पटना, राजपुर से कोरगी, गोबरा से बलरामपुर तथा राजपुर से अखोराखुर्द मार्ग पर ये बसें नियमित रूप से चल रही हैं। इन मार्गों से दर्जनों गाँव सीधे जनपद एवं जिला मुख्यालय से जुड़ गए हैं। बस सेवा शुरू होने से सबसे अधिक राहत ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों को मिली है। पहले जिन्हें अपनी उपज बेचने, बाज़ार और सरकारी कार्यों के लिए मुख्यालय पहुँचने में कठिनाई होती थी, वे अब सुगम और किफायती यात्रा कर पा रहे हैं। स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए भी यह सेवा वरदान बनी है, क्योंकि उच्च शिक्षा के लिए निकटतम ग्राम या जनपद मुख्यालय पहुँचना अब आसान हो गया है।

घोंघा और अरपा- भैंसाझार जलशय बना किसानों का सहारा

कृषि के लिए खेतों तक पहुंच रहा पानी वहीं मत्स्य पालन भी बन रहा अजीविका का साधन

विश्व केसरी■



बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। कृषि के लिए समय पर पानी की उपलब्धता किसानों की बड़ी जरूरत होती है। जिले में घोंघा मध्यम जलाशय और अरपा-भैंसाझार बैराज परियोजनाएं इस जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। जलशय से नहरों के माध्यम से खेतों तक पहुंच रहे पानी किसानों की मेहनत को सफल बनाने में कारगर साबित हो रहा है।जल संसाधन विभाग द्वारा संचालित इन परियोजनाओं से क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हो रहा है वहीं किसानों को संबल प्रदान कर रहा है।

जिले के कोटा विकासखंड के ग्राम पटैता में निर्मित घोंघा मध्यम जलाशय परियोजना क्षेत्र के 49 गांवों के किसानों के लिए सिंचाई का प्रमुख साधन बना हुआ है। इस परियोजना से लगभग 8,343 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जो लगभग 104.20 किलोमीटर लंबी मुख्य, शाखा एवं वितरक नहरों के माध्यम से किसानों के खेतों तक कृषि के लिए पानी पहुंचाया जा रहा है। सन 1979 में शुरू हुई इस परियोजना का निर्माण वर्ष 1981 में पूर्ण हुआ था उक्त जलाशय की जलभराव क्षमता 3 करोड़ 7 लाख घन मीटर है। जिसमें किसानों को कृषि कार्य के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के अलावा जलशय में मत्स्य पालन से भी स्थानीय लोगों को आजीविका के अवसर मिल रहे हैं।

अरपा-भैंसाझार बैराज परियोजना से भी किसानों को सिंचाई का लाभ मिल रहा है। इस परियोजना से गतवर्ष 2025-26 में लगभग 13,165 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई की गई थी और इस वर्ष 2026-27 में 17,900 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में 4,735 हेक्टेयर अत्यधिक कृषि भूमि तक सिंचाई सुविधा पहुंचाने का लक्ष्य है। परियोजना की कुल सिंचाई क्षमता 25 हजार हेक्टेयर है।

ठीक इसीलिए तरह कोटा विकासखंड में ही निर्मित अरपा-भैंसाझार परियोजना के सिंचाई संबंधी निर्माण कार्य वर्ष 2019 में पूर्ण हुआ था ।

ग्राम बेलकोना में शिविर आयोजित, 68 आवेदन प्राप्त, 6 का मौके पर निराकरण

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी एवं जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में सेवा सेतु अभियान-2026 के अंतर्गत 03 अक्टूबर 2026 को क्लस्टर ग्राम बेलकोना में शिविर का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत शंकरगढ़ की अध्यक्ष चिंतामणि भगत, उपाध्यक्ष प्रियंवदा सिंह देव तथा जिला पंचायत सदस्य गीता पैकरा शिविर के मुख्य अतिथि रहे।

शिविर में शिक्षा विभाग द्वारा 18 स्कूली बच्चों को जाति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा तीन हितग्राहियों कमलेश्वरी हरिनलेटा, आसमा इमली पारा और रिपिका ग्राम अमेरा के परिजनों को नग चंदन वृक्ष का पौधा प्रदान किया गया। शिविर में कुल 68 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 06 का मौके पर निराकरण किया गया, जबकि शेष 62 आवेदनों के निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई। सर्वाधिक आवेदन राजस्व विभाग (28) और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (17) से संबंधित रहे।

कार्यक्रम में जनपद सदस्य तिलासाय, अमीनसाय, मुकेश कश्यप, विवेक जायसवाल, मोहन अग्रवाल, राजेश अग्रवाल सहित जनपद पंचायत के सीईओ वेदप्रकाश पाण्डेय, तहसीलदार दानिश परवेज, खंड शिक्षा अधिकारी इस्माईल खान, वन परिक्षेत्राधिकारी महेन्द्र यादव, खंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी तथा क्लस्टर की 16 ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कथित झोलाछाप डॉक्टर इलाज के बाद 24 वर्षीय युवक की मौत

विश्व केसरी■

बिर्रा (नीरज शर्मा)। बिर्रा थाना क्षेत्र में एक निजी क्लीनिक में इलाज के बाद 24 वर्षीय युवक की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि युवक की तबीयत इलाज और इंजेक्शन दिए जाने के बाद बिगड़ी, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। वहीं संबंधित क्लीनिक के संचालन और संचालक की वैधता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार बिर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम डभरा खुर्द निवासी लोकनाथ कश्यप पिता फिरतूराम, उम्र 24 वर्ष, बुधवार को इलाज कराने बिर्रा स्थित आयुष क्लीनिक पहुंचा था। बताया जा रहा है कि क्लीनिक में उपचार के दौरान उसे दवा देने के साथ इंजेक्शन भी लगाया गया। इसके बाद उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई और अंततः उसकी मौत हो गई।

पहले भी सील किया जा चुका है क्लीनिक

बताया जा रहा है कि संबंधित क्लीनिक को करीब 14 माह पहले शिकायत के आधार पर बीएमओ और तहसीलदार की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए सील किया था। उस समय क्लीनिक के संचालन और संचालक के पास वैध लाइसेंस नहीं होने संबंधी शिकायत सामने आई थी। कार्रवाई के बाद भी अब उसी परिसर में दोबारा इलाज किए जाने की बात सामने आने से स्वास्थ्य विभाग की निगरानी और पूर्व कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, क्लीनिक संचालक के पास वैध चिकित्सकीय योग्यता या लाइसेंस नहीं होने की बात की अभी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलने के बाद बिर्रा पुलिस ने मर्ग कायम किया। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया और इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। बिर्रा थाना प्रभारी राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। संबंधित डॉक्टर फिलहाल फरार बताया जा रहा है। उससे पूछताछ की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा प्रकोष्ठ ने किया सेवानिवृत्त व कार्यरत शिक्षकों का सम्मान



विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। भारतीय जनता पार्टी शिक्षा प्रकोष्ठ, जांजगीर-चांपा द्वारा रविवार को होटल ड्रीम प्वाइंट में शिक्षक सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में दीर्घकालीन एवं उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान करने वाले सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ-साथ कार्यरत शिक्षकों का भी सम्मान किया गया।

समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षक रमेश कुमार शर्मा, शिवशंकर तिवारी, एच.पी. खरे, अमरनाथ यादव, नीरा शर्मा एवं चन्द्रहास मिश्रा सहित अन्य शिक्षकों का सम्मान शाल, स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर किया गया। वहीं लगभग 48 कार्यरत शिक्षकों को भी सम्मानित कर उनके शैक्षणिक योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में भाजपा जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष सत्यलता मीरी, नगरपालिका अध्यक्ष रेखा गढ़वाल, किसान मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता इंजीनियर रवि पांडेय, जिला पंचायत सदस्य राजकुमार साहू, शिक्षा प्रकोष्ठ के संभाग प्रभारी जय कुमार मिश्रा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शुभलक्ष्मी तिवारी, डॉ. अनिल तिवारी, आशुतोष गोस्वामी एवं पुष्कर दिनकर उपस्थित रहे।

कोयलीबेड़ा में पहली बार सोनोग्राफी सुविधा, दूरस्थ क्षेत्र की महिलाओं को राहत

विश्व केसरी■



भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। कोयलीबेड़ा जैसे लंबे समय तक नक्सल गतिविधियों से प्रभावित और दूरस्थ क्षेत्र में अब स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच लगातार बढ़ रही है। कलेक्टर कुन्दन कुमार की अभिनव पहल के तहत सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय सेवा सेतु सह मेगा स्वास्थ्य शिविर में पहली बार सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इससे क्षेत्र के ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को आवश्यक जांच के लिए कांकेर अथवा अन्य दूरस्थ स्थानों तक जाने की परेशानी से राहत मिली।

कोयलीबेड़ा विकासखंड मुख्यालय में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में आसपास के गांवों और सुदूर क्षेत्रों से ग्रामीण पहुंचे। शिविर में कुल 1040 लोगों ने ओपीडी पंजीयन कराया। इनमें 41 लोगों की सोनोग्राफी, 120 लोगों का एक्स-रे और 225 लोगों की रक्त जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर निःशुल्क परामर्श एवं उपचार भी प्रदान किया।

ग्राम सुलांगी निवासी मेघरे पोटाई के लिए शिविर में उपलब्ध कराई गई सोनोग्राफी की सुविधा विशेष राहत लेकर आई। उन्होंने बताया कि अपनी पिछली चार गर्भावस्थाओं के दौरान सोनोग्राफी के लिए उन्हें कोयलीबेड़ा से बाहर जाना पड़ा था। इस बार शिविर में ही सोनोग्राफी की सुविधा मिलने से उन्हें दूर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में ही यह सुविधा उपलब्ध होने से महिलाओं को काफी सहूलियत हुई है। इसी तरह कोयलीबेड़ा निवासी श्रीमती हस्तिना नाग ने भी शिविर में अपनी सोनोग्राफी कराई। उन्होंने बताया कि सोनोग्राफी के लिए उन्हें कांकेर जाने की जरूरत नहीं पड़ी और शिविर में ही उनकी जांच हो गई। जिससे उनका शहर आने-जाने का खर्चा व समय बचा। लंबे समय तक नक्सल गतिविधियों से प्रभावित रहे कोयलीबेड़ा क्षेत्र में स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य, राजस्व, खाद्य, कृषि, समाज कल्याण सहित विभिन्न विभागों की सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया।

शिविर में 135 हितग्राहियों को जांच के बाद निःशुल्क चश्मे, 55 लोगों को दिव्यांग प्रमाण पत्र संबंधी सेवाएं तथा 28 लोगों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया गया। वहीं 8 लोगों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया और जनभागीदारी के तहत 34 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया, जिसमें 18 बीएसएफ के जवान भी शामिल रहे।

नव पदस्थ तहसीलदार लोमेश कुमार मिरी का हुआ आत्मीय स्वागत

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। तहसील कार्यालय शिवरीनारायण में नव पदस्थ तहसीलदार लोमेश कुमार मिरी का अधिवक्ता संघ शिवरीनारायण के सचिव गजेन्द्र बंजारे के नेतृत्व में एवं तहसील कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र तिवारी, अधिवक्ता संघ के सचिव गजेन्द्र बंजारे, उपाध्यक्ष अरविन्द कुमार चौधरी, रामकुमार बर्मन, संरक्षक रामनिवास शुक्ला, एम आर कश्यप, देवप्रसाद साहू, सुभाष मिरि, भुनेश्वर बंजारे, इतवारी यादव,जीवन लाल कश्यप,ओम नारायण कश्यप, धनेश खांडेकर, रथ राम टंडन, देवनारायण मांडले, कुमारी गंगोत्री चौहान, आशा साहू,आर.आई.जय नारायण भूपेन्द्र, मुख्यालय पटवारी दिलेश्वर प्रसाद कश्यप, मिसदा आर.आई. बद्रीनारायण जांगड़े, पटवारी मोहन बनर्जी, प्रमोद कश्यप, अंबुज शर्मा, अमृत लाल साहू, रामेश्वर जगत, परवरिश टंडन, रीडर इंदु देवांगन, कुंदन बंजारे, पंकज खूंटले, लतीफ़ निराला, श्वेता सोनी, हेमलता जांगड़े, कोटवार प्रकाश सहिस, शिवकुमार चौहान, लीला राम कश्यप उपस्थित रहे।

सोना करीब 0.5 प्रतिशत फिसला, चांदी 2.27 लाख रुपए प्रति किलो के पार

विश्व केसरी■

मुंबई। सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को मिलाजुला कारोबार देखा गया। शुरुआत सत्र में सोने में 0.48 प्रतिशत की गिरावट और चांदी में 0.53 प्रतिशत की तेजी देखी गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,50,390 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले मजबूती के साथ 1,51,197 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

हालांकि, शुरुआती कारोबार में ही इसमें बिकवाली देखने को मिली और यह सुबह 11:45 पर 719 रुपए या 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,49,671 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,48,850 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,51,197 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ।



सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली। चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,25,877 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,25,900 रुपए प्रति किलो पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह 1,192 रुपए या 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,27,069 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,25,601 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,27,349 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।

अंतरराष्ट्रीय कारोबार में सोने और चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। सोना 0.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,181 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 61.70 डॉलर प्रति औंस पर थी।

बाजार के जानकारों ने कहा कि गोल्ड निवेशक अमेरिका में इस हफ्ते आने वाले पीएमआई के डेटा, एफओएमसी मिनट्स और कंज्यूमर सेंटीमेंट से जुड़े डेटा का इंतजार कर रहे हैं। इस दौरान सोना एक सीमित दायरे में रह सकता है और भारत में दाम 1,48,000 रुपए या 1,52,500 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच रहने की उम्मीद है।

सेंसेक्स 473 अंक उछला; निफ्टी में 0.60 प्रतिशत की तेजी

शेयर बाजार ने लगातार 4 दिन की गिरावट का सिलसिला तोड़ा

विश्व केसरी■



मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में तेजी से बढ़ोतरी की आशंकाओं में कमी आने के कारण वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी आने से भारतीय शेयर बाजार ने लगातार चार दिनों की गिरावट का सिलसिला तोड़ते हुए हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान, प्रमुख बेंचमार्कों में 0.66 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई।

इस बीच, बीएसई सेंसेक्स 472.77 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़कर 72,382.47 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 133.80 अंक यानी 0.60 प्रतिशत बढ़कर 22,555.75 पर बंद हुआ। निफ्टी50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा तेजी आईटीसी में (5 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त) देखने को मिली। इसके बाद, बीएसई और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी), श्रीराम फाइनेंस, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, इटरनल, एनटीपीसी और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई। वहीं इसके विपरीत, एचसीएल टेक, मैक्स हेल्थ, एचडीएफसी बैंक, अपोलो हॉस्पिटल, एशियन पेंट्स, इंफोसिस और सन फार्मा के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमश: 0.67 प्रतिशत और 0.47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

वहीं सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी एफएमसीजी ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी फार्मा ने खराब प्रदर्शन किया। एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि सोमवार को लगातार आठ हफ्तों की गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार में थोड़ी रिकवरी (राहत भरी बढ़त) देखने को मिली। एक्सपर्ट के अनुसार, इस रिकवरी को कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और कमजोर जॉब्स डेटा के बाद अमेरिका में ब्याज दरों में तेजी से बढ़ोतरी की उम्मीदें कम होने से सहारा मिल रहा है।

विमान से सफर करना होगा महंगा, इंडिगो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर बढ़ाएगा फ्यूल चार्ज

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने सोमवार को ऐलान किया कि वह एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में वृद्धि के कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर फ्यूल चार्ज में इजाफा करने जा रही है।

एयरलाइन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह बढ़ोतरी मंगलवार से बुक होने वाली उसकी सभी उड़ानों पर लागू होगी।

एयरलाइन ने कहा, 'ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हाल ही में महीने-दर-महीने कीमतों में 14 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी के कारण एटीएफ की लागत पिछले एक दशक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) एयरलाइन की ऑपरेटिंग लागत का एक बड़ा हिस्सा होता है, इसलिए इस बढ़ोतरी का असर एयरलाइंस की लागत संरचना और नेटवर्क इकोनॉमिक्स पर पड़ने की उम्मीद है, जिसमें इंडिगो भी शामिल है।'

एयरलाइन ने बताया कि घरेलू मार्ग पर 500 किलोमीटर तक की उड़ानों के लिए 375 रुपए, 501 से 1,000 किलोमीटर तक की उड़ानों के लिए 600 रुपए, 1,001 से 1,500 किलोमीटर की उड़ानों के लिए 900 रुपए, 1,501 से 2,000 किलोमीटर की उड़ानों के लिए 1,150 रुपए और 2,000 किलोमीटर से ज्यादा की उड़ानों के लिए 1,300 रुपए का फ्यूल चार्ज लगेगा।

वहीं, इंटरनेशनल रूट पर, सार्क क्षेत्र के अंदर 500 किलोमीटर तक की दूरी वाली उड़ानों पर 1,000 रुपए और 500 किलोमीटर से ज्यादा दूरी वाली उड़ानों पर 3,000 रुपए का फ्यूल चार्ज लगेगा। साउथ-ईस्ट एशिया, जीसीसी, मिडिल ईस्ट और नॉर्थ व ईस्ट एशिया जाने वाली उड़ानों पर 5,500 रुपए का फ्यूल चार्ज लगेगा, जबकि अफ्रीका और यूरोप जाने वाली उड़ानों पर 6,000 रुपए का फ्यूल चार्ज लगेगा।

कंपनी ने कहा, 'ईंधन की बढ़ती लागत की भरपाई के लिए ईंधन शुल्क में काफी ज्यादा बढ़ोतरी की जरूरत है, लेकिन ग्राहकों पर असर कम करने के लिए इंडिगो ने एक संतुलित और अपेक्षाकृत मामूली बदलाव किया है।'

अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बीते 3 महीने में करीब 40 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं, जिससे एयरलाइन के लिए परिचालन काफी महंगा हो गया है।

संचार साथी पोर्टल पर विजिट्स 30 करोड़ के पार; 5,000 करोड़ रुपए की साइबर धोखाधड़ी रोकने में मिली मदद

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। संचार साथी पोर्टल पर मई 2023 में लॉन्च होने के बाद से कुल विजिट्स की संख्या 30 करोड़ से अधिक हो गई है और इससे 5,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के संदिग्ध साइबर-फ्रॉड से होने वाले नुकसान को रोकने में मदद मिली है। यह जानकारी संचार मंत्रालय की ओर से सोमवार को दी गई।

मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इससे 14 लाख से ज्यादा खोए और चोरी हुए हैंडसेट बरामद करने में भी मदद मिली है। साथ ही, इसने अपने नाम पर मौजूद मोबाइल कनेक्शन के बारे में जानने के लिए नागरिकों के 4 करोड़ से ज्यादा अनुरोधों का समाधान किया गया।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) की ओर से विकसित किया गया यह पोर्टल हर मोबाइल यूजर को आसान और इस्तेमाल में सरल टूल देता है, जिनसे वे संदिग्ध कॉल या मैसेज की रिपोर्ट कर सकते हैं, यह जान सकते हैं कि उनके नाम पर कितने मोबाइल कनेक्शन चल रहे हैं, खोए या चोरी हुए हैंडसेट को ब्लॉक कर सकते हैं, और हैंडसेट खरीदने से पहले यह पता कर सकते हैं कि वह असली है या नहीं।

मंत्रालय ने बताया कि पोर्टल पर हर विजिट नागरिक की सुरक्षा करती है और उनके द्वारा रिपोर्ट किया गया हर संदिग्ध कम्युनिकेशन कई अन्य लोगों की सुरक्षा करता है। 'संचार साथी' पर नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी को ऐसी काम की जानकारी में बदला जाता है, जिससे डीओटी, बैंकों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को धोखेबाजों को उनके अगले शिकार तक पहुंचने से पहले ही रोकने में मदद मिलती है। इस तरह, 'संचार साथी' का इस्तेमाल करने वाला हर नागरिक एक साइबर वॉरियर और साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ एक ढाल के तौर पर काम करता है।

संचार साथी पोर्टल को आसान और यूजर-फ्रेंडली सर्विस प्रोसेस के साथ डिजाइन किया गया है। इसमें पब्लिक डैशबोर्ड और टेलीकॉम सुरक्षा, धोखाधड़ी से बचाव और जिम्मेदार डिजिटल तौर-तरीकों के बारे में व्यापक जानकारी शामिल है। अंग्रेजी, हिंदी और 21 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध संचार साथी मोबाइल ऐप नागरिकों को ये सभी सेवाएं उनकी अपनी भाषा में और मोबाइल पर इस्तेमाल करने की सुविधा के साथ देता है।

15,000 और सरकारी इमारतों में लगाया जाएगा रूफटॉप सोलर सिस्टम

विश्व केसरी■



गांधीनगर। गुजरात प्रशासन 2026-27 के दौरान 15,000 और सरकारी इमारतों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने की योजना बना रहा है। इस विस्तार से राज्य की मौजूदा रूफटॉप सोलर क्षमता में लगभग 65 मेगावाट की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जिससे इस प्रोग्राम की कुल क्षमता 160 मेगावाट से ज्यादा हो जाएगी।

यह घोषणा तब की गई है जब इस साल मार्च तक गुजरात में 6,014 सरकारी इमारतों में ग्रिड-कनेक्टेड रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए गए, जिनकी कुल क्षमता 95 मेगावाट है।

2011-12 से क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट के तहत गुजरात एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी द्वारा लागू किए जा रहे इस प्रोग्राम का मकसद रिन्यूएबल एनर्जी के इस्तेमाल को बढ़ाना और पारंपरिक बिजली पर सरकारी खर्च को कम करना है।

क्लाइमेट चेंज मिनिस्टर अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि 2025-26 के दौरान, 1,377 सरकारी इमारतों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए गए, जिससे 17.1 मेगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जुड़ी। इस विस्तार के साथ मार्च 2026 तक रूफटॉप सोलर सिस्टम वाली सरकारी इमारतों की कुल संख्या 6,014 हो गई, जिससे इस पहल के तहत कुल इंस्टॉल्ड क्षमता 95 मेगावाट तक पहुंच गई।

राज्य ने 2026-27 में इस प्रोग्राम के लिए 314 करोड़ रुपए तय किए हैं। इसमें से 278 करोड़ रुपए सामान्य सरकारी इमारतों के लिए, 3 करोड़ रुपए सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट डिपार्टमेंट के तहत आने वाली इमारतों के लिए और 33 करोड़ रुपए ट्राइबल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट द्वारा मैनेज की जाने वाली इमारतों के लिए आवंटित किए गए हैं।

मोढवाडिया ने कहा कि सरकारी इमारतों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने का सबसे बड़ा विस्तार इस साल हो रहा है, क्योंकि हम 15,000 सरकारी इमारतों पर इन्हें लगाने की योजना बना रहे हैं। इस प्रस्तावित विस्तार से लगभग 65 मेगावाट सोलर क्षमता जुड़ने की उम्मीद है, जिससे राज्य के पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में रिन्यूएबल एनर्जी का इस्तेमाल और मजबूत होगा।

इस स्कीम के तहत, राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाली इमारतों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जा रहे हैं, जिसमें क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट के सालाना बजट आवंटन से 100 प्रतिशत कैपिटल-कॉस्ट सपोर्ट दिया जाता है।

सरकार ने कहा कि इन सिस्टम के लगने से सरकारी दफ्तरों में पारंपरिक बिजली की खपत और बिजली पर होने वाले खर्च में कमी आने की उम्मीद है, साथ ही पारंपरिक बिजली उत्पादन से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी।

जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री प्रवीण माली ने कहा कि सोलर इंस्टॉलेशन से कई तरह के पर्यावरण और आर्थिक फायदे होने की उम्मीद है, जैसे पारंपरिक बिजली की खपत में कमी, सरकारी दफ्तरों के बिजली खर्च में कमी और पारंपरिक बिजली उत्पादन से होने वाले प्रदूषण में कमी। राज्य ने इस साल सरकारी इमारतों पर लगे रिन्यूएबल एनर्जी इंस्टॉलेशन की दूर से निगरानी करने के लिए 'इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स' पर आधारित रिन्यूएबल एनर्जी मॉनिटरिंग सिस्टम भी शुरू किया है।

मोढवाडिया ने कहा कि इस सिस्टम का मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर स्मार्ट मीटर, सेंसर और एलओटी गेटवे को जोड़ता है जो जीपीआरएस, 4जी और ईथरनेट के जरिए कनेक्टेड हैं। यह ऑटोमेटेड रिमोट अलर्ट देता है और हर 15 मिनट में परफॉर्मेंस डेटा रिकॉर्ड करता है, जिससे रोजाना 96 रीडिंग मिलती हैं।

भारत का यील्ड कर्व आरबीआई के लिक्विडिटी निकासी बढ़ाने से और सपाट होने की उम्मीद: रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड कर्व के आगे और सपाट होने की उम्मीद है, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) लिक्विडिटी की निकासी तेज कर रहा है। इससे कुछ निवेशक पांच साल की तुलना में 10 साल की अवधि वाले सरकारी बॉन्ड को प्राथमिकता दे सकते हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट में विश्लेषकों के हवाले से कहा गया है कि पांच साल और 10 साल की अवधि वाले बॉन्ड की यील्ड के बीच का अंतर कम होने की उम्मीद है। आरबीआई द्वारा बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त नकदी निकालने के कारण कम अवधि वाले बॉन्ड की यील्ड पर ऊपर की ओर दबाव बढ़ सकता है। रिपोर्ट में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज प्राइमरी डीलरशिप के हवाले से कहा गया है कि करीब 6.94 प्रतिशत पर कारोबार कर रही पांच साल की बेंचमार्क यील्ड बढ़कर 7 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, अगर केंद्रीय बैंक आक्रामक मौद्रिक सख्ती का रुख बनाए रखता है। विश्लेषकों ने कहा कि छोटी अवधि वाले बॉन्ड में यील्ड कर्व के और सपाट होने की संभावना है, क्योंकि आरबीआई प्रभावी मौद्रिक नीति संचरण सुनिश्चित करने के लिए ओवरनाइट दरों को रेपो रेट के आसपास या उससे ऊपर बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। उनका अनुमान है कि पांच साल और 10 साल की यील्ड के बीच का अंतर घटकर महज 10 आधार अंक तक आ सकता है। अगर ओवरनाइट दरें रेपो रेट से काफी ऊपर चली जाती हैं, तो यील्ड कर्व सपाट या हल्का इनवर्टेड हो सकता है।

बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त लिक्विडिटी के कारण ओवरनाइट उधारी की लागत पॉलिसी रेपो रेट से नीचे बनी हुई है।

मुंबई में इस साल के पहले नौ महीने में बिके 72,804 घर; 2018 के बाद सबसे बड़ा आंकड़ा: रिपोर्ट

विश्व केसरी■



मुंबई। मुंबई के आवासीय बाजार में जनवरी-सितंबर के दौरान 2018 के बाद सबसे अधिक बिक्री दर्ज की गई है और यह सालाना आधार पर 1 प्रतिशत बढ़कर 72,804 इकाई हो गई है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

नाइट फ्रैंक इंडिया की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि के दौरान डेवलपर्स ने 72,673 नई आवासीय इकाइयां लॉन्च कीं, जो सालाना आधार पर 13 प्रतिशत अधिक है। इससे नई आपूर्ति मांग के लगभग अनुरूप बनी रही। इसके अलावा, मुंबई देश का सबसे बड़ा आवासीय बाजार बना रहा। देश के आठ प्रमुख शहरों में इस अवधि के दौरान बिके कुल 2,58,238 घरों में मुंबई की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत रही। वहीं, इस दौरान लॉन्च की गई कुल 2,79,899 इकाइयों में मुंबई की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत रही। रिपोर्ट के अनुसार, 1 करोड़ रुपए से कम कीमत वाले घरों की बिक्री में अभी भी सबसे अधिक हिस्सेदारी रही, लेकिन मांग धीरे-धीरे अधिक कीमत वाली संपत्तियों की ओर बढ़ रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि 1 करोड़ रुपए से अधिक कीमत वाले घर बिक्री की वृद्धि के प्रमुख चालक बनकर उभरे हैं। इसे बढ़ती आय और संपन्न खरीदारों की लगातार बनी हुई मांग से समर्थन मिला है। देश के आठ प्रमुख शहरों में 2026 के पहले नौ महीनों में आवासीय बिक्री लगभग स्थिर रही और 2,58,238 इकाई रही, जबकि नई परियोजनाओं की लॉन्चिंग 4 प्रतिशत बढ़कर 2,79,899 इकाई हो गई।

नाइट फ्रैंक इंडिया के गुलाम जिया के अनुसार, बाजार की मजबूती अब तेजी से अधिक कीमत वाले घरों की मांग से प्रेरित हो रही है, हालांकि मुंबई देश का सबसे बड़ा किफायती आवास बाजार बना हुआ है। मुंबई में पूरे साल तिमाही आधार पर बिक्री में लगातार बढ़ोतरी हुई। पहली तिमाही में 23,185 इकाइयों से बढ़कर तीसरी तिमाही में 25,449 इकाई हो गई, जो 2018 के बाद किसी तिमाही में बिक्री का सबसे ऊंचा स्तर है।

इन 5 फूड का करें सेवन, हमेशा फौलाद बना रहेगा टनाटन, वैज्ञानिकों से प्रमाणित



हार्ट का हेल्दी रहना बहुत जरूरी है. आजकल युवाओं का हार्ट बेहद कमजोर होने लगा है. ऐसे में हार्ट को कैसे मजबूत करना है, यह जानना जरूरी है. इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा प्रमाणित कुछ फूड के बारे में हम बता रहे हैं. इन फूड को डाइट में शामिल करने से हार्ट हमेशा तंदुरुस्त रह सकता है.

हार्ट हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक हैं. अन्य अंग न हो तो कुछ मिनट या घंटे तक इंसान जीवित भी रह सकता है लेकिन अगर हार्ट का धड़कना बंद हो जाए तो इंसान एक मिनट तक जिंदा नहीं रह सकता है. कुछ मिनट के अंदर हार्ट अटैक या हार्ट फेल हो जाएगा. इसलिए हार्ट को हेल्दी होना बहुत जरूरी है. हार्ट को मजबूत बनाए रखने के लिए हेल्दी फूड महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. हार्ट की धमनियों में अक्सर ब्लॉकेज होने की आशंका रहती है. इस कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे में कुछ फूड ऐसे होते हैं जो इन ब्लॉकेज के जोखिम को कम कर सकता है. वहीं हार्ट के मसल्स में लचीलापन और मजबूती बनी रहे, इसके लिए एंटी-ऑक्सीडेंट्स चीजें बहुत फायदेमंद है. यूं तो हार्ट को सेहतमंद रखने के लिए एक्सरसाइज, तनाव रहित जीवन, पर्याप्त नींद और खुशी भी बहुत जरूरी है लेकिन इन सबमें फूड की भूमिका बहुत बड़ी है. इसलिए यहां वैज्ञानिकों द्वारा प्रमाणित 5 तरह के फूड के बारे में जानकारी दी जा रही है.

फौलादी हार्ट के लिए क्या खाएं

तेल वाली मछलियां: बीबीसी ने वैज्ञानिकों द्वारा प्रमाणित हार्ट फूड की लिस्ट में तेल वाली मछलियों को हार्ट के लिए सबसे उपर रखा है. तेल वाली मछलियों का मतलब जिस तेल को फ्राई करने के दौरान ज्यादा तेल दिखे. इसमें सैल्मन, मैकेरल, सार्डिन या मठिया, देसी में ग्रास कार्ट, विकेट आदि मछलियां ऑयली होती हैं. इनमें ओमेगा 3 फैटी एसिड ज्यादा होता है. ओमेगा 3 फैटी एसिड खून में थक्का जमने से रोकने में मदद करता है. साथ ही यह खून में ट्राइग्लीसराइड को बढ़ने नहीं देता है. इससे खून पतला रहता है और धड़कन संतुलित रखता है. वैज्ञानिकों ने एक सप्ताह में कम से कम दो दिन मछली खाने की सलाह दी है. यदि आपको हार्ट से जुड़ी कोई समस्या है तो आप प्रति सप्ताह चार खुराक तक ये मछली खानी चाहिए. मछली का तेल आपके पेट में जाए इसके लिए इन मछलियों को तलते समय धीमी आंच रखें या बेक कर खाएं. यानी आग में पकाकर. मछली जितनी ताजा रहेगी, उतना इसका सेवन फायदेमंद होगा.

हेल्दी फैट: फैट सेहत के लिए नुकसानदेह है, ऐसे आप अक्सर सुनते होंगे लेकिन जो फैट रिफाइंड नहीं होता, उसकी हमें बहुत जरूरत होती है. मोनोअनसैचुरेटेड फैट और पोलीअनसैचुरेटेड फैट हमारे लिए बहुत फायदेमंद है. इसे फ्रेंडली फैट कहा जाता है. जैसे एवोकाडो, जैतून का तेल, सरसो का तेल, मूंगफली का तेल, बादाम, काजू आदि मोनोअनसैचुरेटेड फैट है. इसी तरह अखरोट, अलसी के बीज, चिया सीडस्, ऑयली फिश आदि में पोलीअनसैचुरेटेड फैट होता है. ब्लड प्रेशर और ट्राइग्लीसराइड को नियंत्रित रखता है, खून के थक्के जमने से रोकता है. एक्स्ट्रा वर्जिन जैतून के तेल में पॉलीफेनॉल्स नामक सुरक्षात्मक तत्व मौजूद होता है जो हार्ट को बीमारियों से बचाव के लिए जाने जाते हैं. लेकिन इन फैट को अगर आप तेज आंच पर पकाएंगे तो यह फैट भी खराब हो जाएगा. समस्या यहीं हो जाती है. जब अच्छे फैट को हम बहुत तेज आंच पर पकाते हैं तो यह ट्रांस फैट में बदल जाता है जो हार्ट के लिए ठीक नहीं है.

फल और सब्जियां: फल और सब्जियां ऑवरऑल सेहत के लिए बेस्ट है. यह वैज्ञानिकों द्वारा प्रमाणित है कि यदि आप अपनी थाली का आधा हिस्सा फल और सब्जियों से भरते हैं तो हमेशा तंदुरुस्त बने रहते हैं. हार्ट भी मजबूत रहता है. रिसर्च के मुताबिक कम से कम 200 ग्राम अतिरिक्त फल और सब्जियां रोज खा लेंगे तो इश्चेमिक स्ट्रोक यानी खून की सप्लाई रुकने से होने वाली हार्ट की बीमारी से बच सकते हैं. फल और सब्जियां इश्चेमिक हार्ट डिजीज के जोखिम को एक तिहाई कम कर देती है. फल और सब्जियों में पोटैशियम की मात्रा भरपूर होती हैं, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद करती हैं. इन चीजों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट धमनियों को नुकसान से बचाते हैं. डॉक्टर कहते हैं कि अपने खान-पान में कम से कम रोज 5 कलरफुल फल और सब्जियों का सेवन करना चाहिए. जैसे-लाल पत्तागोभी, बैंगन, टमाटर, जामुन, बेरीज, तरबूज और हरी पत्तेदार सब्जियां. लहसुन भी हार्ट के लिए फायदेमंद है. कच्चा लहसुन खाने से हार्ट मजबूत होता है।

50 हजार लगाकर कमाए 1 लाख! मचान-मल्चिंग विधि से किसान अरुण ने बदली किस्मत, क्विंटल में होता है उत्पादन



बोकारो के पेटरवार प्रखंड के भंगाट गांव के किसान अरुण महतो ने मचान और मल्चिंग विधि से झींगा (तोरई) की खेती कर एक लाख रुपये का मुनाफा कमाया है. 50 हजार की लागत से एक एकड़ में 50 क्विंटल तक उत्पादन मिल रहा है, जिससे उनकी आमदनी में इजाफा हुआ है.

बोकारो जिले में पारंपरिक खेती के साथ किसान अब सब्जियों की उन्नत खेती से भी बेहतर आमदनी हासिल कर रहे हैं. पेटरवार प्रखंड के भंगाट गांव के किसान अरुण महतो ने एक एकड़ जमीन पर मचान और मल्चिंग विधि से झींगा (तोरई) सब्जी की खेती कर मोटा मुनाफा कमा रहें हैं. मीडिया से बातचीत में अरुण कुमार महतो ने बताया कि वह किसान परिवार से आते हैं. खेती के प्रति उन्हें अपने माता-पिता और दादा दादी से प्रेरणा मिली. इसके बाद उन्होंने खेती को ही अपना सहारा बनाया और अलग-अलग सब्जियों की खेती कर अच्छी आमदनी हासिल कर रहे हैं.

30 से 35 दिन में तैयार हो जाती है फसल

आगे किसान अरुण ने बताया कि उन्होंने अगस्त महीने में एक एकड़ जमीन पर झींगा सब्जी की खेती शुरू की थी. मचान और मल्चिंग विधि का इस्तेमाल करने से पौधों को विकास अच्छी तरीके से होता है. खेत में नमी बनाए रखने में मदद मिलती है. झींगा सब्जी की फसल करीब 30 से 35 दिनों में तोड़ाई के लिए तैयार हो जाती है. इसके बाद लगभग डेढ़ महीने तक लगातार तोड़ाई कर किसान लगातार आमदनी कमा सकते.

एक एकड़ में करीब 50 क्विंटल उत्पादन

किसान के अनुसार एक एकड़ में झींगा की खेती करने में करीब 50 हजार रुपये की लागत आती है. अच्छी तरह फसल तैयार होने पर एक एकड़ से करीब 50 क्विंटल तक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है. बाजार में पूरे साल झींगा सब्जी का औसत भाव करीब 30 रुपये प्रति किलो होता है. वहीं अगर 50 क्विंटल औसतन 30 रुपये प्रति किलो की दर से भी बिक्री होती है. किसान इससे करीब 1.50 लाख रुपये की सकल आमदनी हो सकती है. इसमें करीब 50 हजार रुपये लागत निकालने के बाद लगभग 1 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया जा सकता है.

पीलापन और पत्तियां मुड़ने की समस्या से रहें सावधान

आखिर में अरुण ने किसानों को सलाह दी है कि झींगा सब्जी कि फसल में कई बार पत्तियों में पीलापन और पत्तियां मुड़ने जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं. ऐसे में किसान को बिना जानकारी के किसी दवा का इस्तेमाल करने के बजाय कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर उचित दवा का छिड़काव करना चाहिए. इससे फसल को रोग और कीटों से बचाने में मदद मिल सकती है।

'मम्मी, आज स्कूल में मेरे साथ कोई नहीं खेला..' अगर आपका बच्चा भी कह रहा है ये बात, तो तुरंत करें



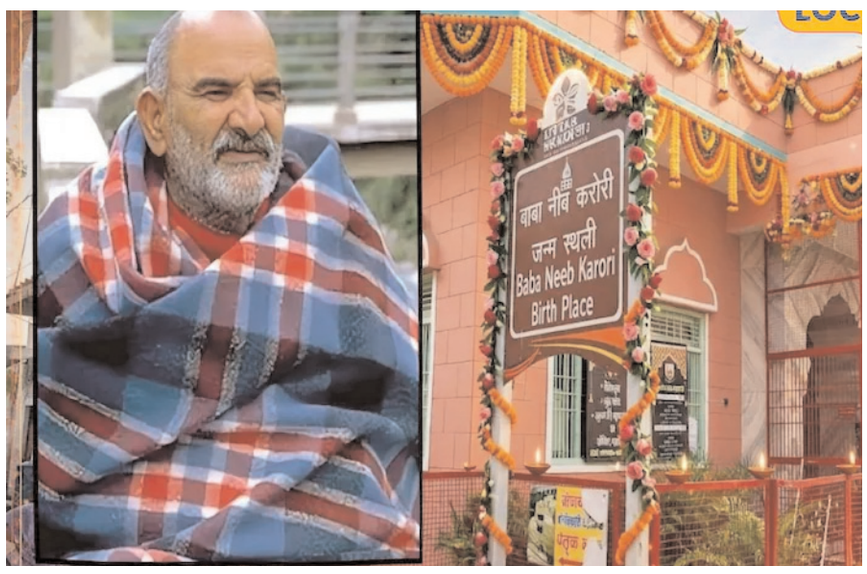
स्कूल से लौटने के बाद बच्चे अक्सर अपनी उदासी को शब्दों में बयां नहीं कर पाते. वे बैग फेंकते हैं, चुपचाप बैठ जाते हैं और हम सोचते हैं कि 'सब ठीक है'. लेकिन उस खामोशी के पीछे एक छोटा सा अकेलापन छिपा होता है, जिसे हमारी समझ और साथ की जरूरत होती है. अगर आपका बच्चा भी कभी ऐसे दौर से गुजर रहा है, तो ये 5 बातें पेरेंट्स के तौर पर आपका और आपके बच्चे का रास्ता आसान कर सकती हैं.

क्या आपने कभी गौर किया है कि स्कूल से लौटने के बाद आपका बच्चा अचानक थोड़ा सा चुप रहने लगा है? बैग फेंकते ही वह सीधे कमरे में चला जाता है, या फिर खाने की टेबल पर उसकी नजरें कहीं अटकी हुई रहती हैं. जब आप उससे पूछते हैं, 'आज स्कूल कैसा रहा?', तो उसका जवाब सिर्फ एक छोटा सा 'ठीक था' होता है. लेकिन पेरेंट्स, इस छोटे से 'ठीक था' के पीछे अक्सर एक बहुत बड़ी अनकही कहानी छिपी होती है. एक ऐसा अकेलापन, जिसे बच्चा शब्दों में बयां नहीं कर पाता.

दरअसल, स्कूल का मैदान बाहर से जितना हँसता-खेलता और गुलजार नजर आता है, कई बार अंदर से वह किसी संवेदनशील बच्चे के लिए उतना ही अकेलापन भरा हो सकता है. बच्चे अपनी बातें कभी भी शुरुआत से सिलसिलेवार तरीके से नहीं बताते. वे कभी सीधे यह नहीं कहेंगे कि वे अंदर से टूट रहे हैं या उन्हें कोई दोस्त नहीं मिल रहा.

वे शुरुआत करते हैं छोटी-छोटी बातों से कि आज किसी ने उनके चुटकुले पर नहीं हंसा, कोई ग्रुप उनके बिना ही आगे भाग गया, या फिर लंच ब्रेक का समय अचानक बहुत लंबा और खामोश लगने लगा था। ऐसे में, एक माता-पिता के तौर पर हमारी पहली प्रतिक्रिया अक्सर यह होती है कि हम तुरंत समस्या को सुलझाने या सलाह देने दौड़ पड़ते हैं।

नीम करौली बाबा की जन्मभूमि घूमने का बना रहे हैं प्लान? ट्रेन से लेकर ऑटो तक जान लें पूरा रास्ता



बाबा नीम करौरी महाराज की जन्मभूमि फिरोजाबाद के अकबरपुर गांव में है. देश-विदेश से भक्त यहां दर्शन करने पहुंचते हैं. अगर आप भी बाबा की जन्मस्थली जाना चाहते हैं, तो टूंडला या फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन से आगे का सफर बस और ऑटो से आसानी से पूरा कर सकते हैं. उसाइनी गांव से अकबरपुर की दूरी करीब 3 किलोमीटर है. यहां बाबा का पुराना घर, ध्यान कक्ष और मंदिर मौजूद है, जहां पहुंचकर भक्त दर्शन और प्रार्थना करते हैं.

अगर आप भी बाबा नीम करौरी की जन्मभूमि घूमने जाना चाहते हैं तो आप आसानी से लंबा सफर तय करके इस तीर्थस्थल तक पहुंच सकते हैं. बाबा की जन्मस्थली फिरोजाबाद के गांव अकबरपुर में है, जहां देश-विदेश से भक्त दर्शन के लिए आते हैं. यहां तक पहुंचने का रास्ता भी काफी आसान है. इसके लिए आप इन तरीकों से बाबा की जन्मभूमि तक पहुंच सकते हैं.

बाबा नीम करौरी की जन्मस्थली तक पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको टूंडला जंक्शन आना होगा. यहां से आप ऑटो के जरिए फिरोजाबाद शहर की ओर जा सकते हैं. शहर से पहले उसायनी गांव आता है. यहां से आप बाबा नीम करौरी की जन्मभूमि गांव अकबरपुर तक आसानी से पहुंच सकते हैं.

फिरोजाबाद के अकबरपुर गांव तक जाने के लिए आप बस से भी यात्रा कर सकते हैं. इसके लिए आपको बस से फिरोजाबाद आना होगा. यहां से उसायनी गांव तक पहुंचना होगा. उसायनी में उतरने के बाद आप ऑटो से बाबा नीम करौरी की जन्मस्थली गांव अकबरपुर जा सकते हैं. यहां पहुंचकर बाबा के मंदिर में दर्शन कर सकते हैं.

फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन बाबा नीम करौरी की जन्मभूमि के लिए काफी नजदीक है. यहां आप दिल्ली से ट्रेन के जरिए आ सकते हैं. इसके बाद बस या ऑटो से उसायनी गांव पहुंच सकते हैं और वहां से बाबा के गांव के लिए जा सकते हैं. फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन से जन्मभूमि तक का सफर भी आसानी से पूरा किया जा सकता है.

विश्व प्रसिद्ध बाबा नीम करौरी महाराज की जन्मस्थली गांव अकबरपुर तक पहुंचने के लिए उसायनी गांव के बाद पैदल यात्रा भी की जा सकती है. यहां से गांव की दूरी करीब 3 किलोमीटर है. इसके अलावा उसायनी से ऑटो और दूसरे वाहनों के जरिए भी मंदिर तक पहुंचा जा सकता है.

बाबा नीम करौरी की जन्मभूमि पर आपको बाबा से जुड़ी कई पुरानी इमारतें और उनकी यादें देखने को मिलेंगी. यहां आज भी उनकी डाक बंगला बनी हुई है, जहां बाबा और उनकी पत्नी की तस्वीर लगी हुई है. यहां आने वाले भक्त उनके दर्शन करते हैं और प्रार्थना भी करते हैं.

बाबा नीम करौरी महाराज की जन्मस्थली पर पहुंचकर उनके भव्य मंदिर के दर्शन भी किए जा सकते हैं. लंबी यात्रा के बाद यहां ठहरने की व्यवस्था भी की गई है. दूर-दूर से आने वाले भक्त यहां विश्राम कर सकते हैं।

कंडे या ओवन पर नहीं इस बार लिट्टी बनेगी कड़ाही में, भुने भटे और टमाटर का चोखा लगाएगा स्वाद में तड़का



लिट्टी-चोखा का नाम आते ही देसी स्वाद, सत्तू की खुशबू और घी में डूबी गरमा-गरम लिट्टी का ख्याल आने लगता है. लेकिन कई घरों में इसे बनाने से पहले सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि बिना पारंपरिक चूल्हे या अंगीठी के लिट्टी कैसे सेंकी जाए. अगर आपके पास सिर्फ गैस और कड़ाही है तो भी इस बिहारी स्वाद को घर की रसोई में आसानी से तैयार किया जा सकता है.

मशहूर कुकिंग क्रिएटर निशा मधुलिका ने अपने यूट्यूब कुकिंग चैनल पर कड़ाही में लिट्टी बनाने का तरीका बताया है. खास बात यह है कि इसमें सत्तू की मसालेदार फिलिंग के साथ भुने बैंगन और टमाटर का चोखा भी घर पर तैयार किया जाता है.

कड़ाही में बनाएं लिट्टी-चोखा

लिट्टी-चोखा बनाने की शुरुआत आटा गूंथने से होती है. इसके लिए 3 कप गेहूं के आटे में 3 बड़े चम्मच घी, स्वादानुसार नमक, आधा छोटा चम्मच अजवाइन और एक चौथाई छोटा चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं. अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें. आटे को ढककर कुछ देर के लिए रख दें.

लिट्टी का स्वाद काफी हद तक उसकी फिलिंग पर निर्भर करता है. इसके लिए एक कप सत्तू में बारीक कटा हरा धनिया, 5 से 6 हरी मिर्च, 2 इंच कद्दूकस किया हुआ अदरक, एक बड़ा चम्मच अचार का मसाला, स्वादानुसार नमक, 2 बड़े चम्मच सरसों का तेल और एक नींबू का रस डालें. सारी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं. अगर सत्तू का मिश्रण बहुत सूखा लगे तो थोड़ा पानी डालकर इसे मिलाया जा सकता है।

रेस्टोरेंट जैसी स्वादिष्ट सब्जी, मिक्स वेज में दही-काजू का ये मेल कर देगा कमाल

मिक्स वेज को रेस्टोरेंट जैसा स्वाद देने के लिए सब्जियों को हल्का उबालकर तैयार करें और दही, टमाटर व काजू की गाढ़ी ग्रेवी बनाएं. प्याज और शिमला मिर्च को अलग से भूनकर मिलाने से सब्जी का स्वाद और बनावट दोनों बेहतर लगते हैं.

कभी घर में सारी पसंदीदा सब्जियां मौजूद होती हैं, फिर भी रेस्टोरेंट जैसी मिक्स वेज का स्वाद नहीं आ पाता. सब्जियां कभी ज्यादा गल जाती हैं तो कभी ग्रेवी का स्वाद फीका लगता है. यही वजह है कि शादी-पार्टी में मिलने वाली गाढ़ी और मसालेदार मिक्स वेज घर की सब्जी से थोड़ी अलग लगती है, अगर आप भी नान, रोटी या पराठे के साथ ऐसी ही स्वादिष्ट सब्जी बनाना चाहते हैं तो इसकी ग्रेवी पर थोड़ा ध्यान देना जरूरी है.

दही, काजू का पेस्ट और मसालों का सही मेल इस सब्जी को खास स्वाद दे सकता है. शेफ अजय चोपड़ा की बताई रेसिपी में सब्जियों को अलग तरीके से तैयार किया जाता है, जिससे स्वाद और बनावट दोनों अच्छे रहते हैं.



रेस्टोरेंट स्टाइल मिक्स वेज के लिए सामग्री

इस रेसिपी में फूलगोभी, गाजर, फ्रेंच बीन्स, आलू और मटर जैसी सब्जियों का इस्तेमाल किया जाता है. इसके साथ प्याज और शिमला मिर्च भी चाहिए. ग्रेवी के लिए टमाटर, प्याज, दही, अदरक, हरी मिर्च, जीरा, काजू का पेस्ट और थोड़ी क्रीम रख लें. मसालों में धनिया पाउडर, कश्मीरी लाल मिर्च, हल्दी, गरम मसाला और नमक इस्तेमाल होगा.

स्वाद और खुशबू बढ़ाने के लिए कसूरी मेथी और हरा धनिया भी डालें. तेल करीब 2 से 3 बड़े चम्मच लिया जा सकता है

मिक्स वेज बनाने का आसान तरीका

पहले सब्जियों को हल्का उबालें

सबसे पहले फूलगोभी, गाजर और फ्रेंच बीन्स को काट लें. एक पैन में पानी गर्म करके थोड़ा नमक डालें. इसमें इन सब्जियों को हल्का उबाल लें. इन्हें बहुत ज्यादा न गलाएं, क्योंकि बाद में ग्रेवी में भी पकाना है. आलू को छोटे टुकड़ों में काटकर अलग से पकाया जा सकता है.

दही वाली ग्रेवी तैयार करें

कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें जीरा डालें. फिर बारीक कटा प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें. इसमें अदरक और हरी मिर्च डालकर कुछ देर पकाएं. अब हल्दी, धनिया पाउडर और कश्मीरी लाल मिर्च डालें. मसालों को धीमी आंच पर पकाने से उनका स्वाद अच्छी तरह उभरता है. अब इसमें दही डालें और लगातार चलाते रहें, ताकि दही फटे नहीं. जब दही अच्छी तरह पक जाए तो बारीक कटे टमाटर डालकर मिलाएं. टमाटर नरम होने तक मसाले को पकाएं और जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी डालें.



काजू पेस्ट से आएगा ग्रेवी में स्वाद

अब भीगी हुई कसूरी मेथी को हाथ से मसलकर ग्रेवी में डालें. इसके बाद मटर और थोड़ा पानी डालकर पकने दें. जब मटर नरम होने लगे तो काजू का पेस्ट मिलाएं. काजू का पेस्ट कड़ाही के तले में चिपक सकता है इसलिए इस दौरान ग्रेवी को लगातार चलाते रहें. काजू के पेस्ट से ग्रेवी थोड़ी गाढ़ी और मलाईदार हो जाती है. आखिर में जरूरत के अनुसार क्रीम डालकर अच्छी तरह मिला दें.

शिमला मिर्च और प्याज को अलग से भूनें

मिक्स वेज का स्वाद बढ़ाने के लिए प्याज और शिमला मिर्च को ग्रेवी में सीधे डालने के बजाय हल्का फ्राई किया जा सकता है. दूसरे पैन में थोड़ा तेल गर्म करें और तेज आंच पर प्याज, शिमला मिर्च और जरूरत हो तो टमाटर के बड़े टुकड़ों को हल्का भूनें. इनमें थोड़ा नमक डालें. सब्जियों को पूरी तरह गलाने के बजाय हल्का क्रंची रखना बेहतर रहेगा.

अब सभी चीजों को मिलाएं

जब ग्रेवी अच्छी तरह पक जाए तो इसमें उबली हुई सब्जियां डालें. इसके बाद हल्की फ्राई की हुई प्याज और शिमला मिर्च भी मिला दें. ऊपर से गरम मसाला, हरा धनिया और थोड़ी क्रीम डालकर सबको अच्छी तरह मिलाएं।

आईटी सर्च में नाम आने पर रकुल प्रीत सिंह ने दी सफाई,

कहा- मैं किसी बेनामी प्रॉपर्टी की मालकिन नहीं

मुंबई। अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने सोमवार को इनकम टैक्स छापों से अपना नाम जुड़ने की खबरों पर रिएक्ट किया। अभिनेत्री ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है।



"मैं किसी भी गैरकानूनी कामों में शामिल नहीं हूं, ना मेरे नाम पर कहीं भी बेनामी प्रॉपर्टी है।"
- रकुल प्रीत सिंह

दरअसल, 28 सितंबर को आयकर विभाग ने अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह और फिल्म निर्माता वासु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। 28 सितंबर 2026 को मुंबई में आयकर विभाग ने रकुलप्रीत सिंह, वासू भगनानी और पैनोरमा स्टूडियोज के परिसरों की तलाशी ली थी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मीडिया द्वारा गलत अफवाहों को फैलाने पर अफसोस जताया। उन्होंने लिखा, "यह देखकर बहुत दुख होता है कि आजकल कुछ खुद को रिपोर्टर कहने वाले लोग और कुछ बड़े मीडिया पत्रकार बिना सच्चाई जाने खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे हैं। इसलिए, मैं एक बार फिर सब कुछ साफ कर देती हूं।"

उन्होंने आगे लिखा, "अभी हाल ही में हमारे घर में जो तलाशी हुई है, उससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। इस बात हर कोई वाकिफ है कि मैं एक फौजी परिवार से ताल्लुक रखती हूं और इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। मैं अपनी कड़ी मेहनत से यहां तक पहुंची हूं और 20 साल की उम्र से एक जिम्मेदार नागरिक की तरह अपना पूरा टैक्स भी भरती आ रही हूं।"

अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका नाम किसी भी गैरकानूनी कामों से जुड़ा नहीं है। उन्होंने लिखा, "मैं किसी भी तरह के गैरकानूनी विदेशी लेनदेन में शामिल नहीं हूं, न तो खुद के लिए और न ही किसी प्रोडक्शन हाउस के लिए। मैं यह भी साफ कर दूं कि मेरे नाम पर देश या विदेश में कहीं भी गैरकानूनी प्रॉपर्टी नहीं है। न ही कभी किसी ने मुझे प्रॉपर्टी गिफ्ट की और न ही मैं इस तरह से तोहफे स्वीकार करती हूं।"



अभिनेत्री ने अफवाह फैलाने वाले मीडिया संस्थानों से अपील कि की वे इस तरह की खबरें न फैलाएं। उन्होंने लिखा, "जिन्होंने मेरे खिलाफ मनगढ़ंत खबरें छापी हैं। मैं उनसे उस खबर को वापस लेने की अपील करती हूं, साथ ही सच्चाई बताने के लिए कहती हूं। मैं समझती हूं कि मीडिया पर भी अपना जिजनेस चलाने का दबाव होता है लेकिन यह दबाव सच्चाई की कीमत पर नहीं होना चाहिए और बिल्कुल भी किसी की इज्जत और रोजी-रोटी की कीमत पर तो नहीं होना चाहिए।"

मीडिया से अपील

"जिन्होंने मेरे खिलाफ मनगढ़ंत खबरें छापी हैं। मैं उनसे उस खबर को वापस लेने की अपील करती हूं, साथ ही सच्चाई बताने के लिए कहती हूं।"
- रकुल प्रीत सिंह

कड़ी मेहनत से बनाई है अपनी पहचान

रकुल प्रीत सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने दम पर इंडस्ट्री में मुकाम हासिल किया है और वह हमेशा एक जिम्मेदार नागरिक की तरह टैक्स भरती रही हैं।

'खतरों के खिलाड़ी 15' जीते अविनाश मिश्रा, दोस्त ईशा सिंह ने कहा-कुछ जीतें होती हैं बहुत पर्सनल



विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता अविनाश मिश्रा ने 'खतरों के खिलाड़ी-15' की ट्रॉफी अपने नाम की। सोमवार को अभिनेत्री ईशा सिंह ने अविनाश को बधाई दी।

ईशा सिंह ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अविनाश के साथ तस्वीर शेयर की। इसमें ईशा अपने हाथ में ट्रॉफी लिए हैं और अविनाश उनके साथ नजर आ रहे हैं। ईशा ने ट्रॉफी मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए लिखा, 'शायद भगवान का प्लान वाकई कुछ बड़ा था, विनर पर बहुत गर्व है, बस अभी रो रही हूं!'

ईशा ने स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे और अविनाश साथ में डांस कर रहे हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 'ट्रॉफी आ गई घर! कुछ जीतें बहुत पर्सनल होती हैं।'

उन्होंने बिग बॉस के दिनों को याद किया जब अविनाश ने उनसे कहा था कि उन्हें कभी कोई अवॉर्ड नहीं मिला और दो साल बाद उन्हें विनर की ट्रॉफी थामे देखना बेहद खास एहसास था। अभिनेत्री ने लिखा, 'मुझे आज भी याद है, जब बिग बॉस के घर में अविनाश ने मुझे बताया था कि उसने कभी कोई अवॉर्ड नहीं जाता है। किसे पता था कि दो साल बाद वह विनर की ट्रॉफी थामे होगा। अविनाश, तुम्हारे लिए मैं बहुत, बहुत खुश हूं।'

'खतरों के खिलाड़ी 15' के विनर अविनाश मिश्रा को ट्रॉफी मिलने के दौरान अभिनेत्री ईशा सिंह काफी भावुक हो गई थीं और खुशी से उनकी आंखों में आंसू आ गए थे।

'बंदिश बैंडिट्स' वाली तमन्ना शर्मा की बड़ी छलांग, आयुष्मान खुराना की 'मुपापा' में एंट्री



विश्व केसरी■

मुंबई। 'बंदिश बैंडिट्स' के दोनों सीजन में तमन्ना शर्मा के किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली अभिनेत्री श्रेया चौधरी अब बड़े पर्दे पर एक नई शुरुआत करने जा रही हैं। खास बात यह है कि उनका यह थिएट्रिकल डेब्यू आयुष्मान खुराना के साथ होगा।

श्रेया और आयुष्मान जल्द ही फिल्म 'मुपापा' में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, जो 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'मुपापा' में श्रेया के किरदार और कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी ज्यादातर डिटेल्स को अभी सीक्रेट रखा है। ऐसे में श्रेया और आयुष्मान की जोड़ी को किस तरह की कहानी में दिखाया जाएगा, इसे लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बनी हुई है।

अभिनेत्री को वाईआरएफ टैलेंट ने एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट के लिए साइन किया है। इसे उनके प्रोफेशनल सफर में एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। श्रेया ने अब तक वेब सीरीज और फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी पहचान बनाई है और अब वह थिएट्रिकल फिल्मों की ओर आगे बढ़ रही हैं।

'मुपापा' का निर्देशन समीर सक्सेना कर रहे हैं। फिल्म को यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। 'मुपापा' यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स की पहली थिएट्रिकल साझेदारी है।

श्रेया चौधरी की बात करें, तो उन्होंने साल 2017 में फिल्म 'डियर माया' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। फिल्म में उन्होंने इरा का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन उन्हें पहचान 'बंदिश बैंडिट्स' से मिली।

इस सीरीज में उन्होंने तमन्ना शर्मा का रोल निभाया था। तमन्ना एक पॉप स्टार है, जो क्लासिकल और मॉडर्न म्यूजिक की दुनिया के बीच अपनी पहचान बनाने की कोशिश करती है। श्रेया के इस किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

'तुम झूठे हो गौतम गुलाटी', प्रियंका चाहर चौधरी से भिड़े गौतम, 'राइज एंड फॉल 2' में छिड़ी तीखी जंग



विश्व केसरी■

मुंबई। स्ट्रीमिंग रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 के लेटेस्ट एपिसोड में अभिनेता गौतम गुलाटी और अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिला। प्रियंका चाहर चौधरी के 'फॉल' से ठीक पहले टावर में दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई।

शुरुआत प्रियंका और गौतम के बीच एक असहमति से हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला आमने-सामने की लड़ाई में बदल गया।

बात जब रेड रूम तक पहुंची तो गौतम ने प्रियंका को सामने रखते हुए बताया कि आखिर उन्होंने उन्हीं लोगों की तारीफ करते हों।''

उन्होंने आगे कहा, ''मैंने जो अगली चीज देखी, उससे मेरा भरोसा एक बार फिर टूट गया। वो बार-बार उसके गले मिल रही थी, उसके साथ हंस रही थी और उस इंसान की तारीफ कर रही थी, जिसने इतने सारे लोगों के सामने मेरी बेइज्जती की थी।''

गौतम ने जब इस मुद्दे पर बाद में बात करने के लिए कहा, तो प्रियंका ने साफ कर दिया कि वह पूरे सीजन उनके साथ बात नहीं करना चाहतीं। गौतम को झूठा बताते हुए प्रियंका ने ऊंची आवाज में कहा, ''तुमने जो कुछ भी कहा, वो झूठ था। तुम झूठे हो गौतम गुलाटी... अब आ जाओ मैदान में।''

प्रियंका की ऊंची आवाज को लेकर गौतम के कहा कि आप चिल्लाए नहीं। इसपर प्रियंका ने पलटकर कहा, ''तुम एक स्ट्रॉन्ग लड़की को बर्दाश्त नहीं कर सकते, यही तुम्हारा ग्राफ है।''

गौतम ने प्रियंका के रवैये पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि अगर वह खुद को हीरोइन मानती हैं तो उन्हें उसी तरह व्यवहार भी करना चाहिए। गौतम के इस बयान के बाद दोनों के बीच तीखी बहस और ज्यादा बढ़ गई।

'राइज एंड फॉल' सीजन 2 को बनिजय एशिया ने प्रोड्यूस किया है। शो को वीरेंद्र सहवाग होस्ट कर रहे हैं।

उनका नाम क्यों लिया। गौतम ने कहा, ''मैं इज्जत करने वाला इंसान हूं। मुझे ऐसे लोग बिल्कुल पसंद नहीं हैं, जो एक ही समय में अलग-अलग लोगों से अलग-अलग तरह की बातें करते हैं। जिन्हें बात करने की तमीज नहीं, जो अपने सीनियर्स से बदतमीजी करते हों और फिर

कम समय में खत्म हुआ बिग बॉस का सफर, ईशा रिखी ने जताई निराशा

विश्व केसरी■

मुंबई। पंजाबी अभिनेत्री ईशा रिखी इन दिनों 'बिग बॉस -20' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री का मानना है कि शो के अंदर उन्हें अपनी पर्सनैलिटी दिखाने का ज्यादा समय नहीं मिला।

ईशा रिखी ने कहा, 'अगर शो में ज्यादा दिन तक रुक पाती तो, मैं दर्शकों को दिखाती कि मैं किन बातों पर रिएक्ट करती हूं लेकिन मेरे अंदर कि ये बातें सामने ही नहीं आईं। घर के सभी सदस्यों के साथ मेरे अच्चे रिश्ते थे। बहुत कम लोग थे जो मुझे पसंद नहीं थे या जिन्हें मैं पसंद नहीं थी। वहां 16 लोग थे, जिनमें से 14 लोग मेरे साथ बहुत अच्छे थे और मैं भी उनके साथ अच्छी थी, लेकिन समय के साथ जब हम एक-दूसरे की कमियां देखने लगते हैं, तब चीजें बदलती हैं और मुझे वो समय ही नहीं मिला और मैं बाहर आ गई।

अभिनेत्री ने शो से बाहर निकलने पर निराशा जाहिर करते हुए कहा, 'मुझे इस बात का दुख रहेगा कि हमारे दर्शक ठीक से मेरी असली पर्सनैलिटी नहीं जान पाए लेकिन मुझे लगता है कि जिन्हें जानना था। उन्हें एक-दो हफ्तों में ही समझ आ गया कि मैं कैसी हूं और शायद ज्यादा दिनों तक रुकती फिर भी वे नहीं जान पातें।' हालांकि, अभिनेत्री ने यह भी माना कि शो से बाहर वह अपना गेम अच्छा ना खेलने की वजह से हुई हैं।

मीडिया ने अभिनेत्री से सवाल किया, 'माही ने हाल ही में उस पल के बारे में बात की जब काजी जी आपकी तरफ बढ़े थे। जब आपके आसपास आवाजें तेज हो गई थीं, तब आपने उस पल को कैसे देखा? क्या सच में आपको डर लग रहा था?' उन्होंने कहा, 'नहीं, काजी मुझसे बात करने के लिए नहीं आए थे बल्कि उन्हें जो कुछ भी कहना था, वह मेरे पीछे से कह रहे थे।

शादी की सालगिरह पर मनोज मुंतशिर ने पत्नी के लिए लिखा प्यारा नोट, बताया-सबसे बेहतरीन दोस्त

विश्व केसरी■

मुंबई। मशहूर लेखक और गीतकार मनोज मुंतशिर सोमवार को अपनी शादी की सालगिरह मना रहे हैं। इस खास मौके पर उन्होंने अपनी पत्नी को सालगिरह की बधाई दी और उनके लिए एक बेहद प्यारा नोट भी लिखा है।

मनोज ने इंस्टाग्राम पर पत्नी नीलम के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें दोनों एक-दूसरे के साथ मुस्कराते नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के जरिए लेखक ने पत्नी को अपना सबसे बेहतरीन दोस्त बताया। उन्होंने लिखा, 'दोस्ती प्यार में बदल जाये, प्यार शादी में, अच्छी बात है लेकिन शादी के बाद भी दोस्ती कायम रह जाये, ये अजूबा तो बस कभी-कभी होता है। मैं भाग्यशाली हूं, कि मेरे साथ ये अजूबा हुआ। 30 साल पहले तुम



मेरी दोस्त बनी, फिर मेरा प्यार, फिर पत्नी और आखिर में फिर से दोस्त। जिन्दगी जितनी भी बाकी है, इस दोस्ती के सहारे गुजर जाएगी। मुझे जीवन भर बिना शर्त प्यार करने के लिए, तुम्हें बहुत सा प्यार। जन्म दिन की बधाइयां नीलम मुंतशिर। जुग-जुग जियो।

मनोज मुंतशिर और नीलम की शादी 5 अक्टूबर 1999 को हुई थी। नीलम मुंतशिर एक प्रतिष्ठित लेखिका हैं, जिन्होंने अपनी लेखनी से कई क्षेत्रों में नाम कमाया है। साल 2023 में रिलीज हुए गीत 'वंदे भारतम' समेत कई उल्लेखनीय प्रोजेक्ट्स में उनकी लेखनी ने खूब वाहवाही बटोरी। नीलम ने न केवल संगीत बल्कि फिल्मों से जुड़ी कई प्रोजेक्ट्स में भी महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। मनोज मुंतशिर खुद भी हिंदी सिनेमा और संगीत जगत में गीतों और लेखन के लिए मशहूर हैं। मनोज ने कपिल शर्मा के शो में बताया था कि एक बार उनकी शादी टूट गई थी क्योंकि उन्होंने अपने पहले प्यार की जगह करियर को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने बताया था कि शादी की सारी तैयारियां हो चुकी थी। कार्ड वगैरह सब छप चुके थे। वहीं, उससे पहले लड़की के भाई ने मुझसे करियर के बारे में पूछा, तो मैंने कहा कि भाई मैं गीतकार बनूंगा। उन्होंने कहा कि वो तो ठीक है, पर काम क्या करोगे? मैंने उनसे कहा कि झूठ नहीं बोलूंगा लेकिन मुझे जिंदगीभर गानों के बोल लिखने हैं। हम वापस आ गए और शादी टूट गई। मैं उस लड़की को प्यार करता था लेकिन शादी और राइटिंग के बीच च्वाइस थी और मैंने राइटिंग चुनी।

उत्तर प्रदेश के अमेठी में रहने वाले मनोज मुंतशिर इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन खत्म करने के बाद किस्मत आजमाने के लिए मुंबई पहुंचे। यहां उन्होंने गीतकार और डायलॉग राइटर के तौर पर करियर बनाना शुरू किया।

मोंटाना के गवर्नर की भारत यात्रा, सर्जियो गोर ने बताया क्यों है ये अहम?

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। अमेरिका के मोंटाना राज्य के गवर्नर ग्रेग जियानफोर्टे और उनके प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली का दौरा किया। इस दौरान भारत में मौजूद अमेरिकी मिशन के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा की।

इस मुलाकात को लेकर अमेरिकी दूतावास की ओर से सोमवार को सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की गई। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने पोस्ट में कहा कि मोंटाना के गवर्नर और उनके प्रतिनिधिमंडल का नई दिल्ली में स्वागत कर खुशी हुई। बैठक के दौरान मोंटाना के बिजनेस को भारत में विस्तार देने की संभावनाओं पर बात हुई। निवेश संबंधी कमर्शियल रिश्तों को बढ़ाने के नए अवसरों पर चर्चा हुई।



गवर्नर जियानफोर्टे का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और अमेरिका अपने व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्र सरकार के स्तर पर तो बातचीत लगातार चल ही रही है, लेकिन अब राज्य स्तर पर भी सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इस बैठक में इसी बात पर फोकस रहा कि कैसे स्टेट-लेवल एंगेजमेंट से दोनों देशों की व्यापक आर्थिक साझेदारी को आगे बढ़ाया जा सकता है। बता दें कि मोंटाना अमेरिका का एक महत्वपूर्ण कृषि और ऊर्जा प्रधान राज्य है। यहां गेहूं, जौ और दलहन का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है, साथ ही यह बीफ प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी सेक्टर में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत, जो दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक है, मोंटाना के प्रोडक्ट्स को एक बड़ा अवसर प्रदान कर सकता है। वहीं भारत के लिए भी मोंटाना में टेक्नोलॉजी, एविएशन और एनर्जी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं हैं।

डिप्लोमेसी के लिहाज से देखें तो इस तरह की राज्य-स्तरीय यात्राएं दोनों देशों के बीच पीपल-टू-पीपल और बिजनेस-टू-बिजनेस कनेक्शन को मजबूत करती हैं। जब अमेरिकी राज्यों के गवर्नर सीधे भारत आकर कारोबार की संभावनाएं तलाशते हैं तो इससे न सिर्फ व्यापार बढ़ता है बल्कि रोजगार और इनोवेशन के नए रास्ते भी खुलते हैं।

ईरान के पेट्रोलियम मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने दिया इस्तीफा, हामिद बोवार्ड को मिली जिम्मेदारी

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान के पेट्रोलियम मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ईरान के राष्ट्रपति कार्यालय के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।

रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय में कम्युनिकेशन मामलों के डिप्टी सैयद मेहदी तबाताबाई ने बताया कि राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने पाकनेजाद का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। तबाताबाई ने रविवार को सरकारी आईआरआईबी टीवी से बातचीत में बताया कि पाकनेजाद ने निजी कारणों से पहले भी अपना इस्तीफा सौंपा था। राष्ट्रपति पेजेशकियन ने शुरुआत में उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया था, लेकिन बाद में इसे मंजूर कर लिया।

उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम



मंत्रालय में डिप्टी मिनिस्टर और नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर हामिद बोवार्ड को कार्यवाहक पेट्रोलियम मंत्री बनाया गया है। राष्ट्रपति पेजेशकियन ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

मोहसिन पाकनेजाद को अगस्त 2024 में संसद से विश्वास मत मिलने के बाद ईरान का पेट्रोलियम मंत्री नियुक्त किया गया था।

यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष जारी है। ईरानी क्षेत्र पर इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमलों के बाद तेहरान ने 28 फरवरी को होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी पकड़ और मजबूत कर दी थी। इसके साथ ही इजरायल और अमेरिका से जुड़े जहाजों के सुरक्षित रास्ते पर रोक लगा दी गई थी।

इस संघर्ष की वजह से होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिसका असर दुनिया के बाजारों में तेल की सप्लाई पर भी पड़ा है।

संक्षिप्त खबर

यमन के ताइज में हूती ने बढ़ाया कब्जा, सरकार ने बड़े सैन्य अभियान का किया ऐलान

विश्व केसरी■



सना। यमन सरकार ने हूती समूह के कब्जे वाले बाकी इलाकों को वापस लेने के लिए बड़े सैन्य अभियान की शुरुआत का ऐलान किया है। वहीं यमन के हूती समूह ने लगातार आगे बढ़ते हुए दक्षिण-पश्चिमी ताइज प्रांत में कुछ और इलाकों पर कब्जा कर लिया है। एक स्थानीय सुरक्षा अधिकारी ने रविवार को नाम न बताने की शर्त पर सिन्हुआ न्यूज एजेंसी को बताया कि हूती लड़ाके दक्षिणी ताइज प्रांत के रणनीतिक रूप से अहम शहर अत तुरबाह में दाखिल हो गए हैं। सरकारी सेना के दिन में वहां से पीछे हट जाने के कारण हूती लड़ाकों को शहर में घुसने के लिए लड़ाई नहीं करनी पड़ी। अधिकारी ने बताया कि सरकारी सैनिक और उनके साथ लड़ रहे दूसरे लड़ाके अत तुर्बाह के बाहर पहाड़ी इलाकों में पीछे हट गए। वहीं, कुछ सैनिक लड़ाई में नुकसान और नाकामी के बाद और दक्षिण की ओर पड़ोसी लहज प्रांत में चले गए। इसके बाद हूती लड़ाके शहर में दाखिल हुए और अहम जगहों के साथ मुख्य एंट्री और एग्जिट पॉइंट पर तैनात हो गए।स्थानीय लोगों ने बताया कि हूती लड़ाके अत तुरबाह की प्रमुख सड़कों और सरकारी इमारतों के आसपास फैल गए। हूती लड़ाकों के पहुंचने से पहले ही कई दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर दी थीं।

पश्चिम बंगालः कोयले की खदान में पानी भरने से अफरातफरी, दो कर्मचारी घायल

विश्व केसरी■



कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के अंडाल में सिदुली कोयिलरी इलाके की एक कोयला खदान में अचानक पानी घुसने से मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। जिसके बाद अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर उन्हें बाहर निकाला। अधिकारियों की ओर से जानकारी दी गई कि इस घटना में दो कर्मचारी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों के मुताबिक, जमीन के नीचे किसी अज्ञात जगह से अचानक खदान में पानी भरने लगा। पानी के इस तरह भरने से कर्मचारियों में घबराहट फैल गई। मामले की जानकारी होते ही किसी भी संभावित खतरे को टालने के लिए सभी कर्मचारियों को तुरंत खदान प्रशासन की ओर से बाहर निकाला गया। सूत्रों का कहना है कि उस समय खदान के अंदर कर्मचारियों की संख्या कम होने की वजह से एक बड़ा हादसा होने से टल गया। इस घटना से खदान के पास रहने वाले लोगों में भी चिंता फैल गई। स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि खदान के पास के कुछ इलाकों में झटके महसूस किए गए और तेज आवाजें भी सुनी गईं। खतरे की आशंका से, कुछ लोग बच्चों और बुजुर्गों के साथ अपने घर छोड़कर दूसरी जगहों पर चले गए। ऐसे में इस बात पर भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या खदान में अचानक पानी भरने और आस-पास के रिहायशी इलाकों में महसूस किए गए झटकों और तेज आवाजों के बीच कोई संबंध है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच चल रही है।

दक्षिण कोरिया में ड्रग्स तस्करों पर शिकंजा; 8 महीने में गिरफ्तारी 33 प्रतिशत बढ़ी, 174 तस्कर पकड़े

विश्व केसरी■

सोल। दक्षिण कोरिया में ड्रग्स की तस्करी और उसे बनाने के आरोप में गिरफ्तार लोगों की संख्या इस साल के पहले आठ महीनों में पिछले साल की तुलना में 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई है।

कोरियन नेशनल पुलिस एजेंसी के तहत आने वाले नेशनल ऑफिस ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एनओआई) ने बताया कि जनवरी से अगस्त के बीच ड्रग्स बनाने और उनकी तस्करी के आरोप में 174 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 130 थी। यानी इस साल इसमें 33.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ड्रग्स बेचने के आरोप में गिरफ्तार लोगों की संख्या भी पिछले साल के मुकाबले 6.6 प्रतिशत बढ़कर 3,396 हो गई।

इस दौरान ड्रग्स से जुड़े अलग-अलग अपराधों में कुल 9,530 लोगों को पकड़ा गया, जो पिछले साल के मुकाबले 5.3 प्रतिशत ज्यादा है। इनमें मेडिकल ड्रग्स से



जुड़े मामलों में 706 लोगों को गिरफ्तार किया गया। यह संख्या पिछले साल की तुलना में 11.9 प्रतिशत ज्यादा है।

पुलिस ने इस साल खास तौर पर ड्रग्स की सप्लाई के स्रोतों और उनके डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को तोड़ने पर अपना ध्यान लगाया है।

एक बड़े मामले में पुलिस कुख्यात ड्रग तस्कर पार्क वांग-योल को फिलीपींस से वापस दक्षिण कोरिया लेकर आई और गिरफ्तार किया। पार्क फिलीपींस में तीन दक्षिण कोरियाई नागरिकों की हत्या के शक में जेल में बंद था। उस पर दक्षिण कोरिया में खरीदारों तक ड्रग्स पहुंचाने का भी शक है।

पुलिस ने पार्क से जुड़े करीब 6.3 अरब वॉन (लगभग 46.9 लाख अमेरिकी डॉलर) के ड्रग्स का पता लगाया। इनमें 12.7 किलोग्राम मेथामफेटामाइन भी शामिल था। इसके अलावा उससे जुड़े अपराध से कमाए गए करीब 8.63 अरब वॉन का भी पता चला।

समुद्र में घायल वियतनामी नागरिक की जान बचाने पहुंचा भारतीय सैन्य दल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। समुद्र के बीच अचानक आई चिकित्सकीय आपात स्थिति में भारतीय सैन्य बलों ने समय पर कार्रवाई करते हुए एक विदेशी नागरिक की जान बचाई। अंडमान और निकोबार कमान ने 4 अक्टूबर की सुबह समुद्र में घायल हुए वियतनामी नागरिक को सुरक्षित निकालकर उसे आगे के उपचार के लिए 'कैंपबेल बे' पहुंचाया।

एएनसी कमांड के मुताबिक, वियतनामी नागरिक व्यापारी जहाज एमटी सन 09 पर सवार था। एक हादसे में यह विदेशी नागरिक घायल हो गया था। समुद्र में उसकी हालत को देखते हुए चिकित्सकीय सहायता और सुरक्षित निकासी की तत्काल जरूरत थी। सूचना मिलते ही अंडमान और निकोबार कमान ने बिना देर किए बचाव अभियान शुरू किया। नौसेना के समुद्री घटक का एक जहाज इंदिरा प्वाइंट के आसपास के क्षेत्र में पहुंचा। इसके बाद भारतीय सैन्य दल ने नौका के जरिए घायल व्यक्ति तक पहुंच बनाई। बिना देर किए जख्मी व्यक्ति को सुरक्षित निकालकर जहाज पर लाया गया। जहाज पर ही उसे तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया।

चिकित्सकीय देखभाल के दौरान घायल व्यक्ति की जरूरी शारीरिक स्थितियों को देखते हुए आवश्यक सहायता दी गई। इसके बाद उसे सुरक्षित तरीके से 'कैंपबेल बे' पहुंचाया गया, जहां उसे आगे के उपचार के लिए चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। समुद्र के बीच कठिन परिस्थितियों में किए गए इस त्वरित और समन्वित अभियान ने एक बार फिर अंडमान और निकोबार कमान की समुद्री सुरक्षा तथा संकट में फंसे लोगों की जान बचाने के प्रति प्रतिबद्धता को सामने रखा। समुद्र में किसी भी आपात स्थिति में समय पर सहायता और जीवन रक्षा को प्राथमिकता देने की भारतीय सैन्य बलों की भूमिका इस अभियान में भी साफ दिखाई दी।

आदि कैलाश में 14,400 फीट की ऊंचाई पर मदद के लिए पहुंची भारतीय सेना

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। आदि कैलाश की बर्फीली और दुर्गम ऊंचाइयों में फंसी एक महिला यात्री की मदद के लिए भारतीय सेना ने त्वरित कार्रवाई की है। जवानों ने यहां एक पल भी गंवाए बिना मोर्चा संभाल लिया। करीब 14,400 फीट की ऊंचाई पर सेना को एक व्यक्ति के बीमार होने की सूचना मिली। यह सूचना मिलते ही सेना की पंचशूल ब्रिगेड के जवान तुरंत बचाव अभियान में जुट गए।

दरअसल यह दुर्गम पहाड़ी इलाका आसान नहीं था। ऊंचाई, कठिन रास्ते और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में हर कदम पर मुसीबत परीक्षा ले रही थीं। लेकिन सैनिकों का लक्ष्य बिल्कुल साफ था कि संकट में फंसे व्यक्ति को जल्द से जल्द सुरक्षित निकालना है। पंचशूल ब्रिगेड के जवानों ने कठिन भूभाग की परवाह किए बिना तेजी से कार्रवाई की। बचाव अभियान के दौरान उनकी तत्परता और साहस ने यह दिखाया कि भारतीय सेना के लिए हर जीवन की कीमत है। सेना के जवानों ने महिला को सुरक्षित बचाया और उसे तुरंत आवश्यक मेडिकल सहायता दी गई।

रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि सीमा से लेकर देश के सबसे दुर्गम इलाकों तक, सेना सिर्फ राष्ट्र की रक्षा ही नहीं करती, बल्कि जरूरत की घड़ी में नागरिकों के साथ भी मजबूती से खड़ी रहती है। 14,400 फीट की ऊंचाई पर मदद की इस पुकार के जवाब में भारतीय सेना की कार्रवाई ने इसे एक बार फिर साबित किया है।

गौरतलब है कि समुद्र के बीच अचानक आई ऐसी एक चिकित्सकीय आपात स्थिति में भारतीय सैन्य बलों ने समय पर कार्रवाई करते हुए एक विदेशी नागरिक की भी जान बचाई है। अंडमान और निकोबार कमान ने समुद्र में घायल हुए वियतनामी नागरिक को सुरक्षित निकालकर उसे आगे के उपचार के लिए कैंपबेल बे पहुंचाया।

उत्तराखंड में लेखकों का एक 'गाँव'

विश्व केसरी■

संतोष श्रीवास्तव

'लेखक गाँव': यह नाम सुनते ही मन में अनेक प्रश्न उठते हैं। क्या यह केवल लेखकों के रहने की जगह है? या उनके सृजन करने की जगह या प्रकृति से जुड़ने का प्रयास। या फिर चिंतन, मनन, अध्यात्म का केंद्र? उत्तराखंड के थानो वेली पहुँचकर लगा कि इन सभी प्रश्नों का उत्तर एक साथ 'हाँ' भी है और उससे कहीं अधिक भी।

यहाँ प्रकृति स्वयं एक पाठ बन जाती है। और इसी स्थल पर हमने किया अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच के 13 वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन। जिसमें भारत भर से 35 साहित्यकारों ने भाग लिया। मन में जोश और उमंग भरे हम पहुंचे देहरादून से 25 किलोमीटर दूर हरे-भरे पहाड़ी रास्ते से गुजरते हुए थानो वेली ।

एक बहुत बड़े गेट जिस पर लेखक गांव लिखा था उससे परिसर में प्रवेश करते ही सामने थे



हरे भरे पर्वत उन पर लेटे बादल और साहित्य, संस्कृति, कला, प्रकृति और चिंतन को एक ही परिसर में समेटने वाला अनूठा स्थल।

लेखक गाँव को 25 अक्टूबर 2024 को औपचारिक रूप से लोकार्पित किया गया। यह अवसर तीन दिवसीय स्पर्श हिमालय महोत्सव-2024 से जुड़ा था। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में इसे देश के पहले हिमालयी 'लेखक गाँव' की संज्ञा दी गई।

सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' की परिकल्पना का मूर्त रूप है लेखक गांव। इसे स्पर्श हिमालय फाउंडेशन के तत्वावधान में विकसित किया गया है। इसका मूल विचार यह है कि लेखक को केवल पुस्तकालय या सभागार ही नहीं, बल्कि ऐसा पूरा वातावरण मिले जिसमें वह प्रकृति के बीच रहकर पढ़ सके, सोच सके, संवाद कर सके और सृजन कर सके।

यह परिसर लगभग 25 एकड़ भूमि में विकसित किया गया है और इसके भवनों में स्थानीय पहाड़ी स्थापत्य तथा काष्ठ-कला का उपयोग किया गया है। देवदार की लकड़ी, पहाड़ी पटाल और पारंपरिक सजावटी तत्वों का प्रयोग परिसर को उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान।

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के पांच नए न्यायाधीशों ने ली शपथ

विश्व केसरी■



अमरावती। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों ने सोमवार को हाईकोर्ट परिसर में आयोजित एक समारोह में न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

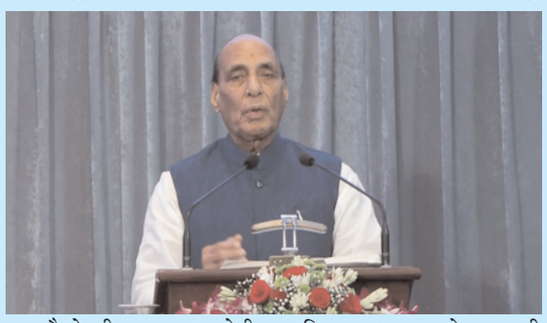
आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस लिसा गिल ने जस्टिस महेश्वर राव कुंचम (उर्फ कुंचम), जस्टिस थूटा चंद्र धन शेखर (उर्फ टी.सी.डी. शेखर), जस्टिस चल्ला गुणरंजन, जस्टिस अवधानम हरि हरनाथ शर्मा और जस्टिस यादवल्ली लक्ष्मण राव को शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण समारोह से पहले पांच नए स्थायी जजों की नियुक्ति का नोटिफिकेशन पढ़कर सुनाया गया। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 23 सितंबर को हुई अपनी बैठक में आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के स्थायी जजों के तौर पर इन अतिरिक्त जजों की नियुक्ति के प्रस्तावों को मंजूरी दी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 30 सितंबर को उन्हें जज के तौर पर नियुक्त करने का आदेश जारी किया।

जस्टिस कुंचम महेश्वर राव, थूटा चंद्र धन शेखर और चल्ला गुणरंजन ने 28 अक्टूबर 2024 को हाई कोर्ट के अतिरिक्त जजों के तौर पर शपथ ली थी। इसी तरह, जस्टिस अवधानम हरि हरनाथ शर्मा और यादवल्ली लक्ष्मण राव ने 24 जनवरी 2025 को अतिरिक्त जजों के तौर पर शपथ ली थी।

हिंद महासागर में बढ़ेगी नौसेना की ताकत, राजनाथ सिंह लॉन्च करेंगे पहला फ्लीट सपोर्ट पोत

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत में एक बड़ा इजाफा होने जा रहा है। भारतीय नौसेना के बेड़े में पहले फ्लीट सपोर्ट पोत 6 अक्टूबर को शामिल किया जाएगा। करीब 43,500 टन वजन वाला यह पोत समुद्र में तैनात युद्धपोतों को जरूरी ईंधन और अन्य सामान की आपूर्ति करने में अहम भूमिका निभाएगा। इसका सीधा फायदा नौसेना की समुद्र में लंबे समय तक अभियान चलाने की क्षमता पर पड़ेगा। यानी युद्धपोतों को बार-बार तट पर लौटने की जरूरत कम होगी।

भारतीय युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र में लंबे समय तक और ज्यादा दूर तक अभियान जारी रख सकेंगे। इससे भारतीय नौसेना की समुद्री पहुंच और अभियान क्षमता को मजबूती मिलेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को विशाखापत्तनम में इस पोत के जलावतरण के दौरान मौजूद रहेंगे।

हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड में पहले फ्लीट सपोर्ट पोत को जलावतरण होगा। इसी कार्यक्रम में वह पांचवें फ्लीट सपोर्ट पोत की आधारशिला भी रखेंगे। इसके साथ ही शिपयार्ड की उन्नत स्लिपवे-4 तथा 300 टन क्षमता वाली विशाल क्रेन का उद्घाटन भी करेंगे।

रक्षा मंत्रालय का मानना यह कार्यक्रम भारत की स्वदेशी युद्धपोत निर्माण क्षमता के बढ़ते सामर्थ्य को दिखाता है। शिपयार्ड में सुविधाओं के विस्तार से अब बड़े और जटिल समुद्री पोतों के निर्माण की क्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होगी। यहां सबसे बड़ा आकर्षण फ्लीट सपोर्ट पोत-1 का जलावतरण होगा। यह भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे पांच फ्लीट सपोर्ट पोतों में पहला है।

खास बात यह है कि स्टील काटने (निर्माण की शुरुआत) होने के महज 18 महीने बाद यह पोत बंगाल की खाड़ी के पानी में उतरेगा। राजनाथ सिंह इसी कार्यक्रम में फ्लीट सपोर्ट पोत-5 की आधारशिला भी रखेंगे। यह कदम पूरे कार्यक्रम के अगले चरण में पहुंचने का संकेत है।

भारत के लिए यादगार रहा एशियन गेम्स 2026, खिलाड़ियों ने दिखाया दम

पदक तालिका में 85 पदक के साथ हासिल किया चौथा स्थान



विश्व केसरी

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। देश ने कुल 21 गोल्ड समेत 85 मेडल अपने नाम किए। हालांकि, यह एशियन गेम्स भारत के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुआ। आइए आपको बताते हैं किन 5 वजहों से भारत के लिए यादगार रहा यह टूर्नामेंट।

महिला हॉकी में खत्म हुआ 44 साल का सूखा: एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने 44 साल का सूखा खत्म करते हुए देश की झोली में गोल्ड मेडल डाला। सलीमा टेटे की कप्तानी में भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। फाइनल में भारत ने चीन को कड़े मुकाबले में 1-0 से हराते हुए 1982 के बाद पहली बार गोल्ड मेडल जीता।

सुचिका तारियाल ने दिलाया एमएमए में मेडल: मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में भारत को एशियन गेम्स के इतिहास का अपना पहला मेडल मिला। सुचिका तारियाल ने महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। हालांकि, वह अपना सेमीफाइनल मुकाबला हार गईं, जिसके चलते भारत इस खेल में गोल्ड या सिल्वर लाने से चूक गया।

सॉफ्ट टेनिस में पहला मेडल: सॉफ्ट टेनिस उन खेलों में शामिल था, जिन्हें एशियन गेम्स में पहली बार शामिल किया गया था। भारत की ओर से इस खेल में जय मीणा ने पुरुष कैटेगरी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश को पहला मेडल दिलाया। जय ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करने में सफल रहे। इसके साथ ही रोइंग में भी सतनाम सिंह और सलमान खान की जोड़ी ने डबल स्कल्स में भारत को पहला मेडल दिलाया।

अनाहत-बरनिका इलांगोवन ने रचा इतिहास:एशियन गेम्स 2026 में अनाहत सिंह स्क्वैश के सिंगल्स के फाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। वह गोल्ड लाने से तो चूक गईं, लेकिन उन्होंने सिल्वर जीतकर भी इतिहास रचा। वहीं, पोल वॉल्ट में बरनिका इलांगोवन ने एशियन गेम्स में भारत को पहला मेडल दिलाया। वह ब्रॉन्ज जीतने में सफल रहीं।

मीराबाई चानू का खत्म हुआ इंतजार: भारत की महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने 28 साल का सूखा खत्म करते हुए एशियन गेम्स के इतिहास में पहली बार मेडल जीता। वह सिल्वर मेडल अपने नाम करने में सफल रहीं। वहीं, सावन बरवाल ने मैराथन में 1982 के बाद भारत को पहला मेडल दिलाया।



इगा स्वियातेक ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह



विश्व केसरी

बीजिंग। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने सोमवार को यहां चाइना ओपन के राउंड-ऑफ-32 में 30वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डोना वेकिक को हराया। उन्होंने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। इगा स्वियातेक ने शानदार वापसी करते हुए राउंड-ऑफ-16 में जगह बनाई। पोलैंड की स्टार खिलाड़ी पहला सेट 4-6 से हार गई थीं और दूसरे सेट में 2-5 से पीछे चल रही थीं। ऐसा लग रहा था कि वह मैच हार जाएंगी, लेकिन उन्होंने जबरदस्त संघर्ष दिखाया। स्वियातेक ने दूसरे सेट का टाईब्रेकर 7-0 से जीता और फिर निर्णायक सेट में 6-2 से जीत हासिल कर मैच को 4-6, 7-6 (0), 6-2 से अपने नाम कर लिया।

जीत के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए स्वियातेक ने बताया कि उन्हें एक सेट हारने के बाद कैसा महसूस हो रहा था। उन्होंने कहा, 'मैं सच में बहुत चिढ़ गई थी। मुझे लगा कि मैं बुरा नहीं खेल रही थी, लेकिन निश्चित रूप से वह काफी नहीं था। मैंने कुछ गलतियां कीं। मुझे गुस्सा आ रहा था। मैं कुछ बदलना चाहती थी। जाहिर है कि वह काम नहीं कर रहा था। दूसरा सेट शुरू में मुश्किल था। बाद में मैंने समझ लिया कि क्या करना है। मैं इसे लेकर बहुत खुश हूं। मैच के तीसरे गेम में स्वियातेक अपनी सर्विस गंवा बैठीं और वेकिक की सर्विस तोड़ने का कोई तरीका नहीं ढूंढ पाईं। आठवीं वरीयता प्राप्त पोलिश खिलाड़ी आखिरकार पहला सेट 4-6 से हार गईं। उनकी वापसी की उम्मीदों को तब और झटका लगा जब दूसरे सेट में वे दो बार अपनी सर्विस हार गईं और 2-5 से पिछड़ गईं।

हालांकि, उन्होंने अपना बेहतरीन खेल दिखाया और क्रोएशिया की खिलाड़ी की सर्विस दो बार तोड़कर स्कोर 5-5 कर दिया। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाए रखी और दूसरा सेट टाई-ब्रेक में चला गया, जिसमें स्वियातेक ने बिना कोई प्वाइंट गंवाए जीत हासिल की। तब तक, मोमेंटम उनके साथ था।

दोनों खिलाड़ियों ने तीसरे सेट की शुरुआत एक-दूसरे की सर्विस तोड़कर की, लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने 3-2 पर ब्रेक हासिल किया और उसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने अपनी सर्विस बरकरार रखी और वेकिक की सर्विस तोड़ी, जिससे उन्होंने तीसरा सेट 6-2 से जीता और 2 घंटे 40 मिनट में शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। अब स्वियातेक का सामना इवा जोविक से होगा। जोविक ने राउंड-ऑफ-32 के मुकाबले में कामिला राखिमोवा को 6-1, 7-5 से हराया है। हालांकि, स्वियातेक को रोकना अमेरिकी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होगा।

स्लो ओवर रेट के कारण भारत-वेस्टइंडीज टीम पर लगा जुर्माना



विश्व केसरी

दुबई। न्यू चंडीगढ़ के पीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए तीसरे वनडे मुकाबले में स्लो ओवर रेट बनाए रखने के लिए आईसीसी ने भारत और वेस्टइंडीज टीम पर जुर्माना लगाया गया है।

आखिरी वनडे में समय की छूट को ध्यान में रखते हुए भारत को चार ओवर और वेस्टइंडीज को दो ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। इसके बाद भारतीय टीम पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत और वेस्टइंडीज पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 (जो न्यूनतम ओवर-रेट उल्लंघनों से संबंधित है) के अनुसार, अगर कोई टीम तय समय में ओवर नहीं फेंक पाती है, तो उसके खिलाड़ियों पर हर ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। दोनों कप्तानों ने अपनी गलती मान ली और प्रस्तावित जुर्माने को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के प्रकाश भट्ट ने यह जुर्माना लगाया है। ऑन-फील्ड अंपायर जयरामन मदनगोपाल और सैम नोगज्स्की, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला इबे शाहिद और चौथे अंपायर वीरेंद्र शर्मा ने आरोप लगाए थे।

हांगकांग सिक्सः भारत की 7 सदस्यीय टीम घोषित, भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे कमान

विश्व केसरी

हांगकांग। हांगकांग सिक्स 2026 के लिए भारतीय टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के स्टार खिलाड़ियों के साथ उतरेगी। इसमें सात प्रमुख भारतीय क्रिकेटर 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेले जाने वाले तेजतर्रार 'सिक्स-ए-साइड' (छह खिलाड़ियों वाले) फॉर्मेट में हिस्सा लेंगे।

टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर खेले जाने वाली इस लीग में भारतीय टीम की कमान अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे। उनके साथ आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी क्रुणाल पांड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितिश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन भी होंगे।

भुवनेश्वर के पास अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल का कई वर्षों का अनुभव है और वे नई गेंद से असरदार प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं, जबकि क्रुणाल एक बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर टीम को विविधता देते हैं। नितिश आक्रामक बल्लेबाजी और टॉप ऑर्डर में खेलने का अनुभव लाते हैं। वहीं, शशांक और तेवतिया मैच फिनिश करने की अपनी काबिलियत दिखाते हैं। त्रिपाठी आक्रामक इरादे के साथ खेलते हैं और नटराजन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के तौर पर एक खास विकल्प देते हैं।



टीम इंडिया हांगकांग सिक्स में फिर से वापसी करेगी और टूर्नामेंट में आगे तक जाने की कोशिश करेगी। 2025 में उन्होंने पाकिस्तान के विरुद्ध डकवर्थ-लुईस नियम से दो रन की जीत के साथ शुरुआत की थी, लेकिन बाद के मैचों में हार के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

इस बार चुनौती कड़ी होगी। पाकिस्तान 2026 के टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन के तौर पर उतरेगा। उन्होंने पिछले साल के फाइनल में कुवैत को शिकस्त देकर रिकॉर्ड छठी बार हांगकांग सिक्स का खिताब अपने नाम किया था। 2026 के टूर्नामेंट में आठ प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देशों के साथ-साथ चार एसोसिएट सदस्य भी हिस्सा लेंगे।

'हॉन्ग कॉन्ग सिक्सेस' में प्रत्येक टीम में छह खिलाड़ी होते हैं और यह टूर्नामेंट पूरे क्रिकेट मैच के रोमांच को एक तेजतर्रार फॉर्मेट में समेट देता है, जिसमें बाउंड्री, नए तरह के शॉट्स, विकेट और मैच का रुख तेजी से बदलता रहता है।

'गोल्ड मेडल जीतना खास पल': वीवीएस लक्ष्मण



विश्व केसरी

बेंगलुरु। एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीतने के बाद भारत लौटने पर टूर्नामेंट में टीम इंडिया के हेड कोच की जिम्मेदारी निभाने वाले वीवीएस लक्ष्मण ने टीम के जज्बे और चैंपियन वाली सोच की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मुश्किल हालात में भी खिलाड़ियों ने हिम्मत नहीं हारी और सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया।

भारत ने फाइनल में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रनों से हराते हुए लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। लक्ष्मण ने कहा कि यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि टीम इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन के तौर पर उतरी थी।

भारत लौटने पर पत्रकारों से बात करते हुए लक्ष्मण ने कहा, 'गोल्ड मेडल बचाना हम सभी के लिए एक बहुत ही खास पल है।' भारत के पूर्व बल्लेबाज ने खिलाड़ियों को श्रेय दिया कि उन्होंने खेलों के दौरान चुनौतियों के बावजूद, खासकर मुश्किल हालात में हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा, 'टीम जिस तरह से खेली, उससे मैं बहुत खुश हूं। एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना बहुत गर्व की बात है। मुझे लगता है कि सभी ने अपनी क्षमता के अनुसार खेला।' लक्ष्मण ने टीम में मौजूद टैलेंट पूल पर भी जोर दिया और खिलाड़ियों की काम करने की लगन और सोच का जिक्र किया, जिससे भारत को मेगा इवेंट में मनचाहा नतीजा मिला।

नेशंस लीगः पुर्तगाल ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह, नॉर्वे को 2-1 से हराया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पुर्तगाल ने यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना खेल रही पुर्तगाल टीम ने 79वें मिनट में गोंकालो रामोस के विजयी गोल की मदद से नॉर्वे को 2-1 से हराया।

क्रिस्टोफर अजेर ने शानदार हाफ-वॉली के जरिए मेहमान टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन दो मिनट बाद ही जोआओ कैंसेलो ने शानदार अंदाज में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद मेजबान टीम ने बढ़त हासिल कर ली। जोआओ फेलिक्स के शानदार पास पर गोंकालो रामोस ने गोल दागा। दो बार नेशंस लीग का खिताब जीत चुकी पुर्तगाल की टीम ने मैच के अंत तक अपनी बढ़त कायम रखी और ग्रुप ए4 में जीत का सिलसिला जारी रखा। हालांकि, मैच के आखिरी मिनटों में फ्रांसिस्को कॉन्सेकाओ को दूसरा पीला कार्ड



मिलने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा, लेकिन इससे टीम की जीत पर कोई असर नहीं पड़ा।

वहीं दूसरी ओर, रासमस होजलुंड और जोशुआ जर्कजी ने अहम भूमिका निभाई और डेनमार्क तथा नीदरलैंड्स ने भी महत्वपूर्ण जीत हासिल की। होजलुंड की सधी हुई पेनल्टी ने डेनमार्क को इस कैंपेन की दूसरी जीत दिलाई और वेल्स के खिलाफ अपनी अजेय बढ़त को पांच मैचों तक बढ़ा दिया। वेल्स ने मैच की शुरुआत अच्छी की और गेंद पर ज्यादा कब्जा रखते हुए ब्रेनन जॉनसन और लुईस कौमास के जरिए कई हमले किए। हालांकि, धीरे-धीरे डेनमार्क ने वापसी की और हाफ-टाइम से पहले गुस्ताव इसाकसेन और ओलिवर प्रोवस्टगार्ड गोल करने के करीब पहुंच गए।

दूसरे हाफ में वेल्स के गोलकीपर डैनी वार्ड ने रास्मुस होजलुंड और इसाकसेन के शॉट्स पर शानदार बचाव किए। हालांकि, बाद में उनके एक गलत पास की वजह से डेनमार्क को पेनल्टी मिल गई। होजलुंड ने इस मौके का फायदा उठाते हुए आसानी से गोल कर दिया। यह उनके पिछले चार नेशंस लीग मैचों में तीसरा गोल था।

वहीं, आइंधोवन में नीदरलैंड्स ने सर्बिया को 2-1 से हराया। टीम की जीत में जोशुआ जर्कजी का गोल अहम रहा। इस जीत के साथ जावी हर्नांडेज की कोचिंग में नीदरलैंड्स की टीम अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखने में सफल रही।

जापान ओपनः मुनार को मात देकर दूसरी बार फाइनल में पहुंचे अल्काराज

विश्व केसरी

टोक्यो। वर्ल्ड नंबर 3 कार्लोस अल्काराज ने सोमवार को 'जापान ओपन 2026' के सेमीफाइनल में हमवतन खिलाड़ी जाउमे मुनार को 5-7, 6-3, 6-1 से मात दी। अल्काराज अपनी सर्विस गंवाने के कारण पहला सेट हार गए थे। उन्होंने कुछ 'ब्रेक' के साथ वापसी करते हुए दूसरा सेट 6-3 से जीता और फिर फाइनल सेट में शानदार खेल दिखाते हुए 6-1 से जीत दर्ज की। इसी के साथ अल्काराज लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंच गए।

टोक्यो के एरियाके कोलिजीयम में जीत के बाद टूर्नामेंट के ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए अल्काराज ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि पहले सेट में क्या हुआ? सच कहूं तो आमतौर पर पहले सेट में ऐसा ही होता है। मैंने मैच की अच्छी शुरुआत की थी, ब्रेक किया और सेट के लिए सर्विस भी की। पता नहीं क्या हुआ। ऐसा लगता है कि हर पहले सेट में मुझे संघर्ष करना पड़ता है। लेकिन जिस तरह से मैं हर बार वापसी करता हूं, मैं उससे वाकई बहुत खुश हूं।'



पूरे टूर्नामेंट में अल्काराज को पहले सेट में काफी संघर्ष करना पड़ा है। उन्हें क्वार्टर फाइनल में डेनिस शापोवालोव, राउंड ऑफ 16 में माटेओ अर्नल्डी और राउंड ऑफ 32 में एलेक्स मिशेलसेन के खिलाफ टाई-ब्रेक की जरूरत पड़ी थी।

मुनार के विरुद्ध, वह पहले सेट में 5-3 से आगे थे और सेट के लिए सर्विस कर रहे थे, लेकिन अगले गेम में उनकी सर्विस ब्रेक हो गई और मुनार 6-5 से आगे हो गए और पहला सेट जीत लिया। इसके बाद अल्काराज ने दूसरे सेट में वापसी की। उन्होंने ब्रेक करके 2-1 की बढ़त बनाई, फिर अगली सर्विस होल्ड करके स्कोर 3-1 किया और एक और ब्रेक के साथ 4-2 की बढ़त हासिल की। ??फिर उन्होंने एक और ब्रेक के साथ सेट 6-3 से अपने नाम किया।

तीसरे सेट में उन्होंने लगातार अपनी सर्विस होल्ड करते हुए और हमवतन खिलाड़ी की सर्विस ब्रेक की और आगे बढ़े।

एलएंडटी को भारत और विदेशों में 15,000 करोड़ रुपए तक के पावर ट्रांसमिशन ऑर्डर मिले



विश्व केसरी ■

मुंबई। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने सोमवार को कहा कि उसके पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन (पीटीएंडडी) कारोबार को भारत और विदेशों में इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) के कई ऑर्डर मिले हैं। ये ऑर्डर कंपनी की 'मेगा' श्रेणी में आते हैं और इनका मूल्य 15,000 करोड़ रुपए तक है।

कंपनी ने बीएसई पर एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इन ऑर्डरों का उद्देश्य बिजली ट्रांसमिशन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी के लिए आवश्यक ढांचा तैयार करना है।

कंपनी ने बताया कि सऊदी अरब में एलएंडटी को 380 केवी ट्रांसमिशन और सबस्टेशन सेगमेंट में ऑर्डर मिले हैं।

इसके अलावा, ये परियोजनाएं ट्रांसमिशन क्षमता बढ़ाने और नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी में मदद करेंगी, जिससे देश के बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करने में सहायता मिलेगी।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में कंपनी को 132/11 केवी सबस्टेशन बनाने और उससे जुड़े केबलिंग कार्यों का ऑर्डर मिला है।

भारत में कंपनी को एक प्रमुख निजी क्षेत्र के डेवलपर से विशाखापत्तनम में ट्रांसमिशन सिस्टम स्थापित करने का ऑर्डर मिला है। इसमें ट्रांसमिशन लाइनें और सबस्टेशन शामिल हैं।

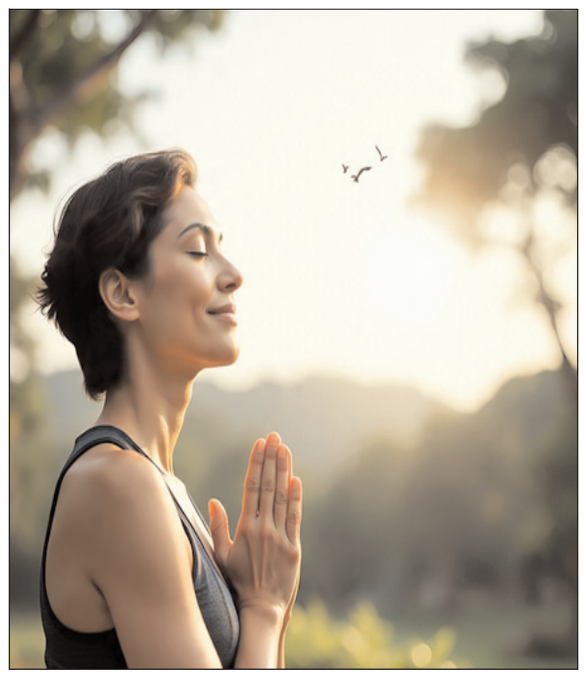
एलएंडटी में पीटीएंडडी के कार्यकारी उपाध्यक्ष और प्रमुख जोजी सेबेस्टियन ने कहा, 'ये ऑर्डर पीटीएंडडी की इंजीनियरिंग और परियोजनाओं को पूरा करने की क्षमताओं की व्यापकता तथा विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में जटिल बिजली बुनियादी ढांचा समाधान उपलब्ध कराने की क्षमता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रिड को मजबूत करने, नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण और इससे जुड़े बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग से कारोबार के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

एलएंडटी का पीटीएंडडी कारोबार ट्रांसमिशन लाइनों, सबस्टेशनों, भूमिगत केबल नेटवर्क, डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, बिजली की गुणवत्ता में सुधार और बुनियादी ढांचे के विद्युतीकरण से जुड़ी परियोजनाओं के लिए इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) तथा एंड-टू-एंड सेवाएं प्रदान करता है।

सत्र में लार्सन एंड टुब्रो के शेयर बीएसई पर 0.93 प्रतिशत तक बढ़कर 3,727 रुपए पर था। शेयर का इंट्राडे हाई 3,745 रुपए था।



योगासन करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान, आयुष मंत्रालय ने बताए अभ्यास से जुड़े नियम



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को स्वस्थ और तनावमुक्त रखने के लिए योग एक अच्छा माध्यम माना जाता है। नियमित योग अभ्यास से शरीर को सक्रिय रखने और मानसिक शांति पाने में मदद मिल सकती है।

हालांकि, योग का पूरा लाभ उठाने के लिए केवल आसन करना ही काफी नहीं है, बल्कि अभ्यास से पहले कुछ जरूरी नियमों का ध्यान रखना भी आवश्यक है। आयुष मंत्रालय ने योग अभ्यास से जुड़े ऐसे ही कई दिशा-निर्देश बताए गए हैं, जिन्हें अपनाकर अभ्यास को अधिक सहज और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

योग के सामान्य नियमों में सबसे पहले स्वच्छता का महत्व बताया गया है। इसका मतलब शरीर के साथ-साथ अभ्यास के आसपास के वातावरण और मन को भी स्वच्छ और शांत रखना है। योग हमेशा ऐसी जगह पर करना चाहिए, जहां शोर-शराबा कम हो और व्यक्ति बिना किसी परेशानी के अपना ध्यान अभ्यास पर लगा सके।

योग करने से पहले शरीर और मन को आराम की स्थिति में रखना चाहिए। जल्दबाजी या अत्यधिक थकान में योगाभ्यास करने से बचना बेहतर है। इसके अलावा अभ्यास शुरू करने से पहले शौच करना जरूरी है, ताकि पेट हल्का रहे और अभ्यास के दौरान किसी तरह की असहजता न हो।

अभ्यास के दौरान आरामदायक कपड़े पहनना भी जरूरी है। हल्के और ढीले सूती कपड़े शरीर को आसानी से हिलाने-डुलाने में मदद करते हैं। योगाभ्यास करने के लिए योग मैट, दरी, गद्दे या मुड़े हुए कंबल का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे जमीन पर बैठने और आसन करने में सुविधा रहती है।

योग हर व्यक्ति के लिए एक जैसा नहीं होता। अगर किसी को पुरानी बीमारी, शरीर में लगातार दर्द या दिल से जुड़ी समस्या है, तो योगासन शुरू करने से पहले डॉक्टर या योग्य योग विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। अपनी शारीरिक क्षमता के अनुसार ही आसनों का चुनाव करना जरूरी है।

इसी तरह गर्भावस्था के दौरान भी योग अभ्यास को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए। ऐसी स्थिति में योग विशेषज्ञ की सलाह से उपयुक्त अभ्यास करना बेहतर रहता है।

कमर दर्द से हैं परेशान? पूर्ण शलभासन से मिलेगा आराम, बढ़ेगा रक्त प्रवाह

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। योग शास्त्र में शरीर की लचक, रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन और आंतरिक अंगों की मजबूती के लिए प्रकार के योगासनों का वर्णन मिलता है। ऐसे ही एक आसन का नाम 'पूर्ण शलभासन' है, जिसके करने से शरीर को कई तरह के फायदे मिलते हैं।

पूर्ण शलभासन या फुल लोकस्ट पोज योग के सबसे उन्नत और प्रभावशाली आसनों में से एक है। मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योग बताता है कि पूर्ण शलभासन न सिर्फ रीढ़ की हड्डी को लोहे जैसा मजबूत बनाता है बल्कि पूरे शरीर को ताकत और एनर्जी भी देता है।

संस्कृत भाषा में 'शलभ' का अर्थ 'टिड्डी' होता है और 'पूर्ण' का अर्थ 'संपूर्ण' होता है। इस आसन की अंतिम स्थिति में साधक का शरीर उड़ान भरती हुई टिड्डी के समान प्रतीत होता है, इसलिए इसे यह नाम दिया गया है। यह आसन दिखने में थोड़ा कठिन लगता है लेकिन नियमित अभ्यास से इसे आसानी से किया जा सकता है। यह पीठ, कमर और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है।

यह शलभासन (टिड्डी मुद्रा) की उन्नत या पूर्ण स्थिति है, जो शरीर के संतुलन, लचीलेपन और आंतरिक अंगों को मजबूती देने में मदद करती है। साथ ही, यह आसन पीठ के निचले हिस्से और रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है तथा वहां रक्त प्रवाह को सुधारता है।

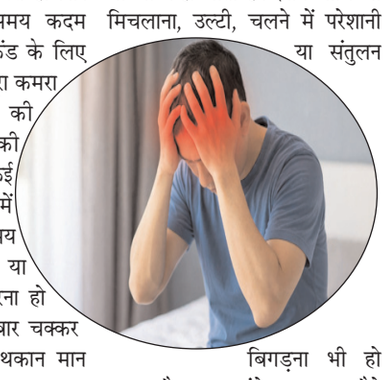
दरअसल, इस आसन को करने से पीठ के निचले हिस्से के मांसपेशियों पर खिंचाव पड़ता है, जिससे वो मजबूत होती हैं। साथ ही, रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आता है और वह मजबूत बनती है। इतना ही नहीं, इस आसन के अभ्यास से पीठ और कमर के आसपास रक्त का प्रवाह बेहतर होता है।

इससे दर्द, अकड़न और थकान में राहत मिलती है और शरीर में नई ऊर्जा महसूस होती है।

पेट पर पड़ने वाले दबाव के कारण यह कब्ज को दूर करता है और पाचन क्षमता को बेहतर बनाता है। शुरुआती अभ्यासकर्ता इस आसन को किसी योग गुरु की देखरेख में ही करें। गंभीर कमर दर्द, साइटिका, उच्च रक्तचाप, हर्निया या पेप्टिक अल्सर से पीड़ित लोग इस आसन का अभ्यास न करें।

बार-बार चक्कर आना सिर्फ थकान नहीं, इन वजहों से भी घूम सकता है सिर

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। अचानक उठते ही सिर हल्का लगना, चलते समय कदम लड़खड़ाना, या कुछ सेकेंड के लिए ऐसा महसूस होना जैसे पूरा कमरा घूम रहा है, चक्कर की अलग-अलग तरह की स्थिति हो सकती है। कई बार इसकी वजह शरीर में पानी की कमी, लंबे समय तक कुछ न खाना या अचानक ब्लड प्रेशर गिरना हो सकता है। हालांकि हर बार चक्कर को सिर्फ कमजोरी या थकान मान लेना सही नहीं है।

कुछ लोगों को चक्कर में ऐसा लगता है जैसे वे बेहोश होने वाले हैं या शरीर हल्का पड़ रहा है जबकि कुछ लोगों को अपने आसपास की चीजें घूमती हुई महसूस होती हैं। दूसरी तरह की स्थिति को आमतौर पर वर्टिगो कहा जाता है। इसके साथ जी मिचलाना, उल्टी, चलने में परेशानी या संतुलन बिगड़ना भी हो सकता है। अगर लंबे समय तक बैठे या लेटे रहने के बाद अचानक खड़े होने पर आंखों के आगे अंधेरा छाने लगे, कमजोरी महसूस हो या सिर घूमे, तो इसका संबंध ब्लड प्रेशर में अचानक गिरावट से हो सकता है। इसे ऑर्थोस्टैटिक या पोस्टुरल हाइपोटेंशन कहा जाता है। शरीर की स्थिति बदलने पर कुछ समय के लिए ब्लड प्रेशर कम हो जाता है और इसी वजह से दिमाग तक रक्त का प्रवाह कुछ पल के लिए कम पड़ जाता है। ऐसे में डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

गर्मी में ज्यादा पसीना निकलना, उल्टी-दस्त होना, बुखार या पर्याप्त मात्रा में तरल न लेना शरीर में पानी की कमी पैदा करता है। डिहाइड्रेशन में प्यास लगने के अलावा थकान, मुंह सूखना, पेशाब कम होना या उसका रंग गहरा होना और चक्कर जैसी परेशानी होती है। अगर शरीर में पानी की कमी काफी बढ़ जाए तो स्थिति गंभीर भी हो सकती है। इसलिए लगातार चक्कर के साथ ऐसे संकेत दिखें तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। खासकर डायबिटीज की दवा या इंसुलिन लेने वाले लोगों में ब्लड शुगर बहुत कम होने पर चक्कर आते हैं।

पेट की चर्बी से हैं परेशान? रोज करें उत्तानपादासन, जानें इसके फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक स्वास्थ्य और आंतरिक ऊर्जा के संतुलन के लिए योग एक अत्यंत प्रभावी साधन है। इन्हीं यौगिक अभ्यासों में से 'उत्तानपादासन' है, जो न सिर्फ पेट की चर्बी को कम करता है बल्कि शरीर में नई ऊर्जा और संतुलन भी लाता है। यह योगासन हठयोग के अंतर्गत ही आता है। हठयोग के आधुनिक और पारंपरिक अभ्यासों में शरीर को स्थिर और सुदृढ़ बनाने के लिए कई आसनों का वर्णन है, जिनमें से उत्तानपादासन एक महत्वपूर्ण आसन है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, उत्तानपादासन पीठ के बल लेटकर किए जाने वाले आसनों में एक बेहद महत्वपूर्ण योगासन है। संस्कृत में 'उत्तान' का अर्थ 'ऊपर उठा हुआ' और 'पाद' का अर्थ 'पैर' होता है। साधारण शब्दों में इसका अर्थ है 'पैरों को ऊपर उठाकर की जाने वाली मुद्रा'। इस आसन को करने के दौरान पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों को जमीन से एक निश्चित कोण पर ऊपर उठाया जाता है, जिससे यह नाभि केंद्र (मणिपुर चक्र) को संतुलित करने में मदद करता है। उत्तानपादासन का मुख्य प्रभाव हमारे नाभि केंद्र (मणिपुर चक्र) और पेट के निचले भाग पर पड़ता है। यह आसन विशेष रूप से पाचन तंत्र को मजबूत करने, पेट की मांसपेशियों को सुडौल बनाने और नाभि को उसके सही स्थान पर संतुलित रखने के लिए जाना जाता है।

करौंदा : कम देखभाल में पनपने वाला पौधा, स्वाद के साथ सेहत के लिए भी उपयोगी

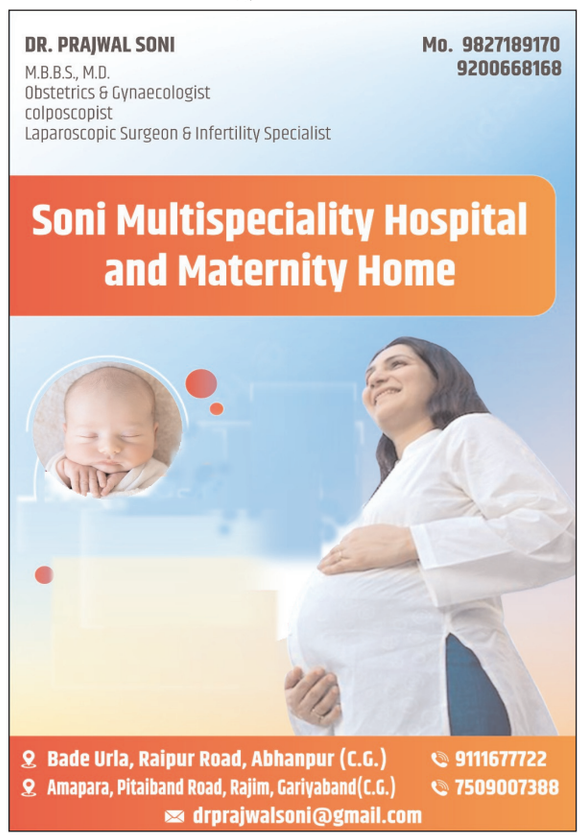
विश्व केसरी ■

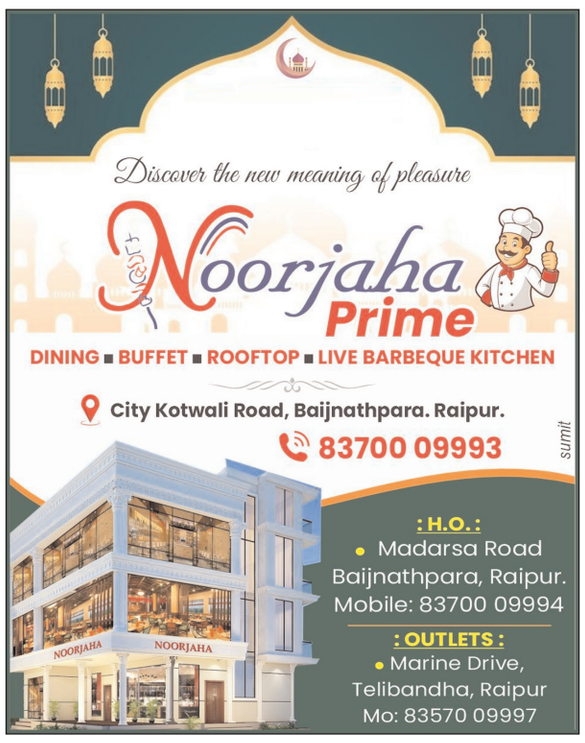
नई दिल्ली। करौंदा (कैरिसा कैरंडास) एक छोटा, कांटेदार और बहुत ही उपयोगी पौधा है। यह स्वाद में खट्टा होने के साथ ही सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इसकी खूबियों के बारे में जानकारी साझा की है।

करौंदे का पौधा आमतौर पर करीब 8 से 12 फीट तक ऊंचा हो सकता है। इसकी सबसे खास पहचान इसकी मजबूत कांटेदार शाखाएं हैं। पौधे की पत्तियां छोटी, मोटी और एक-दूसरे के विपरीत दिशा में लगी होती हैं। इसे खेतों, बगीचों और घरों के आसपास सुरक्षा के लिहाज से भी लगाया जाता है।

करौंदे में छोटे और सुगंधित सफेद फूल खिलते हैं, जो देखने में काफी सुंदर लगते हैं। इसमें फूलों के बाद छोटे फल लगते हैं। शुरुआत में ये फल हरे रंग के होते हैं, लेकिन पकने के साथ इनका रंग लाल से लेकर बैंगनी-काला तक हो जाता है। पकने के बाद करौंदे का इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है।

करौंदा भारतीय रसोई में भी अपनी अलग जगह रखता है। इसके फलों से स्वादिष्ट अचार, जैम और जेली बनाई जाती है। कई जगहों पर इसे सब्जियों और अलग-अलग पारंपरिक व्यंजनों में भी इस्तेमाल किया जाता है। इसका खट्टा और हल्का कसैला स्वाद खाने का जायका बढ़ा देता है। इसे कुछ लोग पकने पर ताजा भी खाते हैं। वहीं, पोषण की बात करें तो करौंदे के फलों में आयरन और विटामिन-सी काफी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाना फायदेमंद हो सकता है। आप इसे अचार, सब्जी, चटनी या किसी भी अन्य तरीके से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। करौंदे की एक और खासियत यह है कि इसे ज्यादा देखभाल की जरूरत नहीं पड़ती और यह आसानी से पनप सकता है।











दिल्ली: एलजी ने कैंपस की सुरक्षा की समीक्षा की

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को संस्थानों की सुरक्षा पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में यूनिवर्सिटी कैंपस में सुरक्षा को मजबूत करने और छात्रों, खासकर छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर खास ध्यान दिया गया।

इस बैठक में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के तहत आने वाली यूनिवर्सिटीज के वाइस-चांसलर और डायरेक्टर शामिल हुए। साथ ही, इसमें दिल्ली पुलिस, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

बैठक के बाद एलजी संधू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सबसे जरूरी प्राथमिकता है। उन्होंने कैंपस और छात्रों के आने-जाने के रास्तों पर सुरक्षा बेहतर करने के लिए कई उपायों के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि बैठक में अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल बेहतर करने और शिक्षण संस्थानों के आसपास सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर और इंतजामों को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया।

उन्होंने कहा, 'कई एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें पुलिस की गश्त बढ़ाना, अंधेरी जगहों (डार्क स्पॉट्स) को खत्म करना, आने-जाने वाली सड़कों पर सीसीटीवी लगाना, आखिरी छोर तक ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी बेहतर करना और छात्रों के रहने की जगहों का पूरी तरह से सुरक्षा ऑडिट करना शामिल है।'

एलजी ने कहा, 'हमें यह पक्का करना होगा कि हर युवा खासकर हमारी बेटियां दिल्ली में आत्मविश्वास, सम्मान और सुरक्षा की भावना के साथ पढ़ाई कर सकें। हमारे युवाओं के लिए सुरक्षित, जीवंत और सम्मानजनक माहौल 'विकसित दिल्ली' के विजन की नींव है।'

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्रों ने राजधानी में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर विरोध तेज कर दिया है। छात्र हाथों में पोस्टर और प्लेकार्ड लेकर सड़कों पर उतरे। उन्होंने महिलाओं पर लगाई गई पाबंदियों पर सवाल उठाए और यौन हिंसा की घटनाओं के लिए जवाबदेही की मांग की।

यह ताजा समीक्षा बैठक, 30 सितंबर को संधू द्वारा दिल्ली यूनिवर्सिटी से जुड़े महिला कॉलेजों के प्रिंसिपलों के साथ की गई बैठक के बाद हुई है। उस बैठक में उन्होंने अलग-अलग एजेंसियों को शैक्षणिक संस्थानों के आसपास महिलाओं की सुरक्षा के उपाय मजबूत करने के निर्देश दिए थे।

एलजी ने उस मीटिंग में अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कॉलेज के आसपास के इलाकों में स्ट्रीट लाइटिंग बेहतर करें, सीसीटीवी कवरेज बढ़ाएं और पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाएं, ताकि सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को दूर किया जा सके और छात्रों के लिए सुरक्षा का माहौल बेहतर बनाया जा सके।

संधू ने हर कॉलेज के लिए एक खास नोडल पुलिस अधिकारी नियुक्त करने का भी निर्देश दिया, ताकि कॉलेज प्रशासन के साथ नियमित तालमेल बना रहे और छेड़छाड़, अश्लील हरकतें और सुरक्षा से जुड़ी दूसरी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई हो सके।

लोक निवास के एक बयान के मुताबिक, इन निर्देशों में सादे कपड़ों में निगरानी करने वाले कर्मचारियों को तैनात करना और छात्रों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में तेजी से कार्रवाई करने के लिए इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम बनाना भी शामिल था।

एलजी ने यह भी निर्देश दिया कि शिक्षण संस्थानों के आसपास के इलाकों में सुरक्षा का व्यापक ऑडिट किया जाए।

दिल्ली जल बोर्ड ने 50,000 पेंशनर्स के लिए कैशलेस मेडिकल सुविधा शुरू की

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने सोमवार को 50,000 पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए एक व्यापक कैशलेस मेडिकल सुविधा शुरू की। इससे उन्हें पहले से भुगतान किए बिना और बाद में रीइम्बर्समेंट (खर्च की गई रकम की वापसी) मांगे बिना हेल्थकेयर सेवाएं आसानी से मिल सकेंगी।

इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री प्रवेश वर्मा, भाजपा विधायक और दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मेयर प्रवेश वाही शामिल हुए। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह पहल 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत शुरू की गई है। इस अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेवा के 25 साल और देश की सेवा के प्रति उनके समर्पण को चिह्नित करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सीएम रेखा ने कहा, 'इसके तहत, दिल्ली जल बोर्ड के उन हजारों कर्मचारियों और अधिकारियों की जरूरतों को पूरा किया जा रहा है, जिन्होंने विभाग में सेवा की है।' उन्होंने कहा कि कैशलेस मेडिकल सुविधा से रिटायर हो चुके डीजेबी कर्मचारियों और उनके परिवारों को बहुत जरूरी मदद मिलेगी, खासकर जीवन के उस पड़ाव पर जब उन्हें हेल्थकेयर के लिए ज्यादा मदद की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, 'जीवन के इस पड़ाव पर, जब उन्हें सरकारी मदद की जरूरत थी, तब तक उन्हें कैशलेस मेडिकल सुविधा नहीं मिल पा रही थी। हमारी सरकार की ओर से दी जा रही यह कैशलेस सर्विस डीजेबी के सभी पेंशनभोगियों के लिए बहुत बड़ी मदद है। अब वे आसानी से अपना इलाज करवा सकेंगे।'

मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि इस नई सुविधा के शुरू होने से पहले, दिल्ली जल बोर्ड के रिटायर्ड कर्मचारियों को पहले अपने इलाज का खर्च खुद उठाना पड़ता था और फिर पैसे वापस पाने (रीइम्बर्समेंट) के लिए अधिकारियों के पास जाना पड़ता था।

प्रवेश वर्मा ने कहा, 'हमने ऐसे 50,000 पेंशनभोगियों को कैशलेस सेवा का विकल्प दिया है। यह उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग थी लेकिन यह अब तक पूरी नहीं हुई थी। हमने सोचा कि 'सेवा संकल्प अभियान' इस योजना को शुरू करने का सबसे अच्छा समय है। भाजपा विधायक और दिल्ली जल बोर्ड के वाइस चेयरमैन सतीश उपाध्याय ने आईएएनएस से ??बात करते हुए कहा कि यह योजना उन कर्मचारियों की मदद की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जंतर-मंतर 2.0 को समर्थन देने वाले संगठनों के नेताओं की जल्द हो सकती है गिरफ्तारी: सौरभ भारद्वाज

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने जंतर-मंतर 2.0 आंदोलन को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने सूत्रों के हवाले से आशंका जताई है कि आंदोलन का समर्थन कर रहे विभिन्न संगठनों के नेताओं को जल्द ही कथित तौर पर झूठे मामलों में गिरफ्तार किया जा सकता है। भारद्वाज ने कहा कि यदि ऐसी स्थिति सामने आती है तो भी 10 अक्टूबर को प्रस्तावित शांतिपूर्ण प्रदर्शन को हर हाल में जारी रखा जाना चाहिए।

सौरभ भारद्वाज के इस बयान के बाद जंतर-मंतर 2.0 आंदोलन की आगे की रणनीति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। उन्होंने आंदोलन से जुड़े नेताओं और संगठनों से संभावित गिरफ्तारियों को ध्यान में रखते हुए पहले से ही वैकल्पिक नेतृत्व तैयार रखने की अपील की है।

उनका कहना है कि किसी एक नेता की गिरफ्तारी की स्थिति में आंदोलन की गतिविधियां रुकनी नहीं चाहिए और संगठनात्मक स्तर पर जिम्मेदारियां संभालने के लिए दूसरी पंक्ति का नेतृत्व तैयार रहना जरूरी है।

भारद्वाज ने आंदोलन से जुड़े संगठनों के बीच संचार व्यवस्था को लेकर भी विशेष तैयारी करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए प्लान-बी फॉर कम्युनिकेशन तैयार किया जाना चाहिए। इसके तहत ऐसी वैकल्पिक संचार व्यवस्था होनी चाहिए, जिसके माध्यम से किसी भी विपरीत परिस्थिति में आंदोलन से जुड़े नेताओं, संगठनों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच संपर्क बना रहे।

दिल्ली में मतदाता सूची सत्यापन जारी, नाम जुड़वाने और सुधार के लिए 30 अक्टूबर तक मौका

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची के सत्यापन और सुधार का काम लगातार जारी है। बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी का सत्यापन कर रहे हैं। इस दौरान मृत मतदाताओं, स्थायी रूप से दूसरी जगह जा चुके मतदाताओं और डुप्लीकेट नामों की पहचान की जा रही है।

वहीं, ऐसे पात्र मतदाता जिनका नाम किसी वजह से सूची में शामिल नहीं हो पाया है, उन्हें भी अपना नाम जुड़वाने और गलतियों में सुधार कराने का मौका दिया जा रहा है। दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की समय सीमा पहले 30 सितंबर निर्धारित की गई थी, जिसे निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बढ़ाकर 30 अक्टूबर कर दिया है। ऐसे में जिन मतदाताओं का नाम किसी कारणवश पहले छूट गया था, जो उस समय उपलब्ध नहीं थे या फॉर्म जमा नहीं कर पाए थे, वे अब फॉर्म-6 के माध्यम से अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा, जो लोग बाद में पटपड़गंज क्षेत्र में आकर बसे हैं, वे भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना नाम जुड़वा सकते हैं।

सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) ब्रजेश माथुर ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि एसआईआर के पहले चरण में करीब 1.32 लाख लोगों ने अपने फॉर्म जमा किए थे। इनमें से करीब 46 हजार मामलों में जानकारी कम या गलत पाए जाने के कारण नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पहले चरण के आंकड़ों के आधार पर करीब 90 हजार नाम डिलीशन की प्रक्रिया में शामिल किए गए थे।

रिश्वत के मामले में दिल्ली पुलिस का सब-इंस्पेक्टर गिरफ्तार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के मामले में दिल्ली पुलिस के एक सब-इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपी सब-इंस्पेक्टर प्रशांत विहार पुलिस स्टेशन में तैनात था।

सीबीआई ने रविवार को एक शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि प्रशांत विहार पुलिस स्टेशन में दर्ज एक आपराधिक मामले के जांच अधिकारी (सब-इंस्पेक्टर) ने शिकायतकर्ता से मामले में उसका पक्ष लेने के बदले एक लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी।

सीबीआई के अनुसार, शिकायतकर्ता की तलाशी के दौरान आरोपी को उसकी जेब में 20,000 रुपए मिले और उसने दबाव डालकर वह रकम उससे ले ली। इसके बाद आरोपी ने शिकायतकर्ता से बाकी के 80,000 रुपए अगले दिन लाने को कहा।

इसके बाद सीबीआई ने 4 अक्टूबर को जाल बिछाया और आरोपी सब-इंस्पेक्टर को शिकायतकर्ता से 80,000 रुपए मांगते और लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है। एजेंसी ने कहा कि भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ उसकी कार्रवाई भ्रष्टाचार को रोकने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दिखाती है और उसने नागरिकों से सरकारी अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार या रिश्वत की मांग के मामलों की रिपोर्ट करने का आग्रह किया।

एजेंसी ने कहा, 'भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई की सख्त कार्रवाई भ्रष्टाचार को रोकने के प्रति उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

'अपराधियों में डर पैदा करने की जरूरत' सुप्रीम कोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में रेप की हालिया घटनाओं पर सख्ती दिखाते हुए दिल्ली पुलिस को अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि आपको अपराध करने की सोच रखने वाले व्यक्ति के मन में डर पैदा करना होगा।

दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते रेप और दूसरे अपराधों पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है। सोमवार को इसी 'सुओ मोटो' मामले में जस्टिस जेबी पार्दीवाला की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि जरूरत पड़ने पर वे सख्त रुख अपनाएं।

कोर्ट ने टिप्पणी की कि ऐसे लोग भी होंगे जो आर्टिकल 21 की बात करेंगे, यानी वे मानवाधिकार समूह जो अपराधियों के साथ बुरे बर्ताव का विरोध करते हैं। कोर्ट ने कहा कि अधिकारी ऐसे समूहों की परवाह किए बिना, रेप जैसे घिनौने अपराध करने वाले अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकते हैं।

कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि जब तक आप अपराधियों के मन में यह डर पैदा नहीं करते कि 'अगर हमने ऐसा कुछ किया तो मारे जाएंगे', तब तक आप ऐसे अपराधों को रोक नहीं पाएंगे। आपको ऐसे अपराध करने की सोच रखने वाले व्यक्ति के मन में डर पैदा करने की जरूरत है। जस्टिस जेबी पार्दीवाला ने कहा, 'दुर्गा पूजा और दिवाली जैसी छुट्टियों के दौरान, ये बदमाश और गुंडे अधिक सक्रिय हो जाते हैं। आपको उनके मन में डर पैदा करना होगा। उन्हें पकड़कर जेल में डालना ही एकमात्र समाधान नहीं है। अफसरों, हालात के मुताबिक अपनी जिम्मेदारी निभाएं। हमें निराश न करें।

छेड़छाड़ या रेप का शिकार होने वाली हर महिला और लड़की हमारी बहन और मां के समान है। अपनी जिम्मेदारी निभाएं। इसे एक चुनौती के तौर पर लें। ऐसी घटनाओं को न होने दें।'

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से एनसीआर क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए।

ऐसे विद्यार्थी चाहिए जो संस्कृत के श्लोक के साथ ही कंप्यूटर के कोड को भी समझें: राजनाथ सिंह

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है हमें ऐसे विद्यार्थी चाहिए जो संस्कृत के श्लोक को भी समझें और कंप्यूटर के कोड को भी समझें। जो वेदों के मंत्रों की गहराई को भी समझें, और आधुनिक विज्ञान की भाषा को भी समझें। जो न्याय और मीमांसा पढ़ें, साथ ही आधुनिक समाज की समस्याओं को समझने की क्षमता भी रखें। राजनाथ सिंह ने सोमवार को अयोध्या में श्रीनारायण संस्कृत महाविद्यालय के नए भवन का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने संस्कृत के अध्ययन को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने पर विशेष बल दिया है। रक्षामंत्री ने कहा, 'मेरा मानना है, परम्परा को संरक्षित करने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि उसे वर्तमान समय की जरूरतों से जोड़ दिया जाए। आने वाली पीढ़ी को केवल अतीत जानना पर्याप्त नहीं है। उसे अतीत से शक्ति लेकर भविष्य का निर्माण करना है। वेदों से लेकर उपनिषद तक, दर्शन से लेकर व्याकरण तक, आयुर्वेद से लेकर गणित तक, ज्योतिष से लेकर साहित्य तक, न्याय से लेकर मीमांसा तक, भारतीय ज्ञान-परम्परा का एक बड़ा हिस्सा, संस्कृत के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ा, और विश्व की बौद्धिक परंपराओं को इसने समृद्ध किया।'

भारत की सभ्यता की एक बड़ी विशेषता यह रही है, कि यहाँ ज्ञान को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखा गया। ज्ञान को परम्परा बनाया गया। उस परम्परा को संस्कार बनाया गया। और फिर संस्कार को, शिक्षा के माध्यम से, समाज के व्यवहार में उतारा गया। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज जब पूरी दुनिया भारत की संस्कृति का पुनरुत्थान देख रही है, तब अयोध्या एक बार फिर अपने प्राचीन गौरव को प्राप्त कर रही है। अयोध्या के इस गौरव में, हमारी संत परंपरा का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

उन्होंने कहा कि संस्कृत को केवल एक भाषा नहीं समझा जाना चाहिए। संस्कृत के पास भारत की ज्ञान-परम्परा का एक विशाल भंडार है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति में हमारे संतों का जो स्थान रहा है।

पौधों से साफ होगा गंदा जहरीला पानी, आईआईटी ने विकसित की नई तकनीक

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। पशुपालन से निकलने वाले बेहद गंदे और प्रदूषित पानी को साफ करने के लिए आईआईटी गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने प्रकृति आधारित एक नई जल उपचार प्रणाली विकसित की है। खास बात यह है कि इस प्रणाली में अरबी के पौधों का इस्तेमाल किया गया है और इसे चलाने में बहुत कम ऊर्जा की जरूरत पड़ती है।

यह तकनीक खासतौर पर ग्रामीण और संसाधन-सीमित क्षेत्रों के छोटे और मध्यम पशुपालन फार्मों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। इस रिसर्च का मकसद पशुपालन से निकलने वाले अत्यधिक प्रदूषित पानी को प्राकृतिक तरीके से साफ करना और उसे नदियों, झीलों तथा कृषि क्षेत्रों तक पहुंचने से रोकना है। पशुपालन के अलावा कृषि और अन्य ग्रामीण गतिविधियों से दूषित होने वाले पानी के उपचार में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे जल स्रोतों में प्रदूषण कम करने और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

आईआईटी गुवाहाटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अपशिष्ट प्रबंधन अनुसंधान समूह ने यह प्रणाली विकसित की है। इसमें अरबी यानी कोलोकैसिया एस्कुलेंटा के पौधों के साथ विशेष जिग-जैग प्रवाह प्रणाली का इस्तेमाल किया गया है। इस तकनीक की सबसे खास बात इसका जिग-जैग डिजाइन है। शोधकर्ताओं ने उपचार प्रणाली के भीतर विशेष अवरोध लगाए हैं। इससे गंदे पानी को सीधे बाहर निकलने के बजाय लंबे जिग-जैग रास्ते से गुजरना पड़ता है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415